राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, बुधवार 28 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 140

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

वीर शहीद पोटो हो

की क्रांतिकारी भूमि कोल्हान प्रमंडल
की लाखों माता-बहनों को

खुशियों का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

झारखण्ड मुख्यमंत्री
मंईयां
सम्मान योजना

हर बहना को
हर साल
₹ 12 हजार

सम्मान राशि का करेंगे हस्तांतरण

28 अगस्त, 2024 | अपराह्न 12:00 बजे से
फुटबॉल मैदान, रापचा, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावाँ

कोल्हान प्रमंडल (सरायकेला-खरसावाँ, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम)
की सभी बहनों का समारोह में स्वागत है

48 लाख से अधिक निबंधन

लगभग 45 लाख बहनों के आवेदन स्वीकृत

31 अगस्त से पहले सभी बहनों के खातों में होगी एक हजार रुपये की सम्मान राशि (पहली किस्त)

सितंबर से हर महीने की 15 तारीख को हर बहन के खाते में पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

पहले संन्यास की सोची, जनता का हौसला देख नया अध्याय शुरू करने का लिया फैसला : चंपाई

संवाददाता । रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा को भाजपा में शामिल होंगे. उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पहले उन्होंने सोचा था कि राजनीति से सन्यास ले लूं. फिर सोचा कि नया संगठन बनाऊंगा. पर, अब समय कम है. बहुत सोचने के बाद हमने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया. मेरे साथ मेरा बेटा भी भाजपा में शामिल होगा. मोदी-शाह पर मेरा भरोसा बढ़ा है.

दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए चंपाई सोरेन ने कहा कि 18 अगस्त को जब दिल्ली आये थे तो अपना विचार दे दिया था. पहले मैंने संन्यास लेने की सोची, बाद में जनता व कार्यकर्ता का हौसला व उनकी मांग को देखते हुए तय किया कि सक्रिय राजनीति में ही रहूंगा. पहले सोचा कि नया संगठन बनायेंगे, लेकिन समय की कमी और झारखंड प्रदेश की परिस्थिति को देखते हुए भाजपा में जाने का निर्णय लिया.

सबको जवाब देना उचित नहीं समझते: आगे की क्या योजना है के सवाल पर चंपाई ने कहा कि बुधवार को झारखंड लौटेंगे, झारखंड में मैंने बहुत संघर्ष किया है. मेरा इतिहास आइने की तरह साफ है, इसलिए कोई कुछ भी कहे, उसका जवाब देना हम उचित नहीं समझते हैं.

चंपाई सोरेन को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली : रांची। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 30 अगस्त को बीजेपी शामिल होंगे. इससे पहले ही केंद्र सरकार ने चंपाई सोरेन की सुरक्षा बढ़ा दी है. उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गयी है. दिल्ली से लौटते ही उन्हें जेड प्लस सुरक्षा मिल जायेगी. अब चंपाई सोरेन की सुरक्षा में 33 जवान तैनात रहेंगे. मालूम हो कि केंद्रीय गृह मंत्रालय समय-समय पर नेताओं की सुरक्षा-व्यवस्था की समीक्षा करता है. इसके बाद तय करता है कि किस नेता को किस श्रेणी की सुरक्षा देनी है.

देर रात अमित शाह से मिले थे चंपाई सोरेन : चंपाई सोरेन ने सोमवार रात दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की थी. इस दौरान उनकी आगे की रणनीति को लेकर मंत्रणा हुई. मौके पर असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे. मुलाकात के बाद रात करीब 11.30 बजे हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की. उन्होंने यह भी बताया कि चंपाई सोरेन रांची में 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे.

चंपाई के साथ उनके बेटे को भी मिलेगा टिकट!

कोल्हान से अमित शाह करेंगे चुनावी रैलियों की शुरुआत

रांची । चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने को भाजपा पूरी तरह भुनाने के मूड में है. प्रदेश भाजपा के नेता इसे लेकर उत्साहित हैं. उनके लिए भाजपा कार्यालय में अभिनंदन व स्वागत समारोह का आयोजन किए जाने की बात कही जा रही है. साथ ही चंपाई सोरेन की मौजूदगी में कोल्हान से ही चुनावी कार्यक्रमों की शुरुआत करने की योजना है. पहले कार्यक्रम को गृह मंत्री अमित शाह संबोधित करेंगे. इस बीच सूत्रों ने यह स्पष्ट किया है कि भाजपा व चंपाई सोरेन के बीच जो बात हुई है, उसमें चंपाई के अलावा उनके बेटे को भी भाजपा से टिकट मिलेगा. जानकारी के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह चंपाई सोरेन के गांव जा सकते है. हालांकि अभी अमित शाह के दौरा को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. लेकिन सितंबर माह में अमित शाह सरायकेला आ सकते हैं. चंपाई सेरेन और अमित शाह के बीच हुए बातचीत में गृह मंत्री ने चंपाई सोरेन के गांव जिलीगोड़ाआने की बात कही थी.

प्रदेश कार्यालय में होगा भव्य स्वागत समारोह

चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे. झारखंड प्रदेश कार्यालय में भव्य अभिनंदन सह स्वागत समारोह का आयोजन किया जाना है. इसमें प्रदेश से लेकर केंद्र के भी नेता शामिल हो सकते है. शुक्रवार को ही चंपाई आधिकारिक रूप से भाजपा का दामन थाम लेंगे. फिलहाल बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन झारखंड लौटेंगे. जिसके बाद मंत्री पद और झामुमो से इस्तीफा दे देंगे. इसके बाद अपने क्षेत्र सरायकेला जाएंगे. फिर वापस रांची लौटेंगे.

झामुमो ने चंपाई सोरेन के कदम को बताया आत्मघाती

संवाददाता। रांची

- कहा– अब तक झामुमो और सरकार से नहीं दिया है इस्तीफा
- सीएम ने बात करनी चाही थी, पर बात नहीं हो सकी
- चंपाई सोरेन को झामुमो ने हमेशा सम्मान दिया
- किसी से नाराजगी थी तो पार्टी में बात रखनी चाहिए थी

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद मंगलवार को झामुमो ने प्रतिक्रिया दी है. पार्टी के महासचिव विनोद पांडेय ने चंपाई सोरेन के इस कदम को आत्मघाती बताया है. कहा है कि अब तक चंपाई सोरेन ने झामुमो से इस्तीफा नहीं दिया है. हम चाहते हैं कि भाजपा में शामिल होने से पहले चंपाई सोरेन अपने फैसले पर पुनर्विचार करें. उनके भाजपा में शामिल होने के फैसले से झामुमो कार्यकर्ताओं में नराजगी है.

विनोद पांडेय ने बताया कि जमशेदपुर में एक निजी कार्यक्रम के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने भी चंपाई सोरेन से बात करनी चाही थी. लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी. पांडेय ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि संगठन व्यक्ति विशेष से नहीं चलता. अगर चंपाई सोरेन को किसी भी बात को लेकर नराजगी थी, तो उन्हें बात करनी चाहिए थी. पार्टी में चर्चा करनी चाहिए थी.

चंपाई सोरेन को झामुमो ने इतना सम्मान दिया, उन्हें कम से कम इसका सम्मान रखना चाहिए था. पार्टी के सभी बड़े कार्यकर्ताओं ने प्रयास किया कि वह पार्टी न छोड़े. बताते चलें कि चंपाई सोरेन ने सोमवार की देर रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी. इसके बाद असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने एक्स हैंडल से जानकारी दी कि चंपाई सोरेन 30 अगस्त को रांची में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करेंगे. वहीं चंपाई सोरेन ने भी मंगलवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में खुलासा कर दिया कि वे बीजेपी में शामिल होंगे.

बीजेपी ने कहीं का नहीं छोड़ा, सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया : सूरज मंडल

संवाददाता । रांची

पूर्व सीएम चंपई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने की तारीख फाइनल होते ही पार्टी के अंदर बागवत शुरू हो गई है. पूर्व सांसद और बीजेपी नेता सूरज मंडल ने चंपई सोरेन को पार्टी में शामिल किये जाने को लेकर चंपाई और बीजेपी दोनों पर हमला किया है. कहा है कि बीजेपी ने मुझे क्या दिया. उसने तो मुझे रोड पर लाकर खड़ा कर दिया है. 10 साल में मोदी जी के नाम पर बीजेपी वालों ने झारखंड को बर्बाद कर दिया. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हीमंता बिस्वा सरमा पर हमला करते हुए मंडल ने कहा कि दोनों झारखंड में आकर ऊलजुलूल बोलते रहते हैं. उन्हें झारखंड के माटी के बारे में आखिर पता क्या है. चंपाई सोरेन पर बरसते हुए मंडल ने उनकी तुलना कौआ से कर दी. कहा कि सांसद रहते उन्होंने चंपाई को घंटी छाप पर विधानसभा चुनाव जिताया था. सूरज मंडल रांची प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे.

मंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को लेकर हमला किया. कहा कि एकीकृत बिहार में जो आरक्षण की सीमा थी उसे आज गड़बड़ा दिया गया है. आदिवासी आरक्षण और ओबीसी के बीच खाई की बात करते हुए उन्होंने ओबीसी नौजवानों से लड़ाई के लिए तैयार होने का आह्वान किया. मंडल ने कहा कि आज पहाड़िया, काल, महली, खड़िया, बिरहोर, असुर, घटवाल, खेतोड़ी ये आठ ट्राइबल जातियों का हक कहां है इस राज्य में. आरक्षण के सवाल पर शेख हसीना को हटना पड़ा. ज्यादा दिन किसी की हकमारी सही नहीं है. कहा कि जिसने ओबीसी आरक्षण की सीमा 27 से 14 किया और जो फिर 27 करने की बात कर रहे हैं, उन दोनों की सरकार झारखंड में नहीं बननी चाहिए.

ब्रीफ खबरें

आठ को रांची आएंगे डी राजा, भरेंगे जोश

रांची। सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा के रांची आगमन को लेकर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को बैठक हुई. पार्टी कार्यालय में राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने बताया कि डी राजा आठ सितंबर को कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने आएंगे. राष्ट्रीय महासचिव के रांची आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिए अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. शहर को झंडे और बैनर से पाटा जाएगा. साथ ही एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़े के साथ राष्ट्रीय महासचिव का स्वागत किया जाएगा. कार्यक्रम की तैयारी के लिए अलग-अलग समिति का गठन कर जिम्मेवारी सौंप दी गयी है.

चान्हो में अवैध शराब लदा पिकअप जब्त

रांची। चान्हो थाना क्षेत्र में 200 पेटी अवैध शराब लदे पिकअप वैन को पकड़ा गया गया. पुलिस ने जानकारी दी कि सोमवार की शाम इलाके के एनएच 75 मुख्य मार्ग पर पादुक पुल के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था. इस क्रम में एक बोलेरो पिकअप को रोका गया, जिसके बाद चालक और उस पर सवार एक अन्य व्यक्ति गाड़ी से उतर कर भागने लगा. पुलिस बल ने दोनों को पकड़ने का प्रयास किया, पर अंधेरे का फायदा उठा कर दोनों भागने में सफल रहे. वहीं, पिकअप की जांच में उसके अंदर से 205 पेटी अवैध शराब बरामद किया गया.

रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता पर हमला

रांची। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गौरेश चंद्र झा पर जानलेवा हमला हुआ है. गंभीर रूप से घायल अधिवक्ता को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है. फिलहाल उनकी हालत स्थिर है. जानकारी के मुताबिक, अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी निवासी गौरेश चंद्र झा का उनके मुहल्ले के कुछ लोगों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था. इसके बाद उनलोगों ने ही गौरेश पर हमला कर दिया. जिस वक्त अधिवक्ता पर हमला हुआ, वह घर में ही थे. घटना की सूचना अरगोड़ा थाना को दे दी गयी है. उधर, इस घटना के बाद रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश है.

आरयू के स्कूल ऑफ योग में रजिस्ट्रेशन शुरू

रांची। रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ योग में मास्टर इन योगिक साइंस (दो वर्षीय) कोर्स में रजिस्ट्रेशन पुनः प्रारंभ किया गया है. विभाग की निदेशक डॉ मधुलिका वर्मा ने जानकारी दी कि इच्छुक विद्यार्थी 29 अगस्त से विभाग की वेबसाइट www.schoolofyogaru.in में जा कर के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. सीट भर जाने की स्थिति में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया त्वरित बंद कर दी जाएगी.

सिर्फ वोट की राजनीति करना स्वीकार्य नहीं

रांची। पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने कहा है कि आदिवासियों के बीच में सिर्फ वोट की राजनीति करना स्वीकार्य नहीं है. सत्ता लोलुपता के लिए एक आदिवासी को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाया गया है. नीति और सिद्धांत के साथ पूरे देश में आदिवासियों को संगठित करने की दृष्टि से एक बड़े कदम के तहत चंपाई सोरेन का भाजपा में आना एक शुभ संकेत है.

बाबूलाल ने चंपाई का बीजेपी में किया स्वागत

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चंपाई सोरेन का भाजपा में स्वागत किया है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के लोक कल्याणकारी कार्यों और भाजपा की नीतियों में निष्ठा व्यक्त करने वाले झारखंड आंदोलनकारी सह पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है. झामुमो में परिवारवाद, तानाशाही, बाहरी लोगों का पूर्णतः नियंत्रण होने के कारण झामुमो को खड़ा करने वाले आंदोलनकारी नेताओं का मोहभंग हो चुका है.

सरकार के वायदे व हकीकत बताने को आजसू जन जगारण रथ रवाना

संवाददाता । रांची

आजसू जन जगारण रथ रवाना .

आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने जन जागरण रथ को हरमू स्थित पार्टी केंद्रीय कार्यालय से रवाना किया. उनके साथ पार्टी के प्रवक्ता देवशरण भगत भी थे. जन जागरण रथ के काफिले में 11 वाहनों को शामिल किया गया है. सभी वाहनों में दो-दो एलईडी स्क्रिन लगा है. वाहन अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे. वाहनों में लगे एलईडी स्क्रिन के जरिये हेमंत सरकार के वायदों और उसकी हकीकत के बारे में लोगों को बताया जायेगा. वाहनों को रवाना करते हुए सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड के पांच बहुमूल्य साल बर्बाद किया है. विकास की राह पर अग्रसर झारखंड को पीछे धकेल दिया है. झूठे वादे कर सत्ता में बैठे लोगों से हम पूछना चाहते हैं कि उनके द्वारा किए गए कितने वादे पूरे हुए. आज मूल्यांकन का वक्त है. जन जागरण पद यात्रा के माध्यम से हम राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकार की नाकामियों के बारे में लोगों को बताएंगे. चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि सरकार ने युवाओं से नौकरी और नौकरी न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था. युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और सरकार द्वारा उनके हित मे किए गए वादों का हिसाब मांग रहे हैं. हर साल 72 हजार रुपए देने, तीन उप राजधानी बनाने, झारखंड आंदोलनकारियों के आश्रितों को खोज-खोज कर नौकरी देने जैसे तमाम वादे पूरे नहीं हुए हैं.

जम्मू-कश्मीर के डोरू सीट से मीर ने भरा पर्चा

रांची। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर जम्मू-कश्मीर के डोरू विधानसभा सीट से किस्मत आजमाएंगे. उन्होंने इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए मंगलवार को परचा दाखिल किया. मीर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह जानकारी दी. उन्होंने कहा है कि मैंने डोरू विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है. मैं सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के अपार समर्थन के लिए उनका ऋणी हूं. बता दें कि जम्मू कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिल कर चुनाव लड़ेंगे. मीर जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के शाहबाद-बाला तहसील के रहने वाले हैं. 2019 में उन्होंने डोरू संसदीय सीट से चुनाव लड़ा था.

झारखंड की 38 पंचायत टीबी मुक्त घोषित

रांची। राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) और रिच संस्था के संयुक्त तत्वावधान में रांची स्थित होटल रेनड्रप में राज्य स्तरीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन हुआ. एनटीईपी ने वर्ष 2025 तक झारखंड में टीबी उन्मूलन की योजना बनाई है. हाल ही में झारखंड के 12 जिलों में वयस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है. वहीं झारखंड की 38 पंचायतों को टीबीमुक्त घोषित किया गया है. इनमें साहेबगंज, हजारीबाग व पाकुड़ में एक-एक, रांची, गुमला व रामगढ़ में दो, गोड्डा में तीन और गढ़वा जिले सबसे ज्यादा 26 पंचायतों को टीबीमुक्त घोषित किया गया है.

संताल के छह जिलों के डीसी ने हाईकोर्ट को गुमराह किया : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

- बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासी समाज की आबादी घटी
- आदिवासी समाज से सच्चाई छुपा कर अंधेरे में रख रही सरकार

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संताल क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ मामले को लेकर एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि संताल परगना के छह जिलों के डीसी ने हाईकोर्ट को गुमराह करने का काम किया है. आगे लिखा कि झारखंड में आदिवासियों की घटती आबादी एक कड़वी सच्चाई है.

हालिया कुछ सालों के दौरान अप्रत्याशित बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासी समाज की आबादी में निरंतर गिरावट आयी है, जिस पर चिंता व्यक्त करते हुए हाईकोर्ट ने संथाल परगना के उपायुक्तों से जवाब मांगा था. लेकिन हेमंत सोरेन के इशारे पर संताल परगना के छह जिलों के डीसी ने आदिवासियों की घटती आबादी की हकीकत को छुपा कर हाईकोर्ट को गुमराह किया है. मरांडी ने पूछा है कि आखिर हेमंत सोरेन इस सच्चाई को आदिवासी समाज से छुपा कर उन्हें अंधेरे में क्यों रखना चाहते हैं? क्या हेमंत सोरेन का शासन-प्रशासन भी आदिवासियों को मिटा देना चाहता है?

कोर्ट की खबरें

नशे के कारोबार के खिलाफ सरकार ने बनायी एसओपी, हाईकोर्ट को दी जानकारी

विधि संवाददाता । रांची

सरकार ने नशे के कारोबार के खिलाफ करने के लिए एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार कर ली है. इसी एसओपी के तहत राज्य भर में नशे के खिलाफ कार्रवाई की जेयेगी. झारखंड सरकार ने मंगलवार को इस बारे में हाई कोर्ट को जानकारी दी. जिसके बाद कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 29 अगस्त निर्धारित की है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है. अदालत ने अधिवक्ता कुमार वैभव को इस केस के लिए न्याय मित्र नियुक्त किया है. जानकारी के मतुबाकि रांची से सटे खूंटी जिला में बड़े पैमाने पर अफीम की अवैध खेती और नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था. इससे संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार से नशे के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जानकारी मांगी थी. इससे पहले हुई सुनवाइयों में अदालत ने केंद्रीय एजेंसी और राज्य की इंटेलिजेंस एजेंसी को संयुक्त अभियान चलाकर झारखंड में ड्रग्स की खरीद बिक्री पर रोक लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया था.

जानकारी के मुताबिक सरकार ने जो एसओपी तैयार की है, उसमें नशे के कारोबार की जड़ों को खत्म करने की तैयारी की जा रही है. अब तक होता यह था कि ड्रग्स बेचने वालों तक तो पुलिस पहुंच जाती थी. गिरफ्तार करके जेल भेज देती थी. लेकिन सप्लायर बच निकलते थे. इस बार सप्लायरों पर भी नकेल कसने की योजना तैयार की गई है. जिलों के एसपी को इससे संबंधित निर्देश जारी कर दिया गया है.

सिर्फ नेता-मंत्री को मिलता स्पेशल ट्रीटमेंटः हाई कोर्ट

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने मंगलवार को स्वतः संज्ञान लिये एक मामले की सुनवाई करते हुए मौखिक रूप से कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल है. सिर्फ नेता और मंत्री को स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है. दरअसल, 23 अगस्त को भाजपा की युवा आक्रोश रैली के दौरान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी काफी देर तक कांके रोड में जाम में फंसे रहे थे. अदालत ने आज उन्होंने डीजीपी, रांची डीसी, एसएसपी और ट्रैफिक एसपी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया. सुनवाई के दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि भविष्य में इस तरह की घटना नहीं होगी. अदालत ने जाम की समस्या पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि नेता या मंत्री सड़क पर निकलते हैं तो उन्हें स्पेशल ट्रीटमेंट दिया जाता है. लेकिन आम लोगों को जाम में फंसे रहने के किए छोड़ दिया जाता है. हूटर बजाकर लोगों के साथ जानवर जैसा व्यवहार किया जाता है. अदालत ने इस मामले को चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई के लिए ट्रांसफर कर दिया है.

हाईकोर्ट में पेश हुए भवन निर्माण निगम के एमडी

रांची। रांची के कांके स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान झारखंड राज्य भवन निर्माण कारपोरेशन लिमिटेड के एमडी अदालत के समक्ष सशरीर उपस्थित रहे.मंगलवार की सुनवाई में अदालत ने उन्हें अगली सुनवाई में उपस्थिति से छूट दे दी है. झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सरकार से यह जानकारी मांगी कि लॉ यूनिवर्सिटी के लिए जो पुलिस आउटपोस्ट बना था, वह कब तक बनेगा. इसके साथ ही कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए गुरुवार की तिथि निर्धारित की है. राज्य सरकार के लिए इस केस में अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद और अधिवक्ता शाहबाज़ अख्तर ने बहस की. बता दें कि बार एसोसिएशन झारखंड हाईकोर्ट की ओर से जनहित याचिका दाखिल कर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करने का आग्रह किया गया है.

पांकी विधानसभा विनोद के पोस्टर से राजनीतिक बाजार गर्म

पांकी का विकास व पलायन रोकना मेरा मकसद : विनोद

समीर चक्रवर्ती । रांची

लोगों का अभिवादन स्वीकार करते विनोद सिन्हा.

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के मित्र विनोद सिन्हा के पांकी विधानसभा से चुनाव लड़ने के पोस्टर इन दिनों पांकी, लेस्लीगंज, तरहसी व मनातू में देखे जाने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है. वहीं उनके चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद पांकी विधानसभा क्षेत्र में चर्चों का दौर भी शुरू हो गया. हालांकि विनोद सिन्हा किस दल से चुनाव मैदान में उतरेंगे इसका खुलासा अभी तक नहीं किया है. लेकिन क्षेत्र में लगे पोस्टरों ने जरूर विधायक से लेकर पूर्व विधायक की धड़कनों को तेज कर दिया है. इस संबंध में हमने विनोद सिन्हा से बात की. उनसे पूछा कि क्या वह पाकी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़गें. उन्होंने चुनाव लड़ने की पुष्टी की. किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगे, के सवाल पर विनोद सिन्हा ने कहा कि जल्द ही क्षेत्र के लोगों को इस बारे में पता चल जायेगा. उन्होंने कहा कि जल्द ही वह क्षेत्र के लोगों के साथ कई दौर की बैठक करेंगे. जनता जिस पार्टी से कहेगी उसी दल से मैदान में उतरगे. क्योंकि मेरा मकसद पांकी विधानसभा में विकास के नए आयाम खड़े करना है. जनता की समस्याओं का समाधान करने का मेरा यह प्रयास सबसे उपर रहेगा.

एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि पांकी जेसे क्षेत्र में बेरोजगारी दूर करने का कोई काम अभी तक किसी भी जन प्रतिनिधि ने नहीं किया. यहां शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई जैसी मूलभूत चीजों पर काम नहीं हुआ है. रोजगार के लिए युवाओं को आज अपने गांव और शहर से दूर जाना पड़ रहा है, क्योंकि यहां रोजगार के अवसर नहीं है. पलायन को रोकने के लिए हमें अपने क्षेत्र में उद्योग लगाने होंगे, ताकि हमारे युवा यहीं रहकर अपने परिवारों के साथ एक सफल भविष्य बना सके. पांकी में शिक्षा और स्वास्थ्य का भी बुरा हाल है. आज यहां उच्च स्तरीय कॉलेज और अस्पतालों की कमी है. अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के बिना समाज का विकास संभव नहीं है. उनसे जब पूछा गया कि 2013 में भी आप पांकी विधानसभा में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, अचानक पीछे क्यों हट गये. इस पर उन्होंने कहा मेरे और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर कई झुठे मुकदमें दर्ज हुए थे. उनमें से एक पलामू में विद्युतीकरण से जुडा था, मामले की सीबीआई जांच रही थी, इस कारण चुनाव से दूर रहा. जांच में सारे आरोप झुठे निकले. सभी मामले अब फाइनल स्टेज पर है. जल्द की सब खत्म हो जायेगा. मैं पांकी की जनता की सेवा निश्चित रुप से करूंगा. अब समय आ गया है.

क्लासिफाइड

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.2	24.9
जमशेदपुर	28.6	24.2
डालटनगंज	30.8	24.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 28 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 140 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,800
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

दिल्ली पहुंचे बाबूलाल मोदी से की मुलाकात

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. इस दौरान झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई. जानकारी के अनुसार चंपाई सोरेन प्रकरण के बाद सियासी हलचल को देखते हुए बाबूलाल मरांडी को दिल्ली तलब किया गया था. फिलहाल झारखंड बीजेपी के कई टॉप लीडर दिल्ली में ही मौजूद हैं. मरांडी बुधवार को रांची लौटेंगे और गुरुवार को रांची में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा में शामिल होंगे.

जय शाह बनाए गए आईसीसी के चेयरमैन

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह मंगलवार को आईसीसी के चेयरमैन बन गए हैं. वे आईसीसी के चेयरमैन बनने वाले सबसे युवा भारतीय हैं. जय शाह ने 36 साल की उम्र में यह जिम्मेदारी संभाली है. जय शाह से पहले भारत के और भी दिग्गज इस पद पर रह चुके हैं. वे अब 1 दिसंबर को पद संभाल लेंगे. जय शाह को इसके लिए बीसीसीआई सचिव का पद छोड़ना होगा.

मायावती फिर बनीं बसपा की अध्यक्ष

लखनऊ। यूपी की पूर्व सीएम मायावती को बसपा का एक बार फिर सर्वसम्मति से मंगलवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया. बसपा ने एक बयान जारी कर कहा कि मायावती को मंगलवार को यहां बसपा की कार्यकारिणी की बैठक में एक बार फिर सर्वसम्मति से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया. मायावती ने संकल्प दोहराया कि देश में बहुजनों के गौरव के लिए बसपा आंदोलन के हित में हम कभी रुकेंगे नहीं, समझौता नहीं करेंगे, टूटने की बात तो दूर ही है.

बिट्टू, कुशवाहा और मनन निर्विरोध जीते

नयी दिल्ली। नौ राज्यों की 12 सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले ही भाजपा के तीन उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं. इनमें राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू, बिहार से उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा शामिल हैं. तीनों को जीत का सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया. बिहार में जीतने के बाद दोनों उम्मीदवारों ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की. दरअसल, असम, बिहार और महाराष्ट्र की दो-दो सीट, हरियाणा, एमपी, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना और ओडिशा की एक-एक सीट पर उपचुनाव होना है.

देश में 5 दिन तक ठप रहेगी पासपोर्ट सेवा

नयी दिल्ली। नए पासपोर्ट बनवाने जा रहे लोगों के लिए जरूरी खबर है. अब पासपोर्ट बनवाने के लिए पांच दिन अपॉइंटमेंट नहीं मिलेगा. 29 की रात 8 बजे से 2 सितंबर की सुबह तक पूरे देश में पासपोर्ट विभाग का पोर्टल बंद रहेगा. पहले से किए गए आवेदनों के बाद अगर आपको 30 अगस्त से 2 सितंबर के बीच अपॉइंटमेंट मिला है, तो इसे किसी अन्य तारीख के लिए रीशेड्यूल करना पड़ेगा. ऐसे में न केवल दिल्ली के बल्कि देशभर के आवेदकों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

सीएम हेमंत सोरेन ने दुमका में 7 लाख 32 हज़ार बहनों तो सौंपी सम्मान राशि, कहा

जो आईटी के दायरे में नहीं उनका बकाया बिजली बिल होगा माफ

प्रमुख संवाददाता। रांची/दुमका

सीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा
- फौज, बैंक और रेलवे सहित कई संस्थाओं में बंद कर दिया नौकरी
- विपक्ष फिर से लग गया है सरकार तोड़ो अभियान में

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार 200 यूनिट बिजली फ्री दे रही है. लेकिन पुराना बकाया बाकी है. इस लिए पहले चरण में जितने भी गरीब-गुरबा का बकाया है और जो इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आते, उनका बिल का बकाया माफ करेंगे. मध्यवर्गीय लोगों का भी आकलन होगा. सीएम मंगलवार को दुमका में आयोजित मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना से 50 लाख महिलाएं जुड़ गई हैं, जिनको सरकार एक-एक हजार रुपए महीना और साल का 12 हजार देगी. हमने संकल्प लिया है कि इस चुनाव के बाद हर घर में एक-एक लाख पहुंचाएंगे. सीएम ने दुमका, देवघर, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ एवं जामताड़ा की 7 लाख 32 हज़ार 906 बहनों के बैंक खाते में डीबीटी से सम्मान राशि ट्रांसफर की.

नौकरी को ले केंद्र पर निशाना : सीएम ने विपक्ष और केंद्र सरकार पर भी जमकर निशाना साधा. कहा कि वे बोलते हैं, नौकरी नहीं मिली. इस देश में सबसे अधिक नौकरी फौज में होती थी. अब वहां नौकरी बंद है. अग्निवीर आ गया, जो 4 साल नौकरी कराएगा और फिर दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक देगा. रेलवे में सबसे अधिक नौकरी थी, इसमें भी बंद हो गई. बैंक में नौकरी बंद हो गई. जहां 100 बैंक होते थे, वहां 20 हो गए हैं. सब बैंक को मिला दिया गया. कई ऐसी संस्थाएं हैं, जिनमें नौकरी बंद हो गई है. ठीकरा हमारे ऊपर आ गया है.

प्राथमिकता से आदिवासी और मूलवासी को देना चाहते हैं नौकरी : सीएम ने कहा, 20 साल में नौकरी देने का कोई कानून नहीं बना. 4 साल में हमलोग कानून भी बनाए. 20- 25 हजार नौकरी भी दी. 35-40 हजार नियुक्ति प्रक्रिया में है. आए दिन हम कानून बनाते हैं, तो इनके कार्यकर्ता जाकर कोर्ट में कानून को चुनौती देते हैं. हम यहां मूलवासी आदिवासी को प्राथमिकता में नौकरी देना चाहते हैं. लेकिन ये लोग नहीं चाहते हैं. हमारे कानून को असंवैधानिक बताते हैं. वही कानून भाजपा के राज्य में बनता है, तो संवैधानिक हो जाता है. इन सब चुनौतियों के बीच राज्य अलग होने के बाद पहली बार नौकरी दी गई है.

सरकार का काम देख कर फट पड़ी हैं आंखें : सीएम ने कहा कि यहां के नेताओं की लुटिया डूब चुकी है. अब इन नेताओं की लुटिया उठाने असम से, छत्तीसगढ़ से, मध्यप्रदेश से, उत्तराखंड से यूपी से लोग यहां आते हैं. यहां सरकार के कामों के देख कर इनकी आंख फटी की फटी पड़ी है. ऐसे ही कैंप लगा कर हमने पूरे राज्य में ऑफर लेटर बांटा है. हमलोगों ने कानून भी बनाया है कि इस राज्य में जो भी कंपनी होगी, उसमें यहां के 75 प्रतिशत स्थानीयों को नौकरी मिलेगी. लेकिन इनको दिखता नहीं है. ये लोग फिर से लग गये हैं सरकार तोड़ो अभियान में. लोकसभा चुनाव में भी जहर घोलने का काम किया. इसलिए भगवान राम ने इनलोगों को आईना दिखा दिया. अब इनको केंद्र में सरकार बनाने के लिए बैसाखी की जरूरत पड़ती है.

दुमका में मईंया सम्मान कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को बहनों ने हेमंत सोरेन सौंपी हस्त निर्मित राखी.

- **7 लाख 32 हज़ार बहन- बेटियों के बैंक खाते सम्मान राशि ट्रांसफर की**
- **विधानसभा चुनाव के बाद हर घर में पहुंचाएंगे एक-एक लाख रुपए**

विज्ञापन छपवा कर करते झूठा प्रचार

विपक्ष के लोग विज्ञापन छपवा कर झूठा प्रचार करते हैं कि चार साल में मिला क्या. मैं जानना चाहता हूं कि चार साल में बुजुर्गों को पेंशन मिला कि नहीं. ये लोग 20 साल में मात्र 15 लाख बूढ़ा-बुजुर्ग को पेंशन दे रहा था. हमारी सरकार बनी तब चार साल में 40 लाख बूढ़ा-बुजुर्ग को पेंशन दे रहे हैं. पहले 2 से 4 घर में पेंशन मिलती थी. आज तो टॉर्च जलाकर देखने से भी कोई बूढ़ा-बुजुर्ग बिना पेंशन के नहीं मिलेगा. सबको पेंशन मिलती है. सीएम ने कहा कि विपक्षी लोग मुफ्त में गैस सिलेंडर बांटा और अब 1200-1500 का सिलेंडर बांट रहे हैं. पहले ये लोग चरस, गांजा अफीम की तरह लोगों को लत लगवाते हैं फिर बाद में उन्हीं लोगों का जेब काटने का काम करते है.

गरीबों के आवास के लिए पैसा नहीं दिया

सीएम ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के गरीब-गुरबा,आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक को स्वावलंबी बनाने का पैसा इनके पास नहीं है. हमारे राज्य के गरीबों को आवास देने का पैसा इनके पास नहीं है, राज्य के कर्मचारियों को पेंशन देने का पैसा नहीं है, बूढ़ा बुजुर्ग को पेंशन देने का पैसा नहीं है. लेकिन बड़े-बड़े व्यापारियों का लाखों-लाखों अरबों-अरबों रुपए माफ करने का पैसा इनके पास है. भूखा गरीब मरे तो मरे कोई चिंता नहीं है लेकिन व्यापारी लोग नहीं मरना चाहिए. पहले सबको आवास मिलता था उसमें आधा पैसा केंद्र सरकार देती थी. चार पांच लाख बकाया आवास था. लेकिन पैसा नहीं दिया. हमलोग का पैसा बगल के राज्य को दे दिया लेकिन हमलोग को नहीं दिया. हमने उस दिन संकल्प लिया कि 4 लाख को छोड़ो 20 लाख लोगों को राज्य सरकार आवास बनाकर देगी. आने वाले 5 से 6 साल में इस राज्य में ऐसा कोई गरीब नहीं बचेगा, जिसके पास घर नहीं होगा. हर साल लाखों आवास स्वीकृत किए जाएंगे.

मंईयां सम्मान योजना के कार्यक्रम में दुमका में मंगलवार को उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़.

आयकर आयुक्त रिश्वत खोरी प्रकरण

₹ 10 लाख रिश्वत मामले में अब तक पांच गिरफ्तार

रिजवान शम्स। धनबाद

तीन आरोपियों को पटना ले गई सीबीआई

- आयकर आयुक्त के लिए लाइजनिंग करने वाले गिरोह का भंडाफोड़
- लाइजनरों में कोल कारोबारी, ट्रांसपोर्टर और डॉक्टर तक शामिल

डॉ. प्रणय को मेडिकल जांच के लिए ले जाती सीबीआई

सीबीआई दिल्ली और पटना की टीम मंगलवार को धनबाद से तीन लोगों को हिरासत में लेकर टीम पटना को निकल गई. मंगलवार को तीन आरोपियों की मेडिकल जांच कराई गई. मेडिकल जांच के बाद तीनों को जांच एजेंसी अपने साथ ले गई. आरोपियों में हाउसिंग कॉलोनी के डॉ. प्रणव पूर्वे, बैंक मोड़ स्थित ट्रांसपोर्टर सह कोल कारोबारी गुरुपाल सिंह और बिपिन प्रिंटिंग प्रेस के संचालक अशोक चौरसिया शामिल हैं. सोमवार को इनके कई ठिकानों पर सीबीआई की टीम ने छापेमारी की थी. सोमवार की रात को तीनों को हिरासत में लेकर एजेंसी ने बिपिन प्रिंटिंग प्रेस में रात भर पूछताछ की. पूछताछ के बाद से टीम ने इनके ठिकानों से कई दस्तावेज, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए हैं.

बताते चलें कि सीबीआई की टीम ने पटना में आयकर आयुक्त संतोष कुमार को 10 लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा था. ये रिश्वत पटना निवासी चीकू नामक व्यक्ति ने दिए थे. सीबीआई ने चीकू को भी गिरफ्तार किया था. चीकू और डॉ. प्रणय के बीच रिश्तेदारी होने की बात कही जा रही है. सीबीआई सूत्रों की मानें तो चीकू को प्रणय ने ही रिश्वत की रकम पहुंचाने की जिम्मेवारी सौंपी थी. इस बात की जानकारी पाकर सीबीआई की टीम ने धनबाद में दबिश दी थी. धनबाद में डॉ. प्रणय पूर्वे के पास टीम आई और फिर उससे हिरासत में लेकर पूछताछ की. इसके बाद टीम ने ट्रांसपोर्टर गुरुपाल सिंह के घर पर दबिश दी.

सीबीआई को जानकारी मिली कि यह रकम डॉ. प्रणय ने गुरुपाल सिंह के कहने पर चीकू को देने को कहा था. फिर टीम ने गुरुपाल से पूछताछ की. इसके बाद फिर टीम बिपिन प्रिंटिंग प्रेस के मालिक अशोक चौरसिया पर भी शिकंजा कसा. फिर तीनों को एक साथ बिपिन प्रिंटिंग प्रेस में रख कर पूछताछ हुई. पूछताछ में टीम ने इनके आवासों और कार्यालयों को भी खंगालने का काम किया. इनके ठिकानों से कई दस्तावेजों और मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों को जब्त किया है. इस मामले में अबतक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. संतोष कुमार पटना आयकर आयुक्त के साथ धनबाद आयकर आयुक्त के प्रभार में चल रहे थे. रिश्वतखोरी का यह मामला बड़ी आयकर चोरी से जोड़ कर देखा जा रहा है. सूत्रों की मानें तो यह बात सामने निकल कर आ रही है कि धनबाद में एक गिरोह आयुक्त के लिए काम करता था, जो कारोबारियों को बचाने के लिए आयकर विभाग के अधिकारियों से सेटिंग कराता था और उन्हें रकम पहुंचाता था. ऐसे कारोबारियों में कई बड़े कोल कारोबारियों के साथ-साथ आउट सोर्सिंग संचालक तक शामिल हैं.

झारखंड में मतदाताओं को जोड़ने के लिए स्पेशल कैंपेन चलाया

आठ माह में 1.54% मतदाता बढ़े

शुभम किशोर। रांची

- धनबाद के झरिया और रांची के हटिया में छह–छह बूथ नजदीकी मतदान केंद्रों में समाहित किये गये

मतदाता सूची की जानकारी देते सीईसी के रवि कुमार व नेहा अरोड़ा.

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 का आंकड़ा मंगलवार को जारी कर दिया गया. निर्वाचन सदन, रांची में जानकारी देते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के आधार पर अभी राज्य की अनुमानित जनसंख्या चार करोड़ छह हजार 288 है.

इसमें मतदाताओं की संख्या दो करोड़ 57 लाख 78 हजार 149 है. अंतिम मतदाता सूची में पुरुष मतदाता एक करोड़ 30 लाख 65 हजार 449 और महिला मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 27 लाख 12 हजार 266 है. इसके अलावा 434 मतदाता थर्ड जेंडर हैं. 22 जनवरी 2024 को प्रकाशित मतदाता सूची की तुलना में 27 अगस्त को प्रकाशित सूची में मतदाताओं की संख्या में 1.54% की वृद्धि दर्ज की गयी है. अंतिम मतदाता सूची में 18-19 आयु वर्ग में पुरुष मतदाताओं की संख्या चार लाख 80 हजार 760, महिलाओं की पांच लाख 93 हजार 959 और थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 13 है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि युवा मतदाताओं कि संख्या अभी बढ़ेगी. 1 अक्टूबर को अर्हता तिथि मानते हुए 55 हजार 189 आवेदन प्राप्त हुए है. वर्तमान मतदाता सूची में मतदाताओं का फोटो और एपीक कवरेज शत प्रतिशत है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा भी मौजूद थीं.

राज्य में अनुमानित जनसंख्या - 4,00,06,288

कुल मतदाताओं की संख्या - 2,57,78,149

पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	थर्ड जेंडर मतदाता
1,30,65,449	1,27,12,266	434

- 18–19 वर्ष के कुल मतदाता **10,74,732**
- 18–19 वर्ष के पुरुष मतदाता **4,80,760**
- 18–19 वर्ष के महिला मतदाता **5,93,959**

राज्य भर में 53 नये बूथ बनाये गये : तदाताओं की सुविधा के लिहाज से अलग-अलग जिलों में कुल 53 नये मतदान केंद्र बनाये गये हैं. इनमें साहेबगंज, रामगढ़, जामताड़ा, पूर्वी सिंहभूम, रांची, सिमडेगा आदि जिले शामिल हैं. धनबाद के झरिया और रांची के हटिया में छह-छह मतदान केंद्रों को मतदाताओं की कमी के कारण नजदीकी मतदान केंद्रों के साथ समाहित कर दिया गया है. राज्य में आयोग द्वारा पूर्व में अनुमोदित 29,521 मतदान केंद्रों के स्थान पर अब मतदान केंद्रों की संख्या 29,562 हो गयी है.

बदलाव यू-टर्न या कांग्रेस को मात... आखिर किस रणनीति पर चल रहे पीएम नरेंद्र मोदी

अग्निवीर, जातीय जनगणना पर भी होगा बड़ा फैसला!

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

- विपक्ष इन मुद्दों को लेकर मोदी सरकार पर लगातार हमला कर रहा है
- इसके अलावा एनडीए के सहयोगी दल भी इन मुद्दों पर मुखर हो रहे हैं

मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में एक के बाद एक फैसलों पर यू-टर्न लेती दिख रही है. लेटरल एंट्री, न्यू पेंशन स्कीम, ब्रॉडकास्टिंग बिल के ड्राफ्ट से लेकर वक्फ संशोधन एक्ट और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन जैसे मुद्दे शामिल हैं.

खास बात है कि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस सरकार के यू-टर्न पर खूब खुश है. वह यह संदेश देने की कोशिश कर रही कि किस तरह से पीएम नरेंद्र मोदी सरकार में विपक्ष और अपने सहयोगी दलों के दबाव में अपने फैसलों पर पीछे हटने को मजबूर है. हालांकि, सरकार की तरफ से यू-टर्न के पीछे अपने तर्क हैं. न्यूज 18 के अनुसार सरकार से जुड़े लोगों का कहना है कि सरकार का यह कदम जनता की प्रतिक्रिया से जागरूक होने का प्रतीक है. सरकार कांग्रेस की रणनीति को ध्वस्त कर रही है. भाजपा नेताओं का मानना है कि यह लोकसभा चुनावों में जीत के बाद पॉलिटिकल नैरेटिव को फिर से अपने पक्ष में करने का हिस्सा है. इसके अलावा पीएम मोदी की तरफ से दिखाई गई व्यावहारिकता का एक उदाहरण है. सत्ता के गलियारों में दो बड़े मुद्दों पर चर्चा हो रही है. ये मुद्दे अग्निपथ और जातिगत जनगणना है. विपक्ष इनको लेकर सरकार पर हमला कर रहा है. इसके अलावा एनडीए के सहयोगी भी मुखर हैं. चिराग पासवान तो जातिगत जनगणना के पक्ष में खुल कर बोल रहे. वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कई मौकों पर यह कह चुके हैं सरकार अग्निपथ योजना में और सुधार के लिए बदलाव को तैयार है. कांग्रेस ने सत्ता में आने पर अग्निपथ योजना को खत्म करने का वादा भी किया था.

जातीय जनगणना पर अपने भी मुखर : इसी तरह, जाति जनगणना ऐसा मुद्दा है जिसके पक्ष में एनडीए के दोनों प्रमुख सहयोगी जदयू और लोजपा अलग अपना रुख व्यक्त कर चुके हैं. बिहार में जाति की राजनीति की प्रकृति को देखते हुए यह मुद्दा अहम हैं. खास बात है कि राज्य में अगले साल चुनाव हैं. दूसरी तरफ, पीएम ने अग्निपथ योजना का बचाव किया है. सरकार ने जाति जनगणना की मांगों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है. सरकार का कहना है कि यह विभाजनकारी कदम साबित होगा.हालांकि, पेंशन स्कीम पर सरकार ने जिस तरह से दो कदम पीछे खींचे हैं. ऐसे में ऐसे में आने वाले दिनों में मोदी इस दोनों मुद्दों पर कोई बड़ी घोषणा करें, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए.

सुलग रहा एमएसपी

एमएसपी का मुद्दा भी सुलग रहा है. इस पर विचार के लिए समिति गठित हो चुकी हैं. विपक्ष किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी देने वाले कानून की मांग कर रहा है. हरियाणा, पंजाब के साथ ही पश्चिमी यूपी में किसान संगठनों की सरकार से नाराजगी जगजाहिर है. मोदी के पहले व दूसरे कार्यकाल में दो बड़े फैसले वापस लिए गए थे. इनमें से एक भूमि अधिग्रहण एक्ट और दूसरा तीन कृषि कानूनों में बदलाव था. भाजपा के नेता कहते हैं कि सरकार के निर्णय के पीछे की वजह विपक्ष का दबाव नहीं बल्कि राजनीतिक व्यावहारिकता है.

सिसोदिया के बाद कविता को भी सुप्रीम कोर्ट से मिली बेल

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर भड़की शीर्ष अदालत

एजेंसी। नयी दिल्ली

आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन मामलों में बीआरएस की नेता के कविता को मंगलवार को जमानत दे दी. न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि कविता करीब पांच महीनों से हिरासत में हैं. इन मामलों में उनके खिलाफ सीबीआई तथा ईडी की जांच पूरी हो गयी है. कोर्ट ने उन्हें जमानत दिए जाने से इनकार करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के एक जुलाई के आदेश को रद्द कर दिया. ईडी ने कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था.सीबीआई ने कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में 11 अप्रैल को उन्हें गिरफ्तार किया था.

सुप्रीम कोर्ट कविता को बेल देते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर आपत्ति भी जताई. हाईकोर्ट ने कविता को बेल देने से इनकार करते हुए कहा था कि पढ़ी-लिखी व सोफेस्टिकेटेड महिला पीएमएलए के तहत जमानत लाभ की हकदार नहीं है. पीठ ने आपत्ति जताते हुए कहा, अगर इस आदेश को कानून बनने की अनुमति दी गई, तो इसका मतलब यह होगा कि किसी भी पढ़ी लिखी महिला को जमानत नहीं मिल सकती. इसके विपरीत हम यह कहते हैं कि अदालतों को सांसद और आम लोगों में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए.

ब्रीफ खबरें

तोपचांची बीआरसी में एमडीएम का ऑडिट रुका

तोपचांची। तोपचांची ब्लॉक रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) में मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) योजना का ऑडिट मंगलवार को रुक गया है. ऑडिट टीम को बैंक कागजात प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण प्रक्रिया पूरी होने में देर हो रही है. प्रखंड के सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापक मध्यान्ह भोजन योजना से संबंधित रिकॉर्ड लेकर ऑडिट टीम के सामने प्रस्तुत हुए थे. लेकिन टीम ने पाया कि एमडीएम योजना के लिए आवंटित धन का उपयोग कैसे किया गया है, इसके बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है. प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विनोद मोदी ने कहा कि प्रधानाध्यापकों द्वारा बैंक कागजात प्रस्तुत नहीं किए जाने को लेकर ऑडिट कार्य रोक दिया गया है. बैंक संबंधित कागजात प्रस्तुत करने का निर्देश प्रधानाध्यापकों को दे दिया गया है. ऑडिट प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं.

गृहिणी को डरा-धमका कर ले गया जेवरात

महुदा। महुदा थाना अन्तर्गत ग्राम कुलटाँड़ के निवासी रेशमी देवी ने अपने ही गाँव के रहने वाले राजा अंसारी पर चुपके से घर में घुसकर जान मारने की धमकी देकर 11300 रूपए एवं कान की बाली लेकर भागने का आरोप लगाया है. जिसकी लिखित शिकायत रेशमी देवी ने महुदा थाना को दिया है. रेशमी देवी ने बताया कि वह अपने घर पर बच्चों के साथ सोयी हुई थी. तभी रात के करीब 11:30 बजे गाँव के ही राजा अंसारी ने खिड़की का इंट हटाकर चोरी की नीयत से घर में दाखिल हो गया. सुगबुगाहट की आवाज सुनकर नींद खुल गई तो देखा कि गांव का राजा अंसारी बक्से को खोलने की कोशिश कर रहा है. जगा देखकर वो उसके पास आ गया और फिर गला दबाते हुए जान मारने की धमकी दिया. खतरा देखकर वह चुपचाप बैठी रही. इसके बाद उसके सामने ही राजा अंसारी ने बक्से में रखे रुपये एवं कान की बाली ले ली. महिला ने इस संबंध में पुलिस से कार्रवाई करने के साथ न्याय दिलाने की गुहार लगाई है.

योग्य छात्र साइकिल से नहीं रहे वंचित : डीसी

धनबाद । साइकिल वितरण योजना तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति सरकार की महत्वपूर्ण योजना है. कोई भी योग्य छात्र योजना से वंचित नहीं रहे. सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार अधिकारी इसे गंभीरता से लें. उपरोक्त निर्देश उपायुक्त माधवी मिश्रा ने मंगलवार को कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान दिया. वहीं बलियापुर, बाघमारा, निरसा एवं टुंडी में अपेक्षा से कम प्रगति हासिल करने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को योजना का महत्व समझते हुए कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया. बैठक में उपायुक्त ने बिरसा फसल बीमा योजना की समीक्षा की और अग्रणी जिला प्रबंधक को योजना में तेजी लाने का निर्देश दिया. निदेशक सामाजिक सुरक्षा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में 5260 छात्र - छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया जाएगा. वहीं 28608 छात्र - छात्राओं को पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी. बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार मौजूद थे.

अखाड़े की जमीन पर नाला बनाने का विरोध

संवाददाता । झरिया

झरिया के वार्ड नंबर 49 में नुनुडीह बस्ती में अखाड़े की जमीन पर हो रहे नाले निर्माण का काम को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया है. लोगों का कहना है कि ठीकेदार यहां पर अपनी मनमर्जी से काम करना चाह रहा है. स्थानीय लोगों इसी बात को लेकर नाराज हैं. लोगों का आरोप है कि बिना वर्क आर्डर के कुछ नेता लोग के मिलीभगत से नाले का काम कराना चाह रहे हैं.

जबकि बस्ती के लोगों का कहना है कि यहां पर नाले के लिए जमीन पूर्व से चिन्हित है. इसके बावजूद ठीकेदार मनमानी कर दूसरी जगह पर नाला बनाना चाह रहे हैं, जो अखाड़े की सार्वजनिक जमीन है. इस बात को लेकर लोगों ने ठीकेदार से यहां पर काम नहीं करने की बात कही है. ठीकेदार इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों को पुलिस व अन्य दबंगों की धमकी दे रहा है. लेकिन बस्ती के लोग ठीकेदार की बात सुनने को तैयार नहीं हैं और जहां पर जमीन है, वहीं पर नाला बनाने की बात कह रहे हैं. अरूण कुमार नोनिया, उपास कुमार नोनिया, अनूप कुमार और रोहित कुमार समेत बस्ती के लोगों ने पुलिस से मांग की है कि उक्त स्थल पर नाले का निर्माण कराया जाए, जहां जमीन पूर्व से चिन्हित है.

बरवाअड्डा सड़क हादसे में मजदूर की मौत

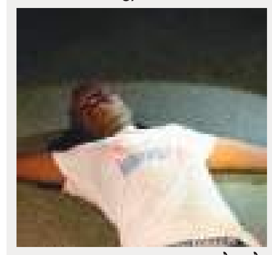

धनबाद। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के निरंकारी चौक के पास सोमवार की रात सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई. निरंकारी चौक के पास बायपास रोड में पैदल जा रहे मजदूर को एक पल्सर सवार ने जोरदार टक्कर मार दी. जिससे घटनास्थल पर ही मजदूर की मौत हो गई. घटना के बाद पुलिस घटनास्थल पहुंच गई. दुर्घटना की जांच की जा रही है. बता दें कि इन दिनों सड़क दुर्घटना के मामलों में काफी बढ़ोतरी हो गई है. बताया जा रहा है कि मृतक सीमेंट गाड़ी में सीमेंट खाली करता था. जिसका नाम मंगरु राय बताया जाता है.

कुष्ठ रोगी खोज अभियान

2261 दल प्रतिदिन करेंगे 20-20 घरों में जांच

संवाददाता । धनबाद

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सिविल सर्जन सभागार में मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन की अध्यक्षता में कुष्ठ रोगी खोज अभियान के प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई. सिविल सर्जन ने बताया कि धनबाद जिले में कुष्ठ रोगी खोज अभियान 28 अगस्त से 13 सितम्बर 2024 तक चलाया जायेगा. जिले में लगभग 5 लाख घर है. जिसमें सहिया एवं पुरूष कार्यकर्ता द्वारा घर-घर जा कर सघन जांच करेंगे. साथ ही प्रचार-प्रसार के माध्यम से कुष्ठ रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जायेगा. उन्होंने बताया कि सहिया व पुरुष कार्यकर्ता द्वारा प्रतिदिन 20 घरों में जांच की जाएगी. जिले में सघन जांच के लिए 2261 टीम बनाई गई है. अभियान को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 444 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं. सिविल सर्जन ने बताया कि सभी प्रखंडों में कार्यरत कर्मी माइक्रोप्लान के अनुसार प्रतिदिन कार्य करेंगे. साथ ही प्रतिदिन का प्रतिवेदन प्रखंड मुख्यालय में जमा करेंगे.

रामकनाली में बाउंड्री वॉल गिरी, दो आवास क्षतिग्रस्त

खास बातें

- जोरदार बारिश ने किया बुरा हाल
- मलबे में फंसे लोगों को पड़ोसियों ने निकाला
- खाद्य सामग्री समेत अन्य सामान मलबे में दबे

संवाददाता। कतरास

सोमवार को हुई लगातार बारिश से रामकनाली चेक पोस्ट के समीप परियोजना पदाधिकारी के आवास का बाउंड्री वॉल देर रात गिरने से दो एस्बेस्टस सीट का आवास क्षतिग्रस्त हो गया. जबकि एक दुधमुंहा बच्चा सहित अन्य लोग बाल बाल बच गए. घटना के बाद कमरे में फंसे गृहस्वामी सुरेश रवानी व शक्ति रवानी के परिजनों को मजदूर नेता विमलेश चौबे व स्थानीय लोगों के मदद से किसी तरह बाहर निकाला गया. जबकि गृहस्वामी का आवास में रखे सभी सामान मलबे में दब गए. मामले को लेकर गृह स्वामी सुरेश रवानी व शक्ति रवानी ने बताया कि हम लोग वर्षों से यहां रहते आ रहे हैं. लगतार हो रही बारिश से सोमवार की देर रात अचानक परियोजना पदाधिकारी के बंगले का बाउंड्री की दीवार अचानक आवास पर गिर गई. इससे आवास के अंदर ही हम लोग फंस गए. जबकि दूधमुंहा बच्चे पर दीवार का मिट्टी गिर गया. जिसमें वह दब गया. हमलोगों के शोर मचाने के बाद आवाज सुनकर आसपास के लोग जग गए और किसी तरह से आवास से उन लोगों को बाहर निकाला. घटना में खाद्य सामान सहित घर में रखे अन्य सामान मलबे में दब गए. इधर मजदूर नेता विमलेश चौबे ने बीसीसीएल एरिया चार के महाप्रबंधक से मुलाकात कर अविलंब दोनों परिवार के प्रभावितों को आवास मुहैया कराने की मांग की है.इस पर महाप्रबंधक ने सार्थक पहल करने का आश्वासन दिया है. फिलहाल दोनों परिजन पड़ोसियों के यहां रात गुजारने को विवश हैं.

झरिया-डिगवाडीह सड़क के स्पीड ब्रेकर से बढ़ा दुर्घटना का खतरा

उपायुक्त के निर्देश के बाद भी स्पीड ब्रेकर का नहीं लगाया निशान

संवाददाता। धनबाद

झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग पर झरिया से डिगवाडीह तक सड़क हादसा पर अंकुश लगाने के लिए एक दर्जन से अधिक पथ निर्माण विभाग ने स्पीड ब्रेकर बनाया है. ब्रेकर बनाने का मकसद इस मार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाना है, लेकिन स्पीड ब्रेकर बनाने के बाद सड़क पर संबंधित किसी तरह का निशान या मार्ग नहीं देने के कारण अक्सर वाहन चालक गच्चा खा जा रहे हैं, ऐसे में बाइक सवारों के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, इस मामले में उपायुक्त का निर्देश भी अब तक खाली गया है. स्पीड ब्रेकर से सबंधित चिन्ह नहीं लगाने की लिखित शिकायत भी की बावजूद कार्रवाई नहीं हो सकी है. 22 जुलाई को धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में स्पीड ब्रेकर पर पेंट लगाने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की और जल्द झरिया से डिगवाडीह तक बने स्पीड ब्रेकर पर पेंट लगाने का निर्देश दिया था. एक महीना बीत जाने के बाद भी संबंधित अधिकारियों ने स्पीड ब्रेकर पर पेंट नहीं लगाया जा सका. समाजसेवी अखलाक अहमद ने कहा कि डिवाइडर और स्पीड ब्रेकर पर रेडियम पेंट होनी चाहिए. ताकि रात में वाहन चलाने वाले ड्राइवर को डिवाइडर और स्पीड ब्रेकर की जानकारी मिल सके. उन्होंने कहा कि फिलहाल झरिया में बने स्पीड ब्रेकर और डिवाइडर में ऐसा कोई चिंन्ह नहीं है. जिससे वाहन चालकों को रात में वाहन चलाने में काफी परेशानी हो रही है.उन्होंने कहा कि सम्बंधित विभाग के अधिकारी तो उपायुक्त के निर्देश की भी उल्लंघन कर रहे हैं.

बाघमारा अंचल कार्यालय : ऑन लाइन साइट बंद, धरना जारी

बाघमारा। बाघमारा अंचल में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले रैयतों का बेमियादी धरना मंगलवार को भी अंचल कार्यालय परिसर में जारी रहा. रैयत 09 अगस्त से लगातार अपने जमीन संबंधी ऑनलाइन त्रुटि सुधार के लिए धरना दे रहे हैं . मंगलवार को धरना का नेतृत्व कर रहे रैयत विकास कुमार रजवार ने बताया कि उसका छोटामंझीलाडीह मौजा में 7.70 एकड़ पुरखों की जमीन है, ऑनलाइन रसीद नहीं काटी जा रही है. धरना पर बैठे तो सीओ साहब बोले रसीद काट देंगे, अभी ऑनलाइन साइट बंद है. ऐसा ही समस्या अन्य रैयत का भी है. रैयत ने कहा यदि साइट बंद है और हमलोग का कार्य साइट खुलते ही इंट्री हो जाएगा तो सीओ साहब हम धरनार्थी को लिखित देंगे तभी धरना से उठेंगे. धरना में मुख्य रूप से बसंती देवी, सुलोचना देवी, मानो रजवार, सुंदरी देवी, उमेश रजवार,चंदन रजवार, सुमित्रा देवी, सहित अन्य लोग थे.

होर्डिंग के ऊपर होर्डिंग प्रिंयका देवी के समर्थक ने खोला मोर्चा

- प्रिंयका समर्थकों ने कार्रवाई की रखी मांग

संवाददाता। धनबाद

कतरास मोड़ स्थित झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग पर लगी वार्ड 52 की निवर्तमान पार्षद व भाजपा की जिला मंत्री प्रिंयका देवी कुशवाहा की होर्डिंग पर भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह की होर्डिंग लगने पर विवाद खड़ा हो गया है .इसे लेकर मंगलवार को पाथरडीह कल्याणेश्वर शिव मंदिर परिसर में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रिंयका देवी के समर्थक शिबू गोराई ने कहा कि झरिया कतरास मोड़ पर 18 अगस्त से 7 सितंबर तक होर्डिंग की बुकिंग कराई थी. जहाँ सोमवार को रागिनी सिंह का होडिंग लगा दिया गया जो सरासर गलत है. इस मामले में भाजपा के वरीय पदाधिकारियों से हस्तक्षेप करने मांग की है.जबकि दोनों भाजपा के ही पदाधिकारी हैं. बावजूद इसके एक बैनर के ऊपर दूसरा बैनर क्यों लगाया गया.प्रेस वार्ता के माध्यम से भाजपा पदाधिकारियों से यह मांग है कि वह पार्टी में रहकर भेदभाव ना करें.अगर कोई ऐसा करता है तो पदाधिकारी उनपर कार्रवाई करें. मौके पर रुपेश कुमार, विनोद महतो, रौशन कुमार, जीतू कुमार, उज्ज्वल मंडल आदि उपस्थित थे.

श्री कृष्णा मातृ सदन की 20 वीं वर्षगांठ

सेवा करते-करते कब बीस साल बीत गए, पता नहीं चला : डा. झा

संवाददाता। कतरास

कतरास रानीबाजार में संचालित श्री कृष्णा मातृ सदन की 20 वीं वर्षगांठ पर सदन के समारोह हॉल में मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित की गई. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ विश्वनाथ चौधरी ने संचालक डॉ शिवानी झा एवं उनकी टीम को बधाई दी. विजय कुमार झा ने उन्हें बुके भेंट कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर उपस्थित संचालिका डॉक्टर शिवानी झा ने कहा कि अस्पताल परिसर के सभी स्टाफ उनका परिवार है.कॉल फ़ॉर हेल्प के जरिये सभी स्टाफ एक साथ सेवा के लिये तत्पर रहती है, मुख्य संचालिका डॉक्टर झा ने कहा सेवा करते-करते 20 वर्ष गुजर गये, पता ही नहीं चला. शुरुआती दौर में जब छोटे बच्चे थे तो यह कार्य बहुत मुश्किल लगता था. समय के साथ-साथ सब ठीक हो गया. महिला मरीजों को महिला डॉक्टर से मिलने में लिए धनबाद या बाहर जाकर ईलाज करवाना पड़ता था लेकिन 20 साल से यह सुविधा कतरास के श्रीकृष्णा मातृ सदन में उपलब्ध होने से उन्हें अपनी बात खुलकर बताने का मौका मिलता है.इस अवसर पर कार्यरत सभी स्टाफ को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन कर रहे पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा ने सेवा परमो धर्म पर जोर देते हुए कहा कि 20 वर्षों के सफर में कई बार उतार चढ़ाव को देखते हुए श्रीकृष्णा मातृ सदन आज अपने स्थापना के 20 साल पूरा कर रही है. मौके पर पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा, डॉक्टर वी एन चौधरी, डॉक्टर नेहा प्रियदशनी, डॉक्टर धीरज चौधरी, अनुज कुमार सिन्हा उर्फ पलटू, शंकर चौहान, गौतम मंडल, बिनोद सिंह , अनंत श्रीकृष्णा, मनीषा मीनू , सात्विका झा एवं श्रीकृष्णा मातृ सदन के जयकांत प्रसाद सिंह, बिरेन्द्र कुमार, गोबिंद हाड़ी सहित अन्य मौजूद थे.

अनुपमा ने सुनीं फुटपाथ दुकानदारों की समस्याएं

संवाददाता। निरसा बाजार

बेरमो विधायक अनूप सिंह की पत्नी व कांग्रेस के टिकट पर धनबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुकी अनुपमा सिंह मंगलवार को प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष डीएन प्रसाद यादव के नेतृत्व में निरसा बाजार में फुटपाथ दुकानदारों से मिलकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुईं. निरसा पहुंचते ही कांग्रेसी व फुटपाथ दुकानदारों ने अनुपमा को फूल माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. दुकानदारों की समस्या व पीड़ा को सुनकर अनुपमा काफी भावुक हो गई और आश्वासन देते हुए कहा कि इस मुद्दे को लेकर वह शीघ्र ही डीसी से मिलकर निदान निकालने का प्रयास करेंगी. इसके बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय रामवृक्ष यादव के कुमारधुबी वास गई. उनके परिवार से मिलकर सांत्वना देते हुए शोक संवेदना व्यक्त किया. मौके पर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष डीएन प्रसाद यादव, जिला सचिव अर्जुन भुईया, प्रदेश प्रतिनिधि दुर्गादास, जिला प्रवक्ता सतपाल सिंह ब्रोका, जियाउल हुसैन, दीपक कुमार मिश्रा, नंदन भईया, शशि भूषण तिवारी, एस के हुसैन, रोहित मोदी, दिनेश मोदी, राजेंद्र मोदी, आशिक अंसारी, रविंद्र यादव,वलड्डू यादव, बाबूलाल रब्बानी, लव यादव, शुभम मोदी, मनोज यादव, रंजन यादव, चंद्रभूषण कुमार, रामा रबिदास, अस्तिक आदि मौजूद थे.

टासरा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट

पुनर्वास का निर्णय जनसुनवाई के बाद

संवाददाता। धनबाद

टासरा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्रारूप पर जनसुनवाई के पश्चात निर्णय लिया जाएगा और समस्या का समाधान निकाला जाएगा. उपरोक्त निर्णय मंगलवार को उपायुक्त माधवी मिश्रा, टासरा के महाप्रबंधक तथा जनप्रतिनिधियों के बीच कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित बैठक में लिया गया. उपायुक्त ने कहा कि कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पी.एस.यू.) निर्धारित मानदंडों के आधार पर कार्य करते हैं. इसलिए टासरा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट से संबंधित समस्या पर जनसुनवाई के बाद निर्णय लिया जाएगा. वहीं बैठक के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के महाप्रबंधक शिबाराम बनर्जी तथा महाप्रबंधक टासरा एस.के. कुरील ने परियोजना के लिए अर्जित की जा रही रैयती भूमि एवं प्रभावित परिवार के विवरण पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि रोहड़ाबांध में 1969 प्रभावित परिवार है. जिसमें 1297 टाइटल होल्डर तथा 672 नॉन टाइटल होल्डर परिवार है. जबकि टासरा में 392 प्रभावित परिवार है. इसमें 348 टाइटल होल्डर एवं 52 नॉन टाइटल होल्डर प्रभावित परिवार है. बताया कि टाइटल होल्डर को 75 वर्ग मीटर भूमि पर 50 वर्ग मीटर का 2 बीएचके मकान दिया जाएगा. 2 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के एवेज में प्रभावित कुटुंब के एक सदस्य को सेल में नियोजन या प्रति प्रभावित कुटुंब को एक मुश्त 5 लाख रुपए अथवा 20 वर्षों तक प्रतिमाह 2000 रुपए दिया जाएगा. विस्थापित कुटुंब के लिए एक वर्ष की अवधि तक जीवन निर्वाह अनुदान के रूप में 3000 रुपए प्रति माह के हिसाब से पूरे वर्ष का एक मुश्त 36000 रूपए का भुगतान कर दिया जाएगा. इसके अलावा टाइटल होल्डर को 50000 रुपए परिवहन खर्च, यदि टाइटल होल्डर के पास पशु बड़ा या छोटी दुकान है तो उसके निर्माण के लिए 25000 रुपए, कारीगर या छोटे व्यापारियों को 25000 रुपए की वित्तीय सहायता, 50000 पुनर्व्यवस्थापन भत्ता एवं रजिस्ट्री के लिए आवश्यक स्टांप शुल्क दिया जाएगा. टाइटल होल्डर के लिए आवंटित भूमि या मकान प्रभावित कुटुंब की पत्नी और पति दोनों के संयुक्त नाम से होगा. उन्होंने बताया कि नॉन टाइटल होल्डर को भी 50 वर्ग मीटर का घर, प्रत्येक प्रभावित कुटुंब, जो विस्थापित हो रहे हैं, को 50000 रुपए परिवहन खर्च तथा विस्थापित परिवार को आवंटित मकान के लिए आवश्यक स्टांप शुल्क और रजिस्ट्री फीस दी जाएगी. बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखें. बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, नगर आयुक्त रविराज शर्मा, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के महाप्रबंधक शिबाराम बनर्जी, महाप्रबंधक टासरा एस.के. कुरील के अलावा जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि मौजूद थे.

सामाजिक कुरीति के खिलाफ निकला जागरुकता वाहन

जागरुकता वाहन को सीडीपीओ ने किया रवाना

संवाददाता। तोपचांची

मंगलवार को तोपचांची प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा सामाजिक कुरीति निवारण योजना को लेकर जागरूकता वाहन का रवाना किया गया. इस जागरुकता वाहन का उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों के बारे में लोगों को जागरूक करना और उन्हें इन कुरीतियों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करना है. सीडीपीओ ममता साह ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा. उन्होंने कहा कि इस जागरूकता वाहन के माध्यम से हम लोगों को सामाजिक कुरीतियों के बारे में जानकारी देंगे और उन्हें इन कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करेंगे. इस जागरूकता वाहन के माध्यम से लोगों को डायन प्रथा, सामूहिक विवाह, सामूहिक अंतिम संस्कार, भ्रुणहत्या, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के बारे में जानकारी दी जाएगी और उन्हें इन कुरीतियों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा.

ACADEMY
[redacted]
VI-X - (English, Social Science, Computer)
XI-XII (ARTS) - (English, History, Geography, Pol.Sc, Computers)
U.G. & P.G Courses
Honour Subjects - English, History
M.A. Subjects - English, History
IGNOU, BBMKU, VINOBA BHAVE (VBU)
By :- SONA BISWAS
M.A (ENGLISH), M.A (HISTORY), M.C.A
DOEACC('A' Level qualified) - New Delhi

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, बुधवार 28 अगस्त 2024 भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 140 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

हाइवा में लगी आग

पुटकी। मुनिडीह वाशरी रोड में गोपीनाथडीह बस्ती के निकट सोमवार की आधी रात को जेएसईबी की विदयुत लाइन के सम्पर्क में आने से कोयला लदा हाइवा आग लग गयी.आग लगने से हाइवा के आठ चक्के जल गए. वाहन मालिक को घटना में करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ. रात करीब 12 बजे कोयला लदा हाईवा मुनीडीह वाशरी जा रहा था. रूपेश चौक से आगे बढ़ते ही जेएसईबी की हाई टेंशन तार सटकर टूट गया व हाईवा पर गिर गया. वाहन के चालक खलासी ने कूद कर जान बचाई. घटना के वक्त वर्षा हो रही थी. इस कारण पल भर में आग ली गई.

निदेशक कार्मिक से मिला रिटायर्ड मजदूर संघ

धनबाद। बीसीसीएल मुख्यालय में निदेशक कार्मिक मुरली कृष्णा रमैया से रिटायर्ड कोयला खदान मजदूर संघ के प्रतिनिधियों ने विभिन्न समस्या को लेकर वार्ता की है. जिसमें बीसीसीएल में सरप्लस आवास को लीज पर आवंटित करने का मांग पत्र सौंपा गया. इसपर निदेशक कार्मिक ने जल्द मामले का निष्पादन का भरोसा दिया. रिटायर्ड कोयला खदान मजदूर संघ के नेता बिंदेश्वरी प्रसाद ने कहा कि आवास आवंटन मामला प्रमुख मुद्दा है. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कोल इंडिया की बैठक में इसे पारित करने पर जोड़ दिया जाएगा. बताया जाता है की बीसीसीएल में ऐसे कई आवास हैं, जो सरप्लस हैं. कंपनी ने भी इससे पहले इन सरप्लस आवास को लीज पर आवंटित करने की योजना पर विचार किया था.

नावाडीह में जलजमाव पर विधायक गंभीर

धनबाद। नावाडीह 8 लेन रोड के दोनों ओर रहने वाले ग्रामीणों के घरों में बरसात के कारण हो रहे जल जमाव की समस्या के समाधान के लिए प्रभावित स्थल पर नगर निगम के इंजीनियर के साथ पहुंच कर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने निरीक्षण किया. विधायक राज सिन्हा ने बताया कि फिलहाल नगर निगम द्वारा अस्थाई समाधान कर जमे हुए जल को निकलने का प्रयास किया जा रहा है. जल्द ही समस्या का स्थाई समाधान हो इसके लिए भी प्रयासरत हैं. प्रभावित स्थल का निरीक्षण कर सम्बंधित समस्या के समाधान के लिए उपायुक्त से भी मुलाक़ात कर चर्चा की.

कोलकाता कांड के विरोध में कैंडल मार्च

धनबाद। कोलकाता की आरजी कर मेडिकल कॉलेज की ट्रेनिंग महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप एवं मर्डर मामले में आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग को लेकर सोमवार धनबाद में इंक्लूसिव पिंक यानी पीएलसी से जुड़े महिलाओं और पुरुषों ने आईएसएम गेट से लेकर रणधीर वर्मा चौक तक पद यात्रा कर कैंडल मार्च निकाला. हाथों में बैनर पोस्टर के साथ प्रदर्शन किया. इस प्रदर्शन में प्रदर्शन में छात्र-छात्राएं, शिक्षिकाएं, गृहणी और महिलाओं के लिए काम करने वाले स्वयं सेवी संस्थाओं के महिलाएं शामिल थी. प्रदर्शन में शमिल लोगो ने नारेबाजी करने के साथ महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया.

धनबाद में वायरल फीवर का कहर, हर दिन 100 मरीज

एसएनएमएमसीएच पहुंचने वाले 100-150 मरीजों का हो रहा ईलाज

संवाददाता। धनबाद

बदलते मौसम के बीच धनबाद में वायरल फीवर के मरीज तेजी से बढे. हैं. लगभग सभी घरों में खांसी या उसके साथ तेज बुखार व गला दर्द के रूप में वायरल फीवर पहुंच गया है. इससे हर आयु वर्ग के लोग प्रभावित हैं, सिहरन के साथ तेज बुखार, दम फूलने व गले में दर्द की शिकायत आ रही है. सरकारी अस्पतालों के साथ निजी नर्सिंग होम में बड़ी संख्या में लोग हर रोज इलाज के लिए आ रहे हैं. पिछले कुछ दिनों से अस्पताल आने वालों में 35 प्रतिशत मरीज वायरल फीवर के हैं. शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मेडिसिन विभाग में हर रोज 300 से 400 मरीज आ रहे हैं. इसमें हर रोज 100 से 150 से अधिक बुखार से पीड़ित लोग आ रहे हैं. इनके शरीर का तापमान 100 से ऊपर रहता है. मरीज मनीष कुमार ने बताया कि पहले उनके परिवार में भाभी को तेज बुखार आया था. उन्हें डॉक्टर से दिखाने गए, तो जांच की सलाह दी. जांच रिपोर्ट में टाइफाइड पॉजिटिव पाया गया. तत्काल डॉक्टर ने उनका इलाज शुरू किया. जब तक वह ठीक हुई, परिवार की ही चाची को भी तेज बुखार आ गया. उनकी भी जांच कराने में टायफाइड पाया गया, इलाज चल रहा है. उसे भी दो दिनों से तेज बुखार आ रहा है. जांच कराई, सकून है टायफाइड नहीं निकला. लेकिन, डॉक्टर ने बताया कि आपको वायरल बुखार है. अभी परिवार में टाइफाइड और वायरल बुखार से कुल पांच लोग पीड़ित हैं. सभी का इलाज चल रहा है.

दवा दुकानों में पारासिटामोल, एंटीबायोटिक की बिक्री बढ़ी : वायरल फीवर बढ़ने से लोग बिना डॉक्टर की सलाह के बुखार के लिए पारासिटामोल, एजिथ्रल व एमॉक्सिसिलीन खरीदकर खा रहे हैं. एंटीएलर्जिक और कफ सिरप की भी बिक्री बढ़ गई है.

विशेषज्ञों की सलाह

डॉ यूके ओझा ने कहा कि यह वायरल बीमारी 5-7 दिनों में ठीक हो जाती है. जांच और डॉक्टरी सलाह पर ही दवाइयां लें. सफाई का ध्यान रखें. मच्छरों से बचकर रहें. सदर अस्पताल के डॉ राकेश कुमार का कहना है कि बारिश के मौसम में पेयजल का इस्तेमाल सीधे नहीं करना चाहिए. उबालकर ठंडा कर उसे पीना चाहिए, क्योंकि ग्राउंड वाटर में कई सारे बैक्टीरिया आते हैं, जो सीधे पानी पीने से आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसके अलावा बाहर खाना-खाने से बचना चाहिए. ठेला-खोमचे और फास्ट फूड से परहेज करना चाहिए.

धनबाद में डेंगू के मामले में लगातार बढ़ोतरी, तीन नए मरीज मिले

धनबाद। धनबाद में डेंगू मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. मंगलवार को डेंगू के तीन नए मरीज सामने आए, जिनमें से एक का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है. इससे पहले भी डेंगू के 13 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है. एसएनएमएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी लैब में तीनों मरीजों के रक्त की जांच की तो डेंगू पॉजिटिव निकले. जांच रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेज दी गई है. वहीं डेंगू मरीजों के बढ़ते मामले ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है.तीनों मरीज एसएनएमएमसीएच ओपीडी में इलाज कराने आए थे, जहां जांच करने पर तीनों डेंगू पॉजिटिव निकले.

कांग्रेस में टिकट के दावेदारों का लगा तांता

बृजेन्द्र सिंह, जलेश्वर महतो समेत कई दिग्गजों ने दिया आवेदन

संवाददाता। धनबाद

धनबाद जिले के छह विधानसभा के लिए कांग्रेस में दावेदारों का तांता लग गया है. केवल धनबाद विधानसभा के लिए सोमवार तक कुल 33 लोगों ने दावेदारी पेश की है. सोमवार को धनबाद विधानसभा के लिए बीससूत्री उपाध्यक्ष बृजेन्द्र प्रसाद सिंह, सुल्तान अहमद, अभिजीत राज, प्रभात सुरोलिया, राजेश्वर सिंह यादव, रविन्द्र वर्मा, कुमार गौरव उर्फ सोनू, माधवेन्द्र उर्फ माधो सिंह, मुख्तार खान, असलम मंसूरी, मंजूर अंसारी, आशीष कुमार सिन्हा, मंटू दास, बबलू हरिजन, गंगा बाल्मीकि, करीम अंसारी, दिनेश यादव, मंटू दास एवं संभव सिंह ने जिलाध्यक्ष संतोष सिंह को आवेदन दिया. झरिया विधानसभा के लिए माधो सिंह, मुख्तार खान, अहसान खान, अनूप कुमार पांडेय ने आवेदन दिया. निरसा विधानसभा के लिए रंजीत बाउरी एवं श्यामल भंडारी ने आवेदन दिया.

बाघमारा विधानसभा के लिए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जलेश्वर महतो, शहजादा हुसैन एवं रवि चौबे ने आवेदन किया. सिन्दरी विधानसभा के लिए अनिल साव, मसूद आलम, मोइन अंसारी एवं प्रीतम रवानी ने आवेदन किया. वहीं टुंडी विधानसभा के लिए शंकर प्रजापति एवं असत कलीम ने आवेदन किया. बता दें कि धनबाद विधानसभा के लिए 33, निरसा के लिए 7, बाघमारा के लिए 16, सिन्दरी के लिए 8, झरिया के लिए 6 एवं टुंडी विधानसभा के लिए 2 कांग्रेसियों ने अपनी दावेदारी पेश की है.

दावेदारी करने काफिले में आ रहे रसूखदार कांग्रेसी

हाउसिंग कॉलोनी स्थित कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष के समक्ष विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी पेश करने के रसूखदार कांग्रेसी काफिले के साथ पहुंच रहे हैं.यहां का नजारा देखने से ही आगामी चुनाव की झलक दिख जा रही है. काफिलों के आने का सिलसिला रविवार से शुरू हुआ है. सोमवार को भी कई कांग्रेसी काफिले के साथ आकर दावेदारी पेश की.

धनबाद विधानसभा के लिए अबतक 33 दावेदार

निरसा के लिए 7, बाघमारा के लिए 16, सिन्दरी के लिए 8, झरिया के लिए 6 एवं टुंडी विधानसभा के लिए 2 कांग्रेसियों की दावेदारी पेश.

चनचनी कॉलोनी में सीबीआई दबिश

कोयला कारोबारी अनिल सांवरिया के घर में चल रही छापेमारी

- आयकर आयुक्त प्रकरण से जुड़ रहे अनिल के तार

संवाददाता। धनबाद

पटना में दस लाख रुपये की रिश्वत लेने में पकड़े गए आयकर आयुक्त संतोष कुमार को दबोचे जाने के बाद सीबीआई की धनबाद में दी गई दबिश मंगलवार की देर शाम एक फिर जारी हो गई. धनबाद थाना क्षेत्र के चनचनी कालोनी निवासी अनिल सांवरिया के आवास राम निवास में सीबीआई अधिकारियों की टीम ने छापेमारी की है. देर शाम आवास पहुंची टीम देर रात तक डटी थी. बताते चलें कि अनिल सांवरिया धनबाद के चर्चित कोयला कारोबारियों में शामिल हैं. इनका पूरा परिवार कोयला कारोबार में जुटा है. न सिर्फ झारखंड बल्कि बंगाल में भी इस परिवार का कोयला में बड़ा नाम है और बड़ा कारोबार है. अनिल सांवरिया के घर हुई छापेमारी को भी आयकर आयुक्त प्रकरण से जोड़कर देखा जा रहा है. सीबीआई की टीम वहां दस्तावेजों को खंगाल रही है. इस मामले को लेकर कहा जा रहा है कि धनबाद में अभी दिल्ली व पटना की टीम कई अन्य लोगों को भी शिकंजे में लेगी. हालांकि पूरे मामले को लेकर सीबीआई की तरफ से कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है.

मैथन में अपराध समीक्षा को लेकर बैठक

मैथन। धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दन के नेतृत्व में मंगलवार को मैथन स्थित डीवीसी चैयरमैन कैम्प हाऊस में क्राइम मिटिंग हुई. क्राइम मिटिंग में एसएसपी एचपी जनार्दन ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पिछले छह माह में हुए विभिन्न अपराधों व कार्यों की समीक्षा की. कुर्की व वारंट के निष्पादन पर विचार विमर्श किया गया. मौके पर एसएसपी जनार्दन ने बताया कि क्राइम मिटिंग में समीक्षा करने के दौरान अपराध एवं अपराधियों पर नकेल कसने के लिए रणनीति बनाया गई. उसके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक दिशानिर्देश सभी पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया है. पुलिस पाठशाला के माध्यम से थाने की टीम स्कूल-कॉलेजों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर नशाखोरी, जुआ, साइबर क्राइम आदि को लेकर लोगों खासकर युवाओं को जागरूक कर रही है. युवा भी जागरण होकर पुलिस वोलिटिंयर बन रहे हैं. उन्होंने कहा कि धनबाद पश्चिम बंगाल से सटा होने के कारण कभी बंगाल के अपराधी यहां आकर अपराध कर बंगाल भाग जाते हैं, तो कभी यहां के अपराधी बंगाल में अपराध कर यहां आ जाते हैं. इसके लिए धनबाद पुलिस बंगाल पुलिस से समन्वय स्थापित कर अपराध रोकने के लिए साथ मिलकर काम किया जा रहा है.

न्यायाधीश ने किया धनबाद जेल का निरीक्षण

- जेल प्रशासन को दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश
- बंदियों को दी गई विभिन्न कानून की जानकारी

संवाददाता। धनबाद

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर अवर न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रोशन ने मंगलवार को एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट व सहायक कांउसिल के साथ धनबाद मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया. न्यायाधीश ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली. स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए न्यायाधीश ने बंदियों के शौचालयों की साफ-सफाई का निर्देश दिया. कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजे जाने का निर्देश जय डॉक्टर को दिया. वही न्यायाधीश ने चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन,व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया. उन्होंने बंदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा.

चोरी नहीं रुकी तो होगा धरना शुरू

जदयू ने किया 4 सितंबर को धरने का एलान

खास बातें

- दीप नारायण सिंह ने एसएसपी को लिखा पत्र

संवाददाता। तोपचांची

मंगलवार को जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने वरीय पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर तोपचांची थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटना को रोकने की मांग की. उन्होंने चोरी की घटनाएं नहीं रुकने पर आंदोलन करने की बात कही है. दीपनारायण सिंह ने पत्र के माध्यम से कहा है कि पिछले 1 महीने में तोपचांची थाना क्षेत्र में लगभग 10 से अधिक चोरी की घटनाएं घटी है. परंतु तोपचांची पुलिस एक भी घटना की उद्भेदन नहीं कर पाई और ना ही घटना में शामिल किसी अपराधी को गिरफ्तार कर पाई है. तोपचांची थाना क्षेत्र में अपराधी बेलगाम हो गए हैं. पुलिस लूट-खसोट में मस्त है और गांव के लोग चोरों के आगे पस्त हैं. ग्रामीणों का भरोसा स्थानीय पुलिस प्रशासन से दिन प्रतिदिन उठता जा रहा है. मजबूर हो कर गांव के लोग अपने संपत्ति को बचाने के लिए गांव में रतजग्गा कर रहे हैं. उन्होंने वरीय पुलिस अधीक्षक से जल्द से जल्द टास्क फोर्स गठित कर चोरी की घटना को रोकने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है. अन्यथा लोकहित में पार्टी ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए एवं पुलिस को अपने कर्तव्य बोध कराने के लिए जदयू पार्टी दिनांक 04 सितंबर दिन बुधवार को तोपचांची थाना के समक्ष आक्रोश मार्च के साथ एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेगी. मौके पर जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह, जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास, जदयू नेता तारा बाबू, आदि उपस्थित थे.

बीसीसीएल के एक दर्जन फाइनेंस अधिकारी का तबादला

आधा दर्जन एरिया के सहायक फाइनेंस मैनेजर की पोस्टिंग

संवाददाता। धनबाद

बीसीसीएल के एक दर्जन फाइनेंस अधिकारियों का हुआ तबादला. इसको लेकर बीसीसीएल मुख्यालय के कार्मिक-अधिस्थापना विभाग द्वारा मंगलवार को आदेश जारी कर दिया गया है.

1.अनजन बिलुंग, (एएफएम सिजवा एरिया से डब्लूजे एरिया) 2.सशांक शेखर जैसवाल (सहायक फाइनेंस प्रबंधक बस्ताकोला से ब्लॉक दो एरिया), 3. सिकंदर ,(बीसीसीएल मुख्यालय से सहायक फाइनेंस अधिकारी बस्तकोला), 4.जयदेव सहा, एएफ डीपी बीसीसीएल मुख्यालय बनाया गया. 5.सौरव कुमार को एएफएम डब्लू जी एरिया भेजा गया. 6.मनुराज भदानी को कुसुंडा एरिया मुख्यालय भेजा गया. 7.मनिंद्र मोहन (कतरास एरिया से सीजवा एरिया), 8.सतेंद्र कुमार (टैक्स सेल मुख्यालय से कुसुंडा एरिया). 9.परसंजित सिन्हा (फंड सेक्शन से बास्ताकोला एरिया), 10.आंकांशा कुमारी (ऑडिट सेक्शन सेल्स अकाउंट मुख्यालय). 11. प्रशांत कुमार (वाशरी डिवीजन से गोविंदपुर एरिया . 12. विकाश कुमार (बस्ताकोला एरिया से ईजे एरिया).

विधानसभा चुनाव

झरिया और सिन्दरी में भी भाजपा को प्रयोग से होगा परहेज

क्या रागिनी और तारा का चमकेगा सितारा!

अमित सिन्हा। धनबाद

झरिया और सिन्दरी विधानसभा में भी भाजपा किसी नये प्रयोग से परहेज करेगी. झरिया से रागिनी सिंह और सिन्दरी से तारा देवी को टिकट मिलने की पूरी संभावना है. इन दोनों विधानसभा से भी भाजपा में टिकट के कई दावेदार हैं. सभी अपने अपने स्तर से जोर आजमाइश में लगे हैं यह स्वाभाविक भी है बावजूद इसके झारखंड की सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा इस बार कोई भी जोखिम भरा दांव नहीं लगाने जा रही है. पार्टी उन्हीं उम्मीदवारों पर दांव लगाएगी, जो सीट जीत कर विधानसभा का रास्ता प्रशस्त करें. ऐसे में झरिया और सिन्दरी से क्रमशः रागिनी और तारा का ही सितारा चमकने की उम्मीद है. दोनों नेत्री अपने अपने पतियों की विरासत संभाल रही हैं. रागिनी के पति संजीव सिंह हत्या के आरोप में जेल में है तो वहीं तारा देवी के पति इंद्रजीत महतो बीमार हैं. रागिनी व तारा लगातार क्षेत्र में सक्रिय होने के साथ ही पार्टी के कार्यक्रमों में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती रही हैं. लोकसभा चुनाव में भी दोनों की भागीदारी काफी ज्यादा रही. लोकसभा चुनाव में झरिया एवं सिंदरी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो को बढ़त मिली है. रागिनी सिंह के देवर सिद्धार्थ गौतम के भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के विरोध में होने के बावजूद रागिनी सिंह ने पूरे चुनाव में पार्टी प्रत्याशी का न केवल समर्थन किया बल्कि चुनाव में सक्रिय रहीं इसका लाभ निश्चित रूप से विधानसभा चुनाव में उन्हें मिलने की उम्मीद है. भाजपा के साथ साथ दोनों के अपने जनाधार भी है. रागिनी ट्रेड यूनियन से जुड़ी हैं तो वहीं तारा निर्दलीय जिला परिषद सदस्य रह चुकी हैं.

झरिया में कितने दावेदार

झरिया में भी भाजपा में टिकट के कई दावेदार है. झरिया विधानसभा में पूर्व मंत्री आबो देवी के देवर भाजपा नेता योगेंद्र यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार अग्रवाल भी भाजपा में बड़े नाम हैं. दोनों टिकट के दावेदार भी हैं. वहीं बात रागिनी सिंह की करें तो वह पिछले चुनाव में 12054 वोटों से पीछे रह गई थी. जबकि 2014 में उनके पति संजीव सिंह ने जीत दर्ज की थी. 2019 से रागिनी लगातार अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं.

सिन्दरी में कितने दावेदार

सिन्दरी विधानसभा क्षेत्र से भी भाजपा में कई दावेदार हैं. जिनमें नानादलाल अग्रवाल, धर्मजीत सिंह व घनश्याम ग्रोवर प्रमुख नाम है. सिन्दरी विधानसभा विधायक इंद्रजीत स्थानीय के साथ ओबीसी वर्ग से आते हैं. जिनकी संख्या क्षेत्र में सबसे ज्यादा हैं. पिछले चार साल से इंद्रजीत महतो बीमार हैं. ऐसे में उनकी पत्नी तारा देवी ने अपना पूरा समय क्षेत्र में दिया है. चूंकि तारा देवी के अलावा स्थानीय ओबीसी से कोई दूसरा बड़ा चेहरा पार्टी के पास नहीं है. इसलिए पार्टी एक्सपेरिमेंट कर कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी. सिन्दरी विधानसभा से तारा देवी को टिकट मिलने की संभावना प्रबल है.

आयुष्मान पर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में इलाज नहीं करने की डीसी से शिकायत

संवाददाता। धनबाद

मंगलवार को उपायुक्त माधवी मिश्रा के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया. एक महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनके पास आयुष्मान कार्ड है. फिर भी एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा उनका इलाज नहीं किया जा रहा है. मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने सिविल सर्जन को इस दिशा में उचित कदम उठाने का निर्देश दिया.

गोविंदपुर से आए युवक ने उपायुक्त को बताया कि 2017 में एनएच 2 के लिए उनकी जमीन का अधिग्रहण हुआ.अधिग्रहण के बाद घर भी तोड़ दिया. जब उन्होंने मुआवजा मांगा तो जमीन गैर आबाद बताकर मुआवजा नहीं दिया. जबकि उसी खाता और प्लॉट नंबर के दूसरे रैयतों को मुआवजा मिला. मुआवजा के लिए सारे कागजात दोबारा जमा करने पर गोविंदपुर अंचल कार्यालय के अमीन ने कहा कि उनके कागज खो गए हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने तुरंत जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को शिकायतकर्ता के कागजात की जांच करने और यदि कागजात सही है तो शीघ्र मुआवजा का भुगतान कराने का निर्देश दिया. जनता दरबार में नावाडीह पंचायत स्थित नंदन रेजिडेंसी फेज 1, 2 और 3 के निवासियों ने भी जल जमाव की परेशानी की शिकायत उपायुक्त से की. उन्होंने बताया कि बरसात के दौरान बेसमेंट, आने-जाने के रास्ते सहित पूरे परिसर में पानी भर जाता है. इस कारण वहां के निवासियों और बच्चों को स्कूल आने जाने में भारी कठिनाई हो रही है. यह समस्या पिछले 2 साल से उत्पन्न हो रही है. पूरा इलाका टापू बन जाता है. इसके अलावा जनता दरबार में इलाज के लिए सहायता प्रदान करने, ऑनलाइन रसीद नहीं कटने सहित अन्य शिकायत प्राप्त हुई.

ब्रीफ खबरें

अरसद ने कांग्रेस से चुनाव लड़ने की जतायी इच्छा

टुंडी। टुंडी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा अरसद कलीम ने जतायी है. अरसद टुंडी प्रखंड के कोटालडीह गांव का निवासी है. उन्होंने कांग्रेस धनबाद जिलाध्यक्ष संतोष सिंह से मंगलवार को मुलाकात कर पत्र सौंपा. अरसद कलीम के पिता इनायत कलीम पिछले 50वर्षो से कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं. कांग्रेस की टिकट पर वे 1995 में चुनाव भी लड़े थे.

दो-दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित

टुंडी। टुंडी के फतेहपुर गांव में आयोजित दो-दिवसीय दिवा-रात्रि फुटबॉल टूर्नामेंट में लगभग 30 गांवों के दर्शक उपस्थित थे। इस टूर्नामेंट में धनबाद और गिरिडीह क्षेत्र की 98 टीमों ने भाग लिया। अंतिम मुकाबले में हरलाडीह और विशनपुर टीमों के बीच पेनल्टी शूटआउट में हरलाडीह टीम ने 2-0 से जीत हासिल की।
मुख्य अतिथि झामुमो नेता रतिलाल टुडू ने विजेता टीम को 15,000 रुपये, दूसरे स्थान पर रही टीम को 10,000 रुपये, तीसरे स्थान पर रही टीम को 7,000 रुपये और चौथे स्थान पर रही टीम को 5,000 रुपये का नगद पुरस्कार दिया।

एनसीपी जिलाध्यक्ष ने राष्ट्रीय महासचिव को सौंपा ज्ञापन

निरसा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के धनबाद जिलाध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एसआर कोहली को ज्ञापन सौंपा. सात सूत्री ज्ञापन में आसनसोल रेल मंडल के थापरनगर स्टेशन का सौंदर्यीकरण समेत पटना-धनबाद इंटरसिटी, दुमका-रांची इंटरसिटी और देवघर-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग से रेल मंत्री को अवगत कराने का जिक्र है. ज्ञापन सौंपने के बाद जिलाध्यक्ष ने बताया कि पत्राचार के बाद रेल मंत्री से मुलाकात कर समस्याओं के समाधान की मांग की जाएगी.

भारी बारिश से मिट्टी का घर गिरा बाल-बाल बचा परिवार

परिजनों ने 2023 में पीएम आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई

खास बातें
- घर में रखा सारा सामान मिट्टी में दबा

संवाददाता। मैथन

मैथन के रांगामटिया पंचायत के हड़कतोड़िया गांव में सोमवार की रात भारी बारिश के कारण बीना देवी का मिट्टी का घर ढह गया। धनंजय मंडल, बीना देवी और उनकी दो बेटियां इस घर में रहते थे, जो बाल-बाल बच गए। घर में रखा सारा सामान मिट्टी में दब गया है। परिजनों ने बताया कि उन्होंने 2023 दिसंबर में पीएम आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। धनंजय मंडल की मां के नाम पीएम आवास मिला है, लेकिन उसमें दो कमरों में छह लोग रहते हैं। गरीब और मजदूरी करके गुजर-बसर करने वाले परिवार का आशियाना उजड़ जाने से मुसीबत बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि आवास योजना का लाभ मिल जाने से बरसात के समय में मुसीबत से बचा जा सकता है। धनंजय मंडल ने घटना की सूचना पंचायत के मुखिया और स्थानीय वार्ड सदस्य को दी है।

चिरकुंडा में लोयोला स्कूल में मेहंदी विवाद

एनएसयूआई ने किया घेराव, प्रबंधन ने आरोपों से किया साफ इनकार

खास बातें
- पुलिस ने स्थिति को शांत कराया और छात्र नेताओं को चेतावनी दी

संवाददाता। चिरकुंडा

चिरकुंडा में लोयोला स्कूल में छात्रों के साथ मेहंदी लगाने के विरोध का मामला तूल पकड़ गया है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण चौधरी के नेतृत्व में छात्र नेता स्कूल पहुंचे और प्राचार्य से मिलकर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन छात्रों को मेहंदी और टीका लगाने से रोकता है और दंडित करता है। स्कूल के प्राचार्य फादर जॉनी पी देवासिया ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है। उन्होंने छात्र नेताओं को चुनौती दी कि अगर किसी छात्र के साथ ऐसा हुआ है तो वे सामने आएं और अपनी बात रखें। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को शांत कराया और छात्र नेताओं को चेतावनी दी। प्राचार्य ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बच्चों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है और वे ऐसा कुछ नहीं करेंगे जिससे बच्चों पर असर पड़े। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण चौधरी ने कहा कि उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिली थी और वे छात्रों के लिए पहुंचे थे। प्राचार्य के आश्वासन के बाद वे संतुष्ट हो गए हैं और उनकी शिकायत दूर हो गई है।

जामाडोबा टाटा स्टील में सर दोराबजी की मनाई गई जयंती

उनके विजन और मूल्यों से सीख लेने का आग्रह

खास बातें
- 1924 में किया था पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को वित्तपोषित

संवाददाता। धनबाद

धनबाद। जामाडोबा स्थित टाटा स्टील के झरिया डिवीजन में मंगलवार को अपने पहले चेयरमैन सर दोराबजी टाटा की 165 वीं जयंती मनाई गई. श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सर दोराबजी टाटा पार्क में किया गया था. इस अवसर पर टाटा स्टील झरिया डिवीजन के जनरल मैनेजर संजय राजोरिया, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियन प्रतिनिधियों ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए. संजय राजोरिया ने सर दोराबजी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों से उनके विजन और मूल्यों से सीख लेने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि सर दोराबजी को खेलों से बेहद लगाव था. भारत में ओलंपिक खेल के वे अग्रणी थे. भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने 1924 में पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को वित्तपोषित किया था. मौके पर नरेंद्र कुमार गुप्ता चीफ जामाडोबा ग्रुप, पंकज दास हेड एचआरबीपी, वरुण बनर्जी हेड सेफ्टी, श्वेता मिश्रा हेड एडमिनिस्ट्रेशन, कौशिक गायेन हेड प्लानिंग, अमन हेड इंजीनियरिंग सर्विसेज, संतोष महतो रीजनल सेक्रेटरी, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के कई पदाधिकारी और टाटा स्टील के कर्मी उपस्थित थे.

निशिकांत दुबे का हुआ पुतला दहन

निशिकांत दुबे का आरोप निराधार और झूठ का पुलिंदा : विशाल कुमार

खास बातें
- पिछले विधानसभा चुनाव में दुबे ने जरमुंडी और महगामा में भाजपा के खिलाफ काम किया था : मुरारी गुप्ता

संवाददाता। धनबाद

धनबादः गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को झारखण्ड की वास्तविकता,की कोई जानकारी नहीं है और ना यहां के संस्कृति के बारे में उन्हें मालूम है राजेन्द्र प्रसाद झारखण्ड आन्दोलनकारी हैं, राज्य के लिए इनका बड़ा योगदान है वे हमारे अधिकारों को लेकर लगातार आंदोलन और संघर्ष कर रहे हैं।
उक्त बातें आज मूलवासी सदान मोर्चा रांची जिला के अध्यक्ष मुरारी गुप्ता ने निशिकांत दुबे ,सांसद के पुतला दहन करते हुए कही। कहा
गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, मूलवासी सदान मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद के उपर यह आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव में गोड्डा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, को चुनाव हराने में एड़ी- छोटी एक कर दिया था। जबकि नरेंद्र मोदी गोड्डा से कभी चुनाव नहीं लड़े हैं। गुप्ता ने कहा राजेन्द्र प्रसाद जी गोड्डा में किसी भी प्रत्याशी के समर्थन में कोई बयान तक नहीं दिया है। श्री गुप्ता ने बताया बल्कि सांसद के उपर आरोप है कि पिछले विधानसभा चुनाव में वे कांग्रेस प्रत्याशी को जरमुंडी और महागामा में चुनाव जितवाने में लगे थे। निशिकांत दुबे के द्वारा राजेन्द्र प्रसाद के लिए अमर्यादित और झुठा बयान का मूलवासी सदान मोर्चा ,तेली समाज व ओबीसी समाज घोर विरोध एवं निन्दा करता है। श्री गुप्ता ने कहा कोई भी व्यक्ति पिछड़ी जाति और मूलवासी सदानों का अपमान करेगा उस व्यक्ति का मूलवासी सदान विरोध करेगा।
झारखण्ड में मूलवासी सदानों की आबादी 65% है जिसमें 55% ओबीसी हैं।मूलवासी सदान कोई जाति नहीं एक जमात है। जिसमें अगड़ी, पिछड़ी, दलित सभी झारखण्डी आते हैं।इस जमात का नेतृत्व राजेन्द्र प्रसाद जी ,करते हैं राजेन्द्र प्रसाद पिछड़ी जाति से आते हैं और वे पिछड़ी जाति और मूलवासी सदानों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इस पर हमलोगों को राजेन्द्र प्रसाद पर गर्व है। श्री गुप्ता ने कहा निशिकांत दुबे ने ओबीसी, दलितों को अपमानित करना नहीं छोड़ा, तो इसका खमियाजा भाजपा को पड़ सकता है कहा कि तेली समाज के उत्थान और राजनीतिक भागीदारी के विषय पर मुख्य अतिथि के रूप शामिल होने के लिए तेली समाज की ओर से राजेंद्र प्रसाद जी,को आमंत्रित किया गया था। लेकिन श्री निशिकांत दुबे नहीं चाहते हैं कोई ओबीसी और मूलवासी सदान को राजनीतिक भागीदारी मिले और ओबीसी समाज विकास की ओर अग्रसर हो। कहा निशिकांत दुबे सामंतवादी विचारधारा के व्यक्ति हैं। कहा निशान दुबे ओबीसी दलित वंचित मूलवासी सदानों को हमेशा अपमानित करता है।

आसनसोल

बारिश के कारण पुरुलिया-बांकुड़ा राजमार्ग हुआ बंद, लोग परेशान

समाधान की मांग को लेकर दर्जनों लोगों ने की सड़क जाम

खास बातें
- बीडीओ के हस्तक्षेप से सड़क जाम हटा

संवाददाता। पुरुलिया

हल्की बारिश में पुरुलिया-बांकुड़ा की 60 ए राष्ट्रीय राजमार्ग जलमग्न होने के कारण पुरुलिया शहर के रेनी रोड और देवी मेला क्षेत्र में सड़क जाम की गई। जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों की शिकायतों के अनुसार समस्या के स्थाई समाधान की मांग को लेकर दर्जनों लोगों ने सड़क जाम किया। लोगों ने आरोप लगाया कि इस समस्या के कारण उन्हें लंबे समय तक इस स्थिति से जूझना पड़ता है। उनकी आगे की शिकायतों को बार-बार नगर पालिका से लेकर पीएचई और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तक पहुंचाया गया, लेकिन कोई स्थाई समाधान नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों से सड़क की यही स्थिति बनी हुई है, इसलिए कोई समाधान नहीं होने पर सोमवार को सड़क जाम करने पर मजबूर हुए हैं। हालांकि मौके पर पुलिस पहुंच कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे लोग नहीं माने। उनका कहना था कि जब तक उनकी मांगों का स्थाई समाधान नहीं हो जाता तब तक वे लोग डंटे रहेंगे। इस बीच बीडीओ के हस्तक्षेप से सड़क जाम हटा दी गई। इस बीच नगर पालिका चेयरमैन नबेंदु महाली ने कहा कि इस पर ध्यान देना राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्तव्य है। लेकिन उनके कोई रास्ता दिखाए बिना ही यह स्थिति हो गई है। उन्होंने कहा कि आज हमने लोगों के साथ मिलकर नालों की सफाई की है और पानी निकलने से स्थिति सामान्य हो गई है, लेकिन एनएच अधिकारियों को समस्या का स्थाई समाधान करना होगा।

सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई

रानीगंज। रानीगंज में श्री दुर्गा विद्यालय परिसर में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जहां सैकड़ों लोगों ने अपना स्वास्थ्य जांच करवाया। इस शिविर में ऑक्सीजन लेवल जांच, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई जांच जैसी सुविधाएं प्रदान की गईं। सुभदर्शनी अस्पताल के इमरजेंसी विभाग के प्रमुख डॉ सुनील चौधरी और उनके सहयोगियों ने इस शिविर का आयोजन किया। श्री दुर्गा विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रदीप राठौर ने मेडिकल अधिकारियों को पुष्प देकर उनका सम्मान किया और कहा कि रानीगंज शहर में सुभादर्शनी हॉस्पिटल के खुलने से अब और लोगों को स्वास्थ्य के लिए दूसरे राज्य इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा। इस मौके पर मानव अधिकार आयोग के अधिकारी मोहम्मद जाकिर, श्री श्याम मंदिर के कार्यकर्ता शरद जगनानी, सामाजिक कार्यकर्ता विजय साव सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

सांकतोड़िया में जमीन के बदले नौकरी की मांग पर परिवार सहित आमरण अनशन

ईसीएल प्रबंधन पर आरोप, जमीन ली पर नौकरी नहीं दी

ईसीएल के एनसीडब्ल्यूए प्रावधान के तहत 2 एकड़ या उससे अधिक जमीन देने पर होता है नौकरी पाने का अधिकार

संवाददाता। सांकतोड़िया

सांकतोड़िया के बारुई पाड़ा निवासी रामजीवन दास ने अपने परिवार के साथ मंगलवार को दुबेश्वरी कोलियरी रेजिंग घर के सामने आमरण अनशन शुरू किया है। उन्होंने ईसीएल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि बिना सहमति के उनकी 2 एकड़ 8 डिसिमल जमीन ले ली गई और अब तक नौकरी या क्षतिपूर्ति नहीं दी गई है। रामजीवन दास ने बताया कि ईसीएल प्रबंधन ने 2014 में उनकी जमीन ली थी, जहां से अभी भी कोयला निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईसीएल के एनसीडब्ल्यूए प्राविधान के तहत 2 एकड़ या अधिक जमीन देने पर नौकरी पाने का अधिकार होता है, लेकिन उन्हें अब तक कोई नौकरी या क्षतिपूर्ति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि दुबेश्वरी कोलियरी पैनल-6 अंतिम चरण में है और उन्होंने कई अधिकारियों को आवेदन भेजा है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वे 2014 से नौकरी की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन कंपनी ने कोई ध्यान नहीं दिया है। इसलिए वे परिवार सहित आमरण अनशन को बाध्य हुए हैं। इस मामले में उन्होंने कई अधिकारियों को आवेदन की प्रतिलिपि भेजी है, जिनमें दुबेश्वरी कोलियरी के प्रबंधक, सोदपुर एरिया महाप्रबंधक, नितुरिया थाना प्रभारी, रघुनाथपुर एसडीओ, नितुरिया बीडीओ, डीएम पुरुलिया, ईसीएल सीएमडी सांकतोड़िया,

केकेएससी महासचिव की महाप्रबंधक के साथ बैठक

संवाददाता। बराकर

बराकर में बीसीसीएल सीवी एरिया बारह के दामागोड़िया विस्थापितों को जमीन के बदले मुआवजा और नौकरी की मांग को लेकर तृणमूल के विधायक और केकेएससी के महासचिव हरेराम सिंह ने बीसीसीएल एरिया महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद के साथ बैठक की। बैठक में हरेराम सिंह ने कहा कि 6 साल पहले दामागोड़िया कोलियरी में प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए कई विस्थापितों की जमीन अधिग्रहित की गई थी, लेकिन अभी तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर सभी विस्थापितों के जमीन का रजिस्ट्रेशन कराकर उन्हें शीघ्र मुआवजा देने की मांग की। महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद ने आश्वासन दिया कि जिस जमीन के कागजात सही हैं, उस जमीन का रजिस्ट्रेशन शीघ्र कराकर मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बैठक में तृणमूल यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुब्रतो भादुड़ी, विप्लव मंडल और एरिया कार्यालय के कई वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा काफी संख्या में विस्थापितों ने भाग लिया।

लाखों रुपये की चोरी जांच में जुटी पुलिस

सालानपुर ।कुल्टी थाना क्षेत्र के चौरंगी चौकी अंतर्गत कल्याणेश्वरी में ऑर्क टेलीकॉम एंड स्टूडियो में रविवार की रात चोरी की घटना हुई है ।जहा लाखो रुपये के कीमती सामान चोर ले उड़े ।सूचना पाकर चौरंगी चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज जुटाकर जांच शुरू कर दी है ।इस दौरान दुकान के मालिक जयंत सेन ने बताया कि तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने रविवार शाम को दुकान नहीं खोली ।सोमवार की सुबह दुकान खोलकर देखा तो दुकान का सामान बिखरा हुआ था और सारे महंगे सामान गायब हैं । इस चोरी की घटना से उन्हें काफी नुकसान हुआ है ।उन्होंने बताया कि चोरों ने दुकान की छत काट दी और महंगे मोबाइल फोन, कैमरे, हेडफोन, सिम कार्ड, लैपटॉप और कई अन्य चीजें चुरा लीं ।उन्होंने यह भी कहा कि चोर उनके मोबाइल फोन में सिम कार्ड का उपयोग कर रहे थे ।

कांग्रेस सेवादल ने सुकांत दास को निलंबित किया

संवाददाता। सांकतोड़िया

कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष और हाईकमान ने पार्टी के विरोध में काम करने वालों के विरोध सख्त निर्देश दिया है। इसी क्रम में, मंगलवार को एक सम्मेलन के माध्यम से कुल्टी ब्लॉक सेवादल के अध्यक्ष मनीष बर्णवाल ने सुकांत दास को पार्टी से तथा प्रखंड अध्यक्ष पद से निलंबित कर दिया है। दरअसल, 15 अगस्त को कांग्रेस सेवा दल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की तस्वीरें व्हाट्सएप ग्रुप से हटा दी गईं थीं। इसके अलावा, 20 अगस्त को शहीद राजीव गांधी की जयंती मनाने के दौरान स्वर्गीय राजीव गांधी की तस्वीरें भी व्हाट्सएप ग्रुप से हटा दी गईं थीं। कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष मनीष वर्णवाल ने इन मुद्दों से जिला व आलाकमान को अवगत कराया और कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियां करने वालों को सीधे पार्टी से निष्कासित कर देना चाहिए। उसी आदेश के तहत सुकांत दास को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

डॉक्टर की हत्या के विरोध में भाजपा का आज 12 घंटे का बंगाल बंद

संवाददाता। बराकर

बराकर। कोलकात्ता आरजी कर मेडिकल अस्पताल में महिला चिकित्सक की जघन्य हत्या के विरोध में आज बुधवार को प्रदेश भाजपा द्वारा 12 घंटा बंगाल बंद का आह्वान , इस दौरान मंगलवार को पश्चिम बंगाल राज्य के छात्र छात्राओ द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के नवान्न घेराव किया गया, इस घेराव में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुवे, जहा प्रदर्शन कारियो के उपर लाठी चार्ज ,आशु गैस, पानी की बौछार से कई लोग बुरी तरह घायल हुवे, इसी क्रम में छात्र के द्वारा ईट पत्थर की बौछार से कई पुलिस गंभीर रूप से घायल हुए, छात्र द्वारा किए गए आनोदोलन को बर्बरता पूर्ण दबाने के लिए पुलिस ने बर्बरता पूर्ण कार्य किया, इसके विरोध में कुल्टी ब्लॉक भाजपा द्वारा कुल्टी सकतोड़िया में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बंगला बंद को लेकर जुलुश निकाल आम लोगो को बंद सफल बनाने का आह्वान किया, इस दौरान भाजपा जिला के प्रवक्ता उपाध्यक्ष पूर्व पार्षद बप्पा आचार्य ने पूरे छेत्र में अपने समर्थकों को साथ लेकर आम जन मानस से सामूहिक अपिल की , सभी इस जघन्य हत्या मां बेटी की इज्जत को सारे आम लूटने से बचाने के लिए इस सरकार को तड़ी पार कर बंद को सफल बनाकर इसका माकुल जवान दे।

▼ ब्रीफ खबरें

एक ही रात तीन दुकानों में चोरी

बोकारो। चास थाना अंतर्गत जोधाडीह मोड़ में चोरों ने तीन दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम दिया. जिसमें जोधाडीह स्थित विजय हार्डवेयर, माहेश्वरी ब्रदर्स, हिना फर्नीचर के छत के सीट काट कर उसमे रखे गये हजारों की कीमत का सामानों की चोरी कर ली. दुकानदारों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी है, पुलिस जांच में जुट गई है.

पांच सौ महिलाएं दुमका रवाना

साहिबगंज। तालझारी प्रखंड से दुमका जिला में प्रस्तावित प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को तालझारी प्रखंड से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लगभग पांच सौ लाभुकों को दस बस से दुमका कार्यक्रम में भेजा गया. बीडीओ के नेतृत्व में पंचायती राज पदाधिकारी परमेश्वर किस्कू ने प्रखंड के 13 पंचायतों से लगभग पांच सौ झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को दस बस के द्वारा सुबह 5 बजे प्रखंड परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया.

वाहन जांच अभियान चलाया गया

साहिबगंज। मंगलबार को जिला परिवहन पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप के नेतृत्व में नगर थाना के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया. जांच के क्रम मोटरसाइकिल, कार, ट्रैक्टर, पिकअप जैसी वाहनों का लाइसेंस, इंश्योरेंस, फिटनेस, टैक्स, हेलमेट, सीट बेल्ट आदि की जांच की गई एवं मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत दंड शुल्क वसूली गई. इस जांच के क्रम में कुल 26 मोटरसाइकिल, टोटो, 4 वाहनों के ऊपर जांच की गई. जिसमें सभी 26 वाहनों से 26650 रुपया जुर्माना वसूला गया. इस मौके पर मौजूद जिला परिवहन पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, आईटी सहायक राजहंस, कंप्यूटर सहायक अमन कुमार एवं नगर थाना के पुलिस कर्मी, एएसआई एवं पुलिस बल मौजूद थे.

जल सहिया के बीच पोशाक वितरण

पीरटांड (गिरिडीह)। पीरटांड़ प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रमुख सविता टुडू की अध्यक्षता में जल सहिया के बीच साड़ी का वितरण किया गया. इस मौके पर मुख्य रूप से पालगंज पंचायत समिति सदस्य जोगेंद्र तिवारी, खुखरा पंचायत समिति सदस्य केशव पाठक, चिलगा पंचायत समिति सदस्य नवीन सिंह एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी उपस्थित हुए. इस दौरान कुल 81 जल सहिया के बीच पोशाक का वितरण किया गया. जिसमें जल सहियाओं को 2-2 साड़ी दिया गया. यहां यह बता दें कि इस प्रखंड में कुल 195 जल सहियाओं को साड़ी वितरण किया जाना है. जिसमें मंगलवार को 81 जल सहियाओं के बीच साड़ी का वितरण किया गया. इस दौरान प्रमुख सविता टुडू ने कहा कि पोशाक वितरण के बाद सभी जल सहिया पोशाक पहनके काम करेगी तो इसे पता चलेगा कि यह जल सहिया है. इस दौरान गिरीश कुमार, मोनिका कुमारी सहित कई लोग मौजूद थे.

डीसी ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त विजया जाधव ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की. आयोजित जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 30 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया. साथ ही संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया. इसके अलावा कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन उपायुक्त द्वारा किया गया. जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, भूमि पर कब्जा, आपूर्ति विभाग, अबुआ आवास, राजस्व संबंधित विवाद, श्रम विभाग आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे. मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, जिला नजारत उप समाहर्ता वंदना शेजवलकर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे.

मुखिया संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्य वित्त आयोग का गठन कर पंचायतों को मद उपलब्ध कराने की मांग को लेकर मंगलवार से कसमार प्रखंड मुखिया संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है. इस संबंध में मुखिया संघ ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को संबोधित मांग पत्र जानकारी प्रखंड कार्यालय को सौंपा. प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष हारू रजवार ने बताया कि अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने के बाद पंचायत के तमाम बाधित रहेंगे. बता दें कि राज्य वित्त आयोग की मांग को लेकर पूरे राज्य भर के पंचायत के मुखिया अनिश्चितकालीन धरना पर जा रहे हैं. वहीं रांची स्थित जाकिर हुसैन पार्क (राजभवन) के पास भी झारखंड राज्य मुखिया संघ के लोग शांतिपूर्ण तरीके से धरना पर डटे हैं. बताया गया कि इस संबंध में राज्य सरकार को पिछले 24 एवं 29 जुलाई को राज्य मुखिया संघ द्वारा मांग सौंपा गया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री से मुलाकात एवं वार्ता हेतु 20 अगस्त को समय मांगा गया था, परंतु सरकार की कोई सकारात्मक पहल नहीं होने के कारण सभी मुखियागण नाराज हैं. विवश होकर अब अनिश्चितकालीन धरने पर जा रहे हैं.

इस दौरान मुखिया हारू रजवार, सुमित्रा कुमारी, गीता देवी, परीपुषा कुमारी, विजय जायसवाल, मुखिया प्रतिनिधि बैजनाथ महतो, घनश्याम महतो, मनोज महतो आदि मौजूद थे.

धरना में भाग लेने सभी मुखिया रांची रवाना

तिसरी (गिरिडीह)। झारखंड प्रदेश मुखिया संघ अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर 27 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरने पर हैं. इसको लेकर मंगलवार को तिसरी मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष पिंकेश सिंह के नेतृत्व में मो. हासिमुद्दीन, मुखिया प्रतिनिधि मदन यादव, मोहन मरांडी समेत 15 पंचायतों के मुखिया रांची के लिए रवाना हो गए. बताया गया कि मुखिया संघ लगातार सरकार से राज्य वित्त आयोग की राशि उपलब्ध कराने की मांग कर रही है, इसके बावजूद उनकी मांगों पर अब तक ध्यान नहीं दिया गया. अंततः राज्य भर के मुखिया झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के बैनर तले अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर रांची स्थित जाकिर हुसैन पार्क (राजभवन) के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं. बता दें कि झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के धरने से पूरे राज्य में ग्राम पंचायत स्तर के कार्य प्रभावित रहेंगे. मनरेगा, 15 वीं वित्त, ग्राम सभा, ग्राम पंचायत की बैठकें समेत अन्य कार्य प्रभावित होने से लोगों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा. ग्रामीण इलाकों में इसका खासा असर देखने को मिल सकता है.

मेडिकेंट अस्पताल ने कॉलोनी में छोड़ा हॉस्पिटल का पानी

बोकारो। मंगलवार सुबह सेक्टर बारह, हाईवे स्थित मेडिकेंट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने अपने पिछले गेट से हॉस्पिटल की कई गैलन पानी को रिहाईशी कॉलोनी में छोड़ दिया. जिससे कुछ समय के लिए बाढ़ सी स्थिति बन गई और यहां के निवासियों के लिए परेशानी का सबब बन गया. करोड़ों की लागत से निर्मित मेडिकेंट अस्पताल में जल निकासी की व्यवस्था पर ये सवाल खड़ा करता है. इसके पहले अस्पताल में आग लगने की दो बार घटना घटित हो चुकी है. दोनों बार दमकल ने आकर आग को बुझाया और कोई बड़ी घटना होने से टल गई. अस्पताल प्रबंधन यदि समय रहते सुरक्षा, जल निकासी आदि को संदर्भ में पुख्ता व्यवस्था नहीं करती है तो भविष्य में किसी बड़े घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है. वैसे भी रिहायशी इलाके में कैंसर हॉस्पिटल का होना अपने आप में सवाल खड़ा करता है.

25 दिव्यांग बच्चों को मिला व्हील चेयर

गिरिडीह। झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) की ओर से मंगलवार को गिरिडीह समाहरणालय परिसर में दिव्यांग बच्चों के लिए मेगा शिविर लगाया गया. शिविर में प्रखंडों से आए 25 दिव्यांग बच्चों के बीच व्हील चेयर का वितरण किया गया. वहीं, 15 बच्चों को यूडीआईडी प्रमाणपत्र दिया गया. मेगा शिविर का उद्देश्य दियांग बच्चों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देना था. शिविर में गिरिडीह के सिविल सर्जन डॉ एसपी मिश्रा, डालसा सचिव, डीईओ, डीएसई, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, नीति आयोग के ब्लॉक फेलो, डीसीपीयू काउंसिलर आदि उपस्थित थे.

माले ने मृतक के परिजनों को दिया आर्थिक सहयोग

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड स्थित सेरुआ पंचायत के मध्य विद्यालय चेरवा में ग्राम सभा का आयोजन किया गया. ग्राम सभा में दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया. मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक राजकुमार यादव उपस्थित थे. ग्राम सभा में विद्यालय की चहारदीवारी निर्माण को रोक दिए जाने के विवाद को सलटाया गया . चाहरदीवारी निर्माण का कुछ लोगों द्वारा विरोध के कारण नहीं बन पा रहा था . ग्रामीणों ने गांव में विद्यालयों की खराब स्थिति, आंगनबाड़ी की लगातार नहीं खुलने आदि की भी शिकायत की. पूर्व विधायक ने आश्वासन दिया कि मामले को ले वे पदाधिकारियों से बात करेंगे. चेरवा गांव में डायरिया से एक व्यक्ति की मौत व कई लोगों के आक्रांत रहने पर चिंता व्यक्त किया गया. उक्त गांव में डायरिया से 65 वर्षीय दासो महतो की मौत हो गई थी. पूर्व विधायक मृतक के परिजनों से मिलकर ढाढस बंधाया, वहीं आर्थिक सहयोग भी किया.

नक्सली संगठन में संलिप्त एक अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी थाना अंतर्गत कल्हाबाद में वर्ष 2020 में निर्माणाधीन डिग्री कॉलेज को लेकर नक्सलियों द्वारा लेवी मांगा गया था लेकिन लेवी नहीं मिलने के कारण नक्सली संगठन द्वारा उस डिग्री कॉलेज में निर्माण कार्य में प्रयोग में लाये जा रहे जेसीबी एवं मिक्सर वाहन में आग लगा दिया था. घटना को लेकर डुमरी थाना में कांड दर्ज हुआ था. उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध छापामारी किया जा रहा था. उसी के आलोक में एसपी गिरिडीह को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर निर्देशानुसार एएसपी अभियान सह पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-2 एवं एसडीपीओ डुमरी के नेतृत्व में डुमरी थाना एवं निमियांघाट थाना के द्वारा उक्त घटना में संलिप्त काण्ड के प्राथमिकी अभियुक्त सोनाराम हेम्ब्रम (55 वर्ष), पिता स्व ननकु मांझी, ग्राम बन्दखारो, थाना निमियाघाट को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया . उक्त अभियुक्त ने इस कांड के अलावे अन्य घटना में भी संलिप्त होना बताया है. गिरफ्तार अभियुक्त का अपराधिक इतिहास भी है.

नकली नोट के साथ एक धराया, गया जेल

साहिबगंज। उधवा प्रखंड राधानगर थाना पुलिस ने सोमवार देर शाम उत्तरी बेगमगंज स्थित बेलमोड़ से कबीरटोला गांव के रिंटु शेख़ को पांच नक़ली नोट के साथ गिरफ्तार किया है. उसे मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया. इस संबंध में मंगलवार को राधानगर थाना में राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि बेलमोड़ स्थित एक विदेशी शराब दुकान में उक्त नोटों को खपाने का प्रयास कर रहा था कि दुकानदार ने पकड़ कर इसकी सूचना पुलिस को दी. वहीं इसकी सूचना तुरंत वरीय पदाधिकारी को दी गई. त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, एसआई जय बहादुर सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर उक्त व्यक्ति की तलाशी लेकर गहन पूछताछ की. इस दौरान उनके पास से पांच सौ रुपए के तीन जाली नोट व एक स्मार्ट फोन बरामद किया गया. एसडीपीओ ने बताया कि उसके घर में छापेमारी के दौरान पांच सौ रुपए के और दो जाली नोट बरामद किया गया. साथ ही बताया कि उनके पास से पांच सौ रुपए के कुल पांच जाली नोट बरामद किया गया है, जिसमें से चार जाली नोट पर एक ही संख्या अंकित है. एसडीपीओ ने बताया कि उनके विरुद्ध थाना में कांड संख्या 132/24 के तहत केस दर्ज कर अनुसंधान जारी है.

जंगली हाथियों का उत्पात, दो ग्रामीण बचे

कसमार (बोकारो)। कसमार व जरीडीह प्रखंड में जंगली हाथियों का उत्पात फिर शुरू हो गया है. हाथियों का झुंड सोमवार की रात कसमार प्रखंड के मुरहुल गांव में घुस गया. हाथियों ने गांव के नेहरू महतो, रिखीलाल महतो, जगदीश महतो, प्यारेलाल महतो व चंद्रशेखर महतो तथा पाड़ी गांव के गंगाधर महतो के खेत में लगी मकई की फसल रौंदकर नष्ट कर दी. बताया गया कि खैराचातर बाजार से घर लौट रहे जुमरा गांव के दो ग्रामीण हाथियों की चपेट में आने से बाल-बाल बच गये. जुमरा से थोड़ा पहले सिमल पेड़ के पास एक हाथी बैठा था. बाइक सवार दोनों ग्रामीणों की नजर जैसे ही हाथी पर पड़ी, वे जान बचाकर भाग निकले. जानकारी के अनुसार, रविवार की रात भी जंगली हाथियों ने मुरहुलसुदी पंचायत के भुरसाटांड़ निवासी दुर्जन गंझू, बिहारी गंझू, सुखराम गंझू व काशीनाथ गंझू की मकई व धान की फसल बर्बाद कर दी थी. वन सुरक्षा समिति के कसमार प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो, सामाजिक कार्यकर्ता रूपेश कुमार महतो आदि ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी. इसके बाद वन कर्मियों ने गांव पहुंचकर क्षति का जायजा लिया. ग्रामीणों ने बताया इन दिनों इलाके में बिजली की आपूर्ति बाधित रहने से जंगली हाथी गांव में प्रवेश कर जा रहे हैं.

व्यावसायिक शिक्षकों की हड़ताल आठवें दिन भी जारी

गोड्डा। जिले के सभी प्लस टू उच्च विद्यालय में व्यवसायिक प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत 42 शिक्षकों की हड़ताल आज आठवें दिन भी जारी रहा. तीन सूत्री मांगों को लेकर व्यावसायिक शिक्षक पिछले 20 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं. हड़ताल की वजह से गोड्डा जिले के सभी प्लस टू स्कूलों में पढ़ाई बाधित हो रही है. जिसका असर आने वाले वार्षिक परीक्षा में दिखेगी. व्यवसायिक प्रशिक्षकों की प्रमुख मांग में ठेका प्रथा से मुक्त कर विभाग में समायोजन करना तथा नियमानुसार समय पर वेतन वृद्धि की मांग सरकार से कर रहे हैं. व्यवसायिक प्रशिक्षकों ने बीते 22 अगस्त को जेईपीसी भवन का घेराव किया और अधिकारियों से वार्ता किया लेकिन कोई निष्कर्ष अभी तक नहीं निकला. इन सभी मांगों को लेकर व्यवसायिक प्रशिक्षकों की हड़ताल अभी भी जारी है. हड़ताल पर चले जाने के कारण जिला के सभी प्लस टू विद्यालय में व्यावसायिक शिक्षा के छात्रों का पठन पठान पूरी तरह ठप्प है. बड़ी संख्या में बच्चे प्रभावित हो रहे हैं. संघ के जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार पंडित ने कहा कि हमारी मांगें माने जाने तक हड़ताल जारी रहेगी. उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा से सरकारी स्कूल के गरीब बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं एवं रोज़गार प्राप्त कर रहे हैं. जो पढ़ाई कभी तकनीकी संस्थान आईटी डिप्लोमा एवं बी.टेक जैसी शिक्षा कॉलेज में देखा जाता था, आज उसका लाभ स्कूल में ही मिल रहा है. इससे स्कूल में बच्चों की दैनिक उपस्थिति में बढ़ोतरी हो रही है. मैट्रिक एवं इंटर में फेल होने की दर में कमी आई है. बावजूद इसके सरकार एवं अधिकारी इस व्यवस्था को ठीकेदारी बनाकर रख दिए हैं, जिसमें सिर्फ़ हम शिक्षक का शोषण होता है.

छात्रों को पढ़ाया गया नैतिकता व सतर्कता का पाठ

कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र द्वारा नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय स्वांग के छात्र-छात्राओं को मंगलवार को कथारा क्षेत्र द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह अभियान सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार के मार्ग दर्शन एवं सीसीएल कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार के निर्देश से संचालित किया गया. इस अवसर पर कक्षा दसवीं के 80 छात्रों को सतर्कता और नैतिकता मूल्य की महत्ता पर जागरुकता किया गया. इस मौके पर सतर्कता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी सह सीएसआर उप प्रबंधक चंदन कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में नैतिकता और सतर्कता का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है. सतर्कता जागरुकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे जीवन में सच्चाई और ईमानदारी के महत्व को समझना और इस दिशा में छात्रों को प्रेरित करना मात्र नहीं बल्कि उन्हें एक सशक्त और ईमानदार जीवन जीने की प्रेरणा भी देना है. वहीं इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तारामणि कच्छप ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीसीएल और कथारा क्षेत्र द्वारा शुरू किया गया यह अभियान वास्तव में प्रशंसनीय है. जो बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने भी अपनी-अपनी राय व्यक्त की और सतर्कता जागरुकता के महत्व पर अपने विचार साझा किये.

छात्राओं ने की उपायुक्त से मुलाकात

संवाददाता। बोकारो

कसमार प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल दांतू की छात्राओं की टीम ने मंगलवार को उपायुक्त विजया जाधव से भेंट की. इनमें से रानी कुमारी, उषा कुमारी, अपर्णा कुमारी, पूजा कुमारी, दिपीका कुमारी और प्रिती कुमारी शामिल थीं.

छात्राओं की टीम ने उपायुक्त को यूएन वोमेन एंड फोर्ड टीम द्वारा प्रकाशित पुस्तक हम की एक प्रति उपलब्ध कराया. छात्राओं ने बताया कि इस पुस्तक में उनकी सफलता की कहानी प्रकाशित हुई है. उपायुक्त ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्राओं की टीम को आगे के लिए शुभकामनाएं दीं. छात्राओं ने उपायुक्त को बताया कि विद्यालय के वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से उन्होंने सौर उर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था का गुण सीखा. क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की लचर व्यवस्था ने इस दिशा में कार्य करने की प्रेरणा दी. इसमें विद्यालय के वोकेशनल शिक्षक श्री अनिमेष का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ. सोलर ट्री एवं सौर ऊर्जा आधारित लाइट का निर्माण किया. आज वह पढ़ाई के बाद खाली समय में घरों को रौशन करने वाले एलईडी ब्लब का निर्माण कर रही हैं. छात्राओं की टीम ने एलईडी ब्लब का नमूना भी उपायुक्त को भेंट किया. उपायुक्त ने मौके पर उपस्थित जिला नजारत उप समाहर्ता वंदना शेजवलकर को जिले के विभिन्न कार्यालयों में इस्तेमाल होने वाले ब्लब की आपूर्ति छात्राओं की टीम से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. छात्राओं ने बताया कि वह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित भारत कौशल प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया है. उपायुक्त ने कहा कि जो भी सहयोग अपेक्षित होगा, जिला प्रशासन उसमें पूर्ण सहयोग करेगी.

रेलवे कर्मचारियों के लिए काफी लाभदायक है यूपीएस : डीआरएम

संवाददाता। बोकारो

आद्रा रेल मंडल के डीआरएम सुमित नरूला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत एकीकृत पेंशन योजना (UPS) रेलवे कर्मचारियों के लिए काफी लाभदायक है. डीआरएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पेंशन स्कीम के बारे में विस्तार से जानकारी दी. कहा कि यह कर्मचारियों के मील का पत्थर साबित होगी. यूपीएस लागू करने के पीछे केंद्र सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के समय उनकी वित्तीय स्थिरता व भविष्य की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है. इस योजना के तहत न्यूनतम 25 वर्षों की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50% निश्चित पेंशन के रूप में मिलेगा. 10 वर्षों की न्यूनतम सेवा अवधि के लिए आनुपातिक पेंशन मिलेगी. कर्मचारी के निधन के तुरंत बाद उनकी पेंशन का 60% पारिवारिक पेंशन के रूप में पत्नी को मिलेगी. न्यूनतम 10 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10000 रुपए प्रति माह न्यूनतम पेंशन मिलेगी.

डीआरएम ने बताया कि यूपीएस में कर्मचारी का अंशदान नहीं बढ़ेगा, बल्कि सरकार ने अपना अंशदान 14% से बढ़ाकर 18.5% कर दिया है. इस योजना से करीब 23 लाख केंद्रीय कर्मचारी लाभान्वित होंगे. राज्य सरकारों के लिए भी पेंशन की वही संरचना होगी. यदि राज्य सरकारें भी इसे अपनाती हैं, तो इससे 90 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी लाभान्वित हो सकेंगे. प्रेसवार्ता में डीआरएम के अलावा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास कुमार, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सीमा कुमारी, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक टिका राम मीणा मौजूद रहे.

गिरिडीह की राजनीति में नवीन ने मचा दी हलचल

विधानसभा चुनाव लड़ने के एलान से कई खेमे की उड़ी नींद

अभय वर्मा। गिरिडीह

विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही दावेदारों के बीच रस्साकशी जारी है. झामुमो, कांग्रेस, बीजेपी, आजसू, राजद के बीच टाइगर जयराम महतो की पार्टी जेबीकेएसएस की खासा चर्चा है. लोकसभा चुनाव में जयराम की दमदार उपस्थिति के बाद जिले के कई विधानसभा सीटों पर जेबीकेएसएस से उम्मीदवार उतारे जाने की चर्चा है. इनमें डुमरी और गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवारों की बड़ी फौज है. हालिया दिनों में शहर के बड़े जमीन कारोबारी तथा समाजसेवी नवीन आनंद चौरसिया की राजनीतिक सक्रियता और टाइगर जयराम के साथ नजदीकियां चुनाव लड़ने की संभावनाओं को बल दे रहा है. हालांकि कांग्रेस की राजनीति कर रहे नवीन ओबीसी मोर्चा के कद्दावर नेता हैं, पर गठबंधन की राजनीति ने कांग्रेसियों के चुनावी आकांक्षा गिरिडीह में दफन कर दी है.

ऐसे में कांग्रेस में रहते किसी भी कार्यकर्ता की विधानसभा चुनाव लड़ने की लालसा दिल में ही दफन हो जाएगी. विगत कई विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के हार जीत तय करने वाले नवीन के चुनावी मैदान में उतरने की चर्चा से ही शहर में हलचल मची हुई है.

इधर सूत्र की मानें तो जयराम से दो-तीन बैठकों के बाद यह तय हो गया है कि नवीन आगामी विधानसभा चुनाव में जेबीकेएसएस के गिरिडीह से उम्मीदवार होंगे.

पीरटांड़ प्रखंड की रहती है अहम भूमिका

गिरिडीह विधानसभा चुनाव क्षेत्र में किसी भी उम्मीदवार की हार जीत का पैमाना पीरटांड़ प्रखंड तय करती है. मालूम हो कि गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में सदर प्रखंड, मुफस्सिल और पीरटांड़ प्रखंड आती है. शहरी क्षेत्र में प्रमुख उम्मीदवारों के वोट का अंतर चाहे जो भी हो पर पीरटांड़ प्रखंड में मिले वोट उम्मीदवारों के जीत तय करती है. विगत लोकसभा चुनाव में जेबीकेएसएस को मिले 17000 वोट से दल के अंदर उत्साह है. इधर नवीन की मानें तो हर समुदाय में उनके ऊर्जावान समर्थक हैं, जो विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. जेबीकेएसएस की गिरिडीह की राजनीति में एंट्री और नवीन की दावेदारी ने राजनीतिक समीकरण बिगाड़ रखा है. यह तय है कि जिन राजनीतिज्ञों ने खास समुदाय को अपना वोट बैंक समझने की नादानी की है, उसमें जबरदस्त सेंधमारी की संभावना है. अभी गिरिडीह विधानसभा चुनाव में अन्य दलों की तस्वीर साफ नहीं हुई है, पर नवीन की उम्मीदवारी ने कई के चेहरे पर शिकन ला दी है.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड मुख्यालय से सटे सुइयाडीह टोले में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सोमवार की रात को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इस दौरान देर रात तक स्थानीय कलाकारों ने गीत संगीत एवं नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया. कार्यक्रम में भक्ति एवं फिल्मी गीतों पर नृत्य पेश कर नन्हें मुन्ने कलाकारों ने दर्शकों को झूमने थिरकने के लिए विवश कर दिया. इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष रमेश चंद्र महाराज ने फीता काटकर किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बहाने स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारने का काम किया गया है. रमेश महाराज ने प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण भी किया. मौके पर पूर्व पंसस संतोष कुमार महतो, सुमित, राजा, मनोज, पप्पू, कुलदीप, सुरेश, अंजली, कविता आदि मौजूद थे.

मदर टेरेसा की 114वीं जयंती मनी

कथारा। मदर टेरेसा की जयंती पर सेंट मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल में मंगलवार को विद्यालय के निदेशक सतीश कुमार दयाल ने मदर टेरेसा की जयंती मनाई और उनके जीवनी पर प्रकाश डाला. सर्वप्रथम द्वीप प्रज्वलित कर मदर टेरेसा के चित्र पर माल्यार्पण किया और नमन किया. इसके उपरांत उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मदर टेरेसा ने अपने पूरे जीवन में अपने कर्मों और निश्छल प्रेम के द्वारा लाखों लोगों के हृदय में मां की छवि बनाई है. बीमार, असहाय, गरीब, निर्धन ऐसे लोगों के बीच में अपनी अटूट प्रेम और सेवा के द्वारा पूरे राष्ट्र और पूरे विश्व के लिए एक आदरणीय अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया. उनके अतुलनीय प्रेम और राष्ट्र के प्रति समर्पण और गरीबों के सेवा हेतु भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया. विद्यालय के सहायक शिक्षक दिलीप कुमार यादव ने कहा कि प्रेम, त्याग और तपस्या का दूसरा नाम मदर टेरेसा है. इस अवसर पर विद्यालय के नन्हें मुन्ने छात्र-छात्राओं के द्वारा आकर्षक नित्य संगीत और झांकी की प्रस्तुति की गई. इस अवसर पर विद्यालय में केक भी काटा गया और बच्चों में मिठाई विवरण किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकगण राजीव कुमार दयाल, भानु प्रताप, दिलीप कुमार, कालेश्वर कुमार, पप्पू कुमार, सहना जफर, रोशनी कुमारी, काजल कुमारी, पूनम कुमारी की मुख्य भूमिका रही. मंच संचालन शिक्षिका सहना जफर और धन्यवाद ज्ञापन दिलीप कुमार यादव ने किया.

नियंत्रण की चाहत

दुनिया में लोकतंत्र के बड़े पैरोकार देशों में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लगातार खतरे में हैं. जूलियस असांज के मामले पर दुनिया की चुप्पी बता चुकी है कि अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं क्या हैं. भारत में नियंत्रित मीडिया की चर्चा सरेआम है. सोशल मीडिया पर अंकुश लगाने का प्रस्तावित विधेयक हालांकि अभी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, लेकिन उसे अमल में लाने की आशंका पूरी तरह खत्म नहीं हुई है. जी-7 के देश दुनिया में लोकतंत्र, मानवाधिकार और स्वतंत्रता की हिमायत का दावा पेश करते हैं. लेकिन इन्हीं जी-7 देशों में एक फ्रांस अपने देश के भीतर लोकतंत्र, व्यक्तिगत आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ले कर क्या कर रहा है, देखना दिलचस्प होगा. टेलिग्राम प्रमुख की गिरफ्तारी से ये सवाल उठ रहे हैं. फ्रांस की राज्य क्रांति का मुख्य नारा था-स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व. लोकतांत्रिक शासन प्रणानी इसका माध्यम है. मेसेजिंग ऐप टेलीग्राम का डेटा साझा करने के लिए इसके संस्थापक पॉवेल दुरोव पर रूस में दबाव इतना बढ़ा कि छह वर्ष पहले उन्होंने देश को छोड़ने का निर्णय ले लिया. तब वे अमेरिका गए, लेकिन वहां भी माहौल अपने अनुकूल ना पाकर अंततः उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात को ठिकाना बनाया. वहां से चलने वाले टेलीग्राम ऐप के आज एक अरब से ज्यादा यूजर हैं. गुजरे वर्षों में टेलीग्राम, सिग्नल और रंबल की ऐसे सोशल मीडिया ऐप की पहचान बनी है, जो अपना डेटा किसी सरकार के साथ साझा नहीं करते. यूक्रेन युद्ध और गाजा में इजराइली नरसंहार शुरू होने के बाद से ऐसे संकेत मिलने लगे कि खासकर टेलीग्राम और रंबल पर पश्चिम के प्रतिकूल गुटों का डेटा देने के लिए उन देशों में दबाव बढ़ रहा है. रंबल की कहानी यह है कि उसे चीन में प्रतिबंधित कर दिया गया, क्योंकि वह वहां सरकार के आलोचकों को मंच उपलब्ध करवाता था. अब बदला हुआ नज़ारा देखिए. दुरोव को फ्रांस के एक हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया. इल्जाम लगाया गया है कि मादक पदार्थों के तस्कर संवाद आदान-प्रदान के लिए टेलीग्राम का इस्तेमाल करते हैं, जिनके डेटा को दुरोव की कंपनी सरकार से साझा नहीं कर रही है. उसी रोज पावलोवस्की ने एक्स (ट्विटर) पर बताया कि फ्रांस में उन पर भी डेटा शेयर करने का दबाव है और अब वे सुरक्षित यूरोप से बाहर निकल गए हैं. एक समय था, जब विचारों या मुक्त अभिव्यक्ति के लिए उत्पीड़ित लोग यूरोप की तरफ भागते थे. आज हालात कहां पहुंच गए हैं? कुछ महीने पहले दुरोव ने कंजरवेटिव अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन को दिए इंटरव्यू में रूस में अपने उत्पीड़न की कहानी बताई थी. जब दुरोव को फ्रांस में गिरफ्तार किया गया, तो कार्लसन ने कहा- 'अभिव्यक्ति की आजादी हर जगह सिकुड़ रही है. भूतपूर्व फ्री वर्ल्ड पर अंधेरा तेजी से छा रहा है.' यही वह बदलाव है, जिस वजह से पश्चिम का सॉफ्ट पॉवर क्षीण हुआ है, बाकी दुनिया पर उसका प्रभाव घटा है और ऊंचे उसूलों की उसकी बातें वजन खोती चली गई हैं. दरअसल अनुदारवादी आर्थिक नीतियों और बढ़ते कारपारेट प्रभाव के कारण अनेक देशों में नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा बढ़ रही हैं.

> जी-7 के देश दुनिया में लोकतंत्र, मानवाधिकार और स्वतंत्रता की हिमायत का दावा पेश करते हैं. लेकिन इन्हीं जी-7 देशों में एक फ्रांस अपने देश के भीतर लोकतंत्र, व्यक्तिगत आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ले कर क्या कर रहा है.

सुभाषित

सुखार्थी त्यजते विद्यां विद्यार्थी त्यजते सुखम् ।
सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।।

जो व्यक्ति सुख के पीछे भागता है उसे विद्या का त्याग करना पड़ता है. जिसे विद्या प्राप्त करनी है उस व्यक्ति लिए सुख का त्याग आवश्यक हो जाता है. सुख के पीछे भागने वाले को विद्या कैसे प्राप्त होगी तथा जिसको विद्या प्राप्त करनी है उसे सुख कैसे मिलेगा?

बांग्लादेशी राष्ट्रवाद की सियासी उलझनें

बांग्लादेश के तमाम इतिहासकार और राजनीतिशास्त्री यह दावा कर रहे हैं कि बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत का योगदान निःस्वार्थ नहीं था. भारत का इस लड़ाई में मदद देने का भूराजनीतिक स्वार्थ था और 1971 के बाद इसका परिणाम स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है. सन 1971 के बाद दक्षिण एशिया में भारत ज्यादा शक्तिशाली होकर उभरा. बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध को हालांकि शेख मुजीबुर्रहमान और जनरल जियाउर्रहमान ने एक साथ लड़ा, लेकिन अब दोनों की विरासत अलग अलग हो चुकी है.

• देश-काल

अरुण कुमार त्रिपाठी

बांग्लादेश में पांच अगस्त 2024 को शेख हसीना वाजिद के तख्तापलट के बाद भारत में बांग्ला राष्ट्रवाद को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं. भारत के लोगों में यह आम धारणा है कि वहां के राष्ट्रवाद में एक तत्व सेक्यूलर है तो दूसरा धार्मिक और कट्टर. जो सेक्यूलर है वह भारत समर्थक है और जो कट्टर धार्मिक है वह भारत विरोधी. सेक्यूलर राष्ट्रवाद का आधार बांग्ला भाषा है, जो पाकिस्तान के विरोध में और भारत की मदद से खड़ा हुआ है. जबकि धार्मिक राष्ट्रवाद का आधार इस्लाम है, जो पाकिस्तान के पक्ष में है और वहां की मुस्लिम पहचान से जुड़ा हुआ है. इसीलिए तख्तापलट के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ बताया जा रहा है. इसी के साथ यह देखने को भी मिल रहा है कि जब लोकतंत्र पर राष्ट्रवाद हावी हो जाता है तो वह कितना अल्पसंख्यक विरोधी और हिंसक हो जाता है. वह उनकी मूर्तियां भी गिराने से परहेज नहीं करता जिन्हें कभी राष्ट्रपिता के रूप में प्रतिष्ठा दी गई होती है. बांग्लादेश के ताजा विवाद में एक ओर शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत है तो दूसरी ओर जियाउर्रहमान की विरासत है. चूंकि मुजीबुर्रहमान की विरासत पिछले पंद्रह वर्षों से चल रहे शेख हसीना के अधिनायकवादी शासन से जुड़ गई है, इसलिए अब उसे नकारा जा रहा है. इसी के साथ नकारा जा रहा है बांग्लादेश के उदय में भारत का योगदान. कहा जा रहा है कि किसी बच्चे के जन्म में दाई का योगदान होता है, लेकिन उसे मां का दर्जा कैसे दिया जा सकता है. बांग्लादेश के तमाम इतिहासकार और राजनीतिशास्त्री यह दावा कर रहे हैं कि बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत का योगदान निःस्वार्थ नहीं था. भारत का इस लड़ाई में मदद देने का भूराजनीतिक स्वार्थ था और 1971 के बाद इसका परिणाम स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है.

सन 1971 के बाद दक्षिण एशिया में भारत ज्यादा शक्तिशाली होकर उभरा. बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध को हालांकि शेख मुजीबुर्रहमान और जनरल जियाउर्रहमान ने एक साथ लड़ा, लेकिन अब दोनों की विरासत अलग अलग हो चुकी है. एक विरासत की दावेदार हसीना की अवामी लीग है तो दूसरे की दावेदार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी है. अवामी लीग मानती है कि मुक्तियुद्ध जनता के संघर्ष से जीता जा सका और उसका नेतृत्व मुजीब कर रहे थे. जबकि बीएनपी मानती है कि उस युद्ध को जीतने में जियाउर्रहमान के सैन्य नेतृत्व का बड़ा योगदान है. बीएनपी के लोग यह भी कहते हैं कि मुजीब तो सात मार्च 1971 तक पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे. उन्होंने छात्रों के दबाव में अपना भाषण दिया और आखिर में जो नारा लगाया वह था-जय बांग्ला, जय पाकिस्तान. लेकिन बांग्लादेश के राष्ट्रवाद की यह बहस 1947 के विभाजन और उससे और पीछे 19 वीं और बीसवीं सदी के अतीत में जा रही है. दरअसल वह बहस एक ओर उर्दू और बांग्ला भाषा के टकराव तक जाती है तो दूसरी ओर संस्कृत से लदी बांग्ला और फारसी और अरबी से प्रभावित बांग्ला की ओर भी जाती है. उसमें एक ओर कलकत्ता के हिंदू लेखकों और साहित्यकारों की बांग्ला है तो दूसरी ओर मुसलमानी बांग्ला है.

अगर 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश के अलग होने की एक वजह भाषा रही है तो 1947 में और उससे पूर्व पश्चिम और पूर्वी बंगाल के बीच दरार की वजह भी भाषा रही है. यानी भाषा अगर पूर्वी और पश्चिमी बंगाल को नजदीक लाती है तो दूर भी ले जाती है. उससे पहले उस आख्यान पर भी चर्चा जरूरी है जो भारत के तमाम बौद्धिक लिए बैठे हैं और जिसे बांग्लादेश के लोग काटने पर जुटे हैं. जहांगीरनगर विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले बांग्लादेश के इतिहासकार सईद फिरदौस लिखते हैं कि अब तक विभाजन का जो भी इतिहास लिखा गया है, उस पर भारत का नजरिया हावी है. बांग्लादेश से भारत गए तमाम बौद्धिकों और साहित्यकारों ने यह आख्यान रचा कि विभाजन बहुत दुखद घटना थी और इस पर खुशी किसी भी नजर से नहीं जताई जा सकती. लेकिन सईद कहते हैं कि ऐसा नहीं है. जो लोग पूर्वी बंगाल छोड़कर भारत गए थे, उनमें ज्यादा गुस्सा था. इसके उदाहरण के तौर पर सुनील गंगोपाध्याय, महाश्वेता देवी और मृणाल सेन जैसे बड़े रचनाकारों को लिया जा सकता है. लेकिन जो लोग उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा से पूर्वी बंगाल गए, उनमें एक प्रकार से मुस्लिम पहचान पाने की खुशी थी.

पाकिस्तान की समर्थक नृतत्वशास्त्री दीना सिद्दीक कहती हैं कि पूर्वी बंगाल के मुसलमानों में एक प्रकार की खुशी थी कि उन्हें एक अलग मुस्लिम पहचान मिलेगी और हिंदू जमींदारों से आजादी मिलेगी. इसी उम्मीद में नामशूद्र भी थे कि उन्हें एक बराबरी वाला समाज मिलेगा. क्योंकि पूर्वी बंगाल के मुसलमान पश्चिमी बंगाल की तुलना में ज्यादा गरीब थे. हालांकि उनके भीतर अपनी भाषा और संस्कृति की चेतना ज्यादा स्वाभिमान लिए हुए थी और वे कलकत्ता की हिंदू बांग्ला सांस्कृतिक चेतना से अपमानित महसूस करते थे. उनका मानना था कि उन्हें बराबरी का दर्जा नहीं मिलता. बराबरी की इसी उम्मीद में संविधानविद और नामशूद्र जोगेंद्र नाथ मंडल भी पाकिस्तान गए और उन्हें उम्मीद थी कि वे वहां का संविधान लिखेंगे. इस उम्मीद की विफलता की अलग कहानी है और इसी तरह उन उर्दू बोलने वाले बिहारी मुसलमानों की अलग कहानी है, जो भारत से इस उम्मीद में गए थे कि उन्हें वहां पहचान प्राप्त होगी और सम्मान मिलेगा. सन् 1971 में उन पर खुलना और चटगांव में हमले किए गए और उनका नरसंहार किया गया. सईद फिरदौस कहते हैं कि विभाजन के बारे में जो आख्यान चलाया जाता है वह अर्द्ध सत्य है. वह भारत की दुखद स्मृतियों से भरा है, लेकिन उसमें बंगाली मुसलमानों को मिलने वाली नई पहचान और खुशी का जिक्र नहीं है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

आनंद की खोज

मानव समाज आदिकाल से ही आनंद की खोज में लगा है, लेकिन सच्चाई तो है कि उसे ढूंढना कहां? वह तो आपके अंतःकरण में विराजमान है. उसे पहचाने की आवश्यकता होती है. आनन्द अन्तर्मन में ही छुपा होता है. बाहरी संयोगों का सुख, केवल और केवल मृगतृष्णा है. यदि हृदय प्रफुल्लित नहीं तो कोई भी बाहरी सुख-सुविधा हमें प्रसन्न करने में समर्थ नहीं. और यदि मन प्रसन्न है, संतुष्ट है तो कोई भी दुविधा हमें दुखी नहीं कर सकती. किसी गांव में एक बुढ़िया रात के अँधेरे में अपनी झोपडी के बहार कुछ खोज रही थी. तभी गांव के ही एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी , "अम्मा! इतनी रात में रोड लाइट के नीचे क्या ढूंढ रही हो ?", व्यक्ति ने पूछा. "कुछ नहीं! मेरी सूई गुम हो गयी है, बस वही खोज रही हूं.", बुढ़िया ने उत्तर दिया. फिर क्या था, वो व्यक्ति भी महिला की मदद में जुट गया और सूई खोजने लगा. कुछ देर में और भी लोग इस खोज अभियान में शामिल हो गए और देखते- देखते लगभग पूरा गांव ही इकठ्ठा होकर, सूई की खोज में लग गया. सभी बड़े ध्यान से सूई ढूंढने में लगे हुए थे कि तभी किसी ने बुढ़िया से पूछा ,"अरे अम्मा ! ज़रा ये तो बताओ कि सूई गिरी कहां थी?" "बेटा , सूई तो झोपड़ी के अन्दर गिरी थी.", बुढ़िया ने ज़वाब दिया. ये सुनते ही सभी बड़े क्रोधित हो गए. भीड़ में से किसी ने ऊँची आवाज में कहा, "कमाल करती हो अम्मा ,हम इतनी देर से सूई यहां ढूंढ रहे हैं जबकि सूई अन्दर झोपड़े में गिरी थी, आखिर सूई वहां खोजने की बजाए, यहां बाहर क्यों खोज रही हो ?" बुढ़िया बोली, " झोपडी में तो धुप्प अंधेरा था, यहां रोड लाइट का उजाला जो है, इसलिए." मित्रों, हमारी दशा भी इस बुढिया के समान है. हमारे चित्त की शान्ति, मन का आनन्द तो हमारे हृदय में ही कहीं खो गया है, उसे भीतर आत्म-अवलोकन के द्वारा खोजने का प्रयास होना चाहिए. वह श्रम तो हम करते नहीं, क्योंकि वहां सहजता से कुछ भी नजर नहीं आता, बस बाहर की भौतिक चकाचौंध में हमें सुख और आनन्द मिल जाने का भ्रम लगा रहता है. शायद ऐसा इसलिए है कि अन्तर में झांकना बडा कठिन कार्य है, वहां तो हमें अंधकार प्रतीत होता है, और चकाचौंध में सुख खोजना बडा सहज ही सुविधाजनक लगता है. किन्तु यथार्थ तो यह है कि आनन्द जहां गुम हुआ है उसे मात्र वहीं से ही पुनः प्राप्त किया जा सकता है.

विकास व विनाश के बीच आदिवासी संस्कृति

• संस्कृति

अंजनी कुमार

जुलाई, 2024 के मध्य में पूरी दुनिया में उस समय सनसनी दौड़ गई, जब पेरूवियन अमेजन का आदिवासी माशिको पिरो घने जंगलों से निकलकर नदी के खुले तट पर दिखाई दिये. पर्यावरण और आदिवासी समुदाय पर काम करने वाले वैज्ञानिकों ने बताया कि ऐसा पहले भी देखा गया था, लेकिन यह छिटपुट होने वाली घटनाएं थीं और संख्या बेहद कम होती थी. इस बार नदी के खुले तट पर काफी बड़ा समूह दिखाई दिया था. इसलिए इस क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिक और सामाजिक कार्यकर्ता काफी चिंतित हुए. भारत में उस समय मीडिया में, खासकर हिंदी में इस घटना को एक 'अजूबा' की तरह पेश किया गया और रोचक बनाने के नाम पर इसमें हद दर्जे की असंवेदनशीलता भी प्रदर्शित की गयी. लेकिन, इस क्षेत्र में काम करने वालों ने पर्यावरण में आ रहे बदलाव, जंगल की कटाई और इसमें दखल की नीति को लेकर अपना कड़ा विरोध दर्ज करते हुए मांग की कि अमेजन के जंगलों में जिस तरह से छेड़छाड़ हो रही है, उसे तुरंत रोका जाना चाहिए. अमेजन का जंगल ब्राजील, पेरू सहित कई देशों की सीमाओं में फैला हुआ है. ब्राजील की दक्षिणपंथी सरकार ने बड़े पैमाने पर जंगलों को नष्ट किया था. लकड़ियों की जरूरत और कथित विकास के दावों में अन्य देश भी इसमें पीछे नहीं रहे हैं. पिछले 6 सालों से अमेजन के पर्यावरण में काफी बदलाव देखा गया है. इसके अतिरिक्त अलनीनो का असर भी इस इलाके पर पड़ा है. तापमान में हो रही वृद्धि को यहां साफ देखा जा सकता है. खासकर, जंगलों में लगने वाली आग काफी भयानक हो चुकी है.लेकिन, यहां यूरोपीय उपनिवेशवाद की 200 साल पुराना 'सभ्य' बनाने वाला तर्क काम नहीं करता, जिससे 'विकास' कार्यों को उचित ठहराया जा सके. भारत में यह तर्क 2011-12 में कांग्रेस की यूपीए सरकार खुलेआम दे रही थी. जबकि, आरएसएस यही काम पिछली कई पीढ़ियों से उन्हें आदिवासी की जगह 'वनवासी' बनाने और उन्हें हिंदू बनाने में लगी हुई है. अब भी विकास को इन्हीं संदर्भों में परिभाषित और व्याख्यायित किया जा रहा है. यह अकारण नहीं है कि खुद सरकार की अपनी रिपोर्ट भी, जो 2010 में आई, वह जमीनों के अधिग्रहण और कब्जा को अंग्रेजों के बाद सबसे बड़ी जमीन की लूट बताया था. विकास की जरूरतों का औपनिवेशिक मॉडल भारत में अब भी बरोकटोक न सिर्फ चल रहा है, इसे शहर के मध्य और उच्च वर्ग के किसी के भी मुंह से सामान्य तौर पर सुना जा सकता है. इन सभी का अंतिम परिणाम हम 1950 से चल रहे विकास की परियोजनाओं के संदर्भ में देखें तो यही आदिवासी समुदाय रहा है और खुद सरकारी रिपोर्ट बताती भी रही हैं कि सभी विस्थापितों और प्रभावितों का पुनर्वास और व्यवस्थापन नहीं हो सका. कांग्रेस नेता जयराम रमेश के एक सवाल के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जब कई पन्ने का जवाब दिया, तब यह अखबार की सुर्खियों का हिस्सा बन गया. यह सवाल और जवाब भारत के सबसे संवेदनशील इलाका माने जाने वाले अंडमान निकोबार द्वीप में अधिसंरचनात्मक विकास परियोजनाओं की मंजूरी को लेकर थी. उन्होंने लिखित जवाब में बताया कि यह परियोजना सुरक्षा हितों को लेकर है. इस पत्र में, जैसा कि इंडियन एक्सप्रेस ने उद्धृत किया है, लिखा हैः 'इम्पॉवर्ड समिति ने अपने निरीक्षण में पाया है कि आदिवासी जनसंख्या के हितों, खासकर शोम्पेन, जो बेहद असुरक्षित आदिवासी समूह है, पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा और आदिवासियों के विस्थापन की अनुमति नहीं है.'' इस परियोजना में मालवाहक बंदरगाह, एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक बिजली उत्पादन केंद्र, एक बसावट और इससे जुड़ी संरचनाओं का निर्माण शामिल है. केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव अपने जवाब में बताते हैं कि इस द्वीप पर इस निर्माण से जैविक विविधता, अर्थव्यवस्था, कोरल संरचनाएं, आदिम जनजाति और वन्य जीवन का पूरी तरह से ख्याल रखा जाएगा. ऐसा लगता है कि भारत में विकास की जो नीतियां अपनाई गई हैं, वह अपनी औपनिवेशिक मानसिकता, प्रबंधन और योजना से किसी भी सूरत में बाहर नहीं आना चाहतीं. वह विकास को एक ऐसे मिशन की तरह देखती हैं, जिसमें पूंजी की प्रधानता उसके कच्चा माल दोहन पर अधिक है. यह भारत में औपनिवेशिक दासता की निरंतरता की तरह ही है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> ब्राजील की दक्षिणपंथी सरकार ने बड़े पैमाने पर जंगलों को नष्ट किया था. लकड़ियों की जरूरत और कथित विकास के दावों में अन्य देश भी इसमें पीछे नहीं रहे हैं. पिछले 6 सालों से अमेजन के पर्यावरण में काफी बदलाव देखा गया है. इसके अतिरिक्त अलनीनो का असर भी इस इलाके पर पड़ा है. तापमान में हो रही वृद्धि को यहां साफ देखा जा सकता है.

अनेक सिद्धांतों के बीच अनसुलझा रहस्य

• विमर्श

डॉ. नवनीत नव

बात है आज से 13.82 बिलियन वर्ष पहले की. हमारा ब्रह्मांड एक महा विस्फोट यानी बिग बैंग के साथ अस्तित्व में आता है. महाविस्फोट उस अर्थ में विस्फोट नहीं था, जिस अर्थ में हम समझते हैं कि भीषण आवाज के साथ कोई बम फटा हो. असल में एक सिंगुलैरिटी यानी अनंत घनत्व और अनंत ऊर्जा से भरे हुए एक बिंदु के एकदम से हुए फैलाव को महा विस्फोट की संज्ञा दी जाती है. इस थ्योरी पर अधिकतर वैज्ञानिक सहमत हैं. हालांकि कुछ वैज्ञानिक व दार्शनिक दूसरी थ्योरीज भी प्रस्तुत करते हैं, लेकिन हमारी आज की वैज्ञानिक जानकारी, समझ और साक्ष्यों के आधार पर सबसे ज्यादा सटीक और मान्य थ्योरी यही है. हो सकता है आने वाले समय में इसका बेहतर प्रारूप या फिर इससे बेहतर कोई थ्योरी आ जाये. लेकिन फिलहाल हमारे पास सबसे बेहतर यही है. खैर. क्या आपके दिमाग में कभी आया है कि बिग बैंग से पहले क्या था? जरूर आया होगा. मेरे दिमाग में भी आता है. मतलब कुछ तो हुआ ही होगा. नहीं? तो चलिए चलते हैं एक और कॉस्मिक यात्रा पर. मैं हूं आपका सहयात्री डॉ नवमीत और हम चल रहे हैं ब्रह्मांड की जन्म से पूर्व के समय में. लेकिन लेकिन लेकिन. समय और स्पेस तो एक ही साथ शुरू हुए हैं. राइट? मतलब थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी तो कहती है कि समय स्पेस से अलग है ही नहीं. तो स्पेस से पहले समय का क्या मतलब हुआ? वेल दिस इज अ फिलोसॉफिकल (और साइंटिफिक भी) क्वेश्चन. इसका उत्तर मुझे नहीं पता. अब इससे पहले कि चीजें और ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हों और मैं बात का बतंगड़ बना दूं, हम अपनी यात्रा शुरू करते हैं. सबसे पहले हम थोड़ा रिवीजन कर लेते हैं उन बातों का जिनके बारे में हम पहले से ही जानते हैं. जैसे कि बिग बैंग. इसके अनुसार यूनिवर्स एक अत्यधिक गर्म और सघन बिंदु से शुरू हुआ था और यह आज तक फैल रहा है. ब्रह्मांड में जितना भी पदार्थ और ऊर्जा है वे सब एक सिंगुलैरिटी में समाये हुए थे. यह थ्योरी यूनिवर्स के जन्म पर तो प्रकाश डालती है, लेकिन इसके जन्म से पहले क्या था इसपर इसके पास कोई जवाब नहीं है. जैसा कि नील डिग्रास टायसन कहते हैं, "हम जितना सोच सकते हैं, यूनिवर्स उससे भी ज्यादा अजीब है." तो चलिए अपने भीतर के शरलॉक होम्स को जगाते हैं और थोड़ा कॉस्मिक डिटेक्टिव वर्क करते हैं. इस संदर्भ में अनेक थ्योरीज हैं जिनकी चर्चा हम इस पोस्ट में करेंगे. सबसे पहली थ्योरी है.क्वांटम फ्लक्चुएशंस. यह ब्रह्मांड के जन्म से पहले का अनुमान लगाने वाली सबसे बेहतर थ्योरीज में से एक है. तो क्वांटम फ्लक्चुएशंस क्या होते हैं? ये वैक्यूम ऑफ स्पेस यानी अंतरिक्ष के निर्वात में होने वाले ऊर्जा के अत्यंत छोटे और रैंडम परिवर्तन होते हैं. मतलब क्या कहेंगे? जैसे वैक्यूम में ऊर्जा की हिचकियां आ रही हों. आइडिया ये है कि यूनिवर्स भी वैक्यूम के अंदर इसी तरह के क्वांटम फ्लक्चुएशंस से पैदा हुआ है. जैसे एक शांत तालाब है और इसमें अपने आप रैंडम लहरें पैदा होने लग जायें. इस थ्योरी के अनुसार ऐसे ही एक फ्लक्चुएशन से बने एक क्वांटम बुलबुले के फैलने से हमारे यूनिवर्स का जन्म हुआ. इमेजिन कि आप एक कोल्ड ड्रिंक की बोतल खोलते हैं तो उसमें से गैस के बुलबुले फूटते हैं. हो सकता है कि ब्रह्मांड भी ऐसा ही एक बुलबुला हो. मल्टीवर्स थ्योरी. अगर आप क्वांटम फ्लक्चुएशंस से कन्विंस नहीं हो पा रहे हैं तो शायद यह थ्योरी आपका ध्यान आकर्षित करे. इसके अनुसार हमारा ब्रह्मांड ऐसे अनंत यूनिवर्स में से एक हो सकता है जो लगातार अस्तित्व में आ रहे हैं और खत्म हो रहे हैं. जैसे किसी बहुत बड़े महासागर में बुलबुले उठते हैं और खत्म हो जाते हैं. हर बुलबुला एक अलग यूनिवर्स है जिसका अपना अलग बिग बैंग है और अपने भौतिकी के नियम हैं. हमारे अपने यूनिवर्स के ही अलग अलग स्थानों पर स्पेस टाइम अलग हो सकता है. जैसे ब्लैक होल में समय का व्यवहार पृथ्वी से अलग होता है. ब्लैक होल एक रहस्य है लेकिन इनका अस्तित्व है. हो सकता है कि मल्टीवर्स का भी अस्तित्व हो. या फिर हो सकता है कि यह भी एक गलत थ्योरी हो. हम पक्के तौर पर नहीं कह सकते. आवर्तनशील ब्रह्मांड. इसके अनुसार यूनिवर्स जन्म, मृत्यु और फिर जन्म के एक अनंत चक्र से गुजर रहा है. बिग बैंग होता है, यूनिवर्स का फैलाव होता है, फिर सिकुड़न होता है, फिर यह नष्ट होता है और फिर से बैग बैंग होता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> मैं हूं आपका सहयात्री डॉ नवमीत और हम चल रहे हैं ब्रह्मांड की जन्म से पूर्व के समय में. लेकिन लेकिन लेकिन. समय और स्पेस तो एक ही साथ शुरू हुए हैं. राइट? मतलब थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी तो कहती है कि समय स्पेस से अलग है ही नहीं. तो स्पेस से पहले समय का क्या मतलब हुआ? वेल दिस इज अ फिलोसॉफिकल (और साइंटिफिक भी) क्वेश्चन.

मीडिया में अन्यत्र

पेंशन का सुरक्षा कवच कितना प्रभावी

आखिरकार केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है. उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है,वहीं राजकोषीय दबाव को भी कम किया है. निस्संदेह, हाल में घोषित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा को संबल मिलेगा. जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है. इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्ष में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा. जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा. यह लाभ 25 साल की सेवा के बाद मिलेगा, लेकिन दस साल की सेवा वाले व्यक्ति को भी दस हजार पेंशन का लाभ मिलेगा. निस्संदेह, इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. यह घोषणा ऐसे वक्त में की गई है जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनाव कार्यक्रम घोषित है और साल के अंत तक महाराष्ट्र व झारखंड में चुनाव होने हैं. दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को हवा देते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया था. कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में आये जनादेश का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन का मुद्दा था. हालांकि, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों में यह मुद्दा वैसा प्रभावी नजर नहीं आया. निस्संदेह, मुद्दा लोकलुभावन तो था लेकिन पुरानी पेंशन को लागू करने से भारी वित्तीय दबाव बढ़ने की चिंता जतायी गई. तभी बीते साल आरबीआई ने ओपीएस के विकल्प का चयन करने वाले राज्यों पर बढ़ने वाले आर्थिक दबाव पर चिंता जतायी थी. निस्संदेह, इससे सरकारों का राजकोषीय घाटा निरंतर बढ़ने का भी खतरा था. जिसके चलते इस योजना को वर्ष 2004 में समाप्त किया गया था. फिर उसी राह पर लौटना व्यावहारिक भी नहीं था.दरअसल, राजग सरकार का कहना है कि एकीकृत पेंशन योजना वित्तीय अनुशासन के अनुरूप है, जो कि सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ कर्मियों के अंशदान से मूर्त रूप लेती है. जिससे जहां एक ओर सेवानिवृत्ति के बाद कर्मियों को वित्तीय सुरक्षा मिल सकेगी, वहीं राजकोषीय विवेक में भी संतुलन बन सकेगा. दरअसल, विपक्षी दलों द्वारा पुरानी पेंशन को मुद्दा बनाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार किया. फिर अप्रैल 2023 में तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की प्रधानी में बनी कमेटी ने चिंतन-मनन के उपरांत जो सिफारिश सरकार को सौंपी, बीते शनिवार मोदी सरकार के मंत्रिमंडल ने उसे हरी झंडी दिखा दी.**(द ट्रिब्यून)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बदन/वदन

प्यास भड़की है सरे शाम से जलता है बदन, इश्क़ से कह दो कि ले आए कहीं से सावन. यह स्वर सामाज्ञी लता मंगेशकर की आवाज में गाया हुआ एक प्यारा सा गीत का मुखड़ा है. लता दीदी ने इस गाने को 1982 में रिलीज फिल्म रजिया सुल्तान के लिए गाया था और आज तक इस गाने की लोकप्रियता में तनिक भी कमी नहीं आयी है. यह तो हुई बदन के प्रयोग की बात. इससे मिलता-जुलता शब्द है वदन. दोनों का उच्चारण थोड़े से अंतर के साथ एक जैसा ही है. यही कारण है कि इनके प्रयोग में अक्सर लोग भूल कर बैठते हैं. वदन की जगह बदन लिख देते हैं तो वदन की जगह बदन. रामचरितमानस के सुंदरकांड में एक चौपाई है-जस-जस सुरसा वदन बढ़ावा, तासु दुगुन कपि रूपदिखावा. उसके निकट ही एक और चौपाई है-वदन पैठि पुनि बाहेर आवा, मांगी विदा ताहि सिरु नावा. यानी सर्पों की माता सुरसा ने जैसे जैसे अपना मुंह फैलाया, हनुमान जी ने अपना रूप उससे दोगुना कर लिया. हिंदी शब्द सागर के अनुसार बदन फारसी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है शरीर, देह. बदन शब्द से बने मुहावरों का लालित्य देखिए. तन-बदन में आग लग जाना. मतलब बहुत धिक गुस्सा आना. तन-बदन की सुध न रहना मतलब अचेत रहना. बदन टूटना मतलब शरीर की ड्डियों में पीड़ा होना, जोड़ों में दर्द होना, जिससे अंगों को तानने और खींचने की इच्छा हो. बदन तोड़ना मतलब पीड़ा के कारण अंगों को तानना और खींचना. आपने यह गाना तो सुना ही होगा-पानी में जले मेरा गोरा बदन. दूसरा शब्द वदन संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. उर्दूहिंदी शब्दकोश रेख्ता के अनुसार वदन का अर्थ है-मुंह, चेहरा, मुखड़ा, शक्ल, कथन, भाषण,किसी वस्तु का अग्रभाग, ज्यामिति में एक त्रिभुज का शीर्ष कोना, बीजगणित में एक श्रृंखला की पहली संख्या, नम्रता पूर्वक की जानेवाली वंदना या स्तुति, शरीर पर बनाये जाने वाले तिलक आदि चिह्न.

देश में हो रही योग्यता की अवहेलना

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

माथुर जी का कहना है कि देश में योग्यता की अवहेलना हो रही है. योग्य लोग भरे पड़े हैं. उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है. वहीं दूसरी ओर लोग अयोग्यों के पीछे पड़े हैं. ये कहते हैं कि पूरे देश तथा समाज की यही कहानी है. इन्हें सबक सिखाने के लिए हाल ही में सरकार ने स्पष्टीकरण मांगा था. इनके स्पष्टीकरण की कुछ बातें नीचे दी जा रहीं है. पाठक स्वतः फैसला करें कि माथुर जी की बातों में कितना दम है. कई नेता जेल जाने के लिए पूरी (न्यूनतम योग्यता से कहीं अधिक) योग्यता हासिल किये हुए मजे में बैठे हैं. पुलिस ही उन्हें गिरफ्तार करने से कतराती है. इसमें उनका क्या दोष है? जबकि बहुत से मामले में इन नेताओं से कम योग्यता वालों को जेल में ठूंस दिया जाता है. इससे स्पष्ट है कि देश में योग्य लोगों की अवहेलना होती है तथा उनकी कोई पूछ नहीं है. वैसे तो अयोग्यों के भी पूछ नहीं है. फिर भी उनकी बहुत पूछ है. कई नेता चुनाव में सिर्फ चुनाव हारने के ही योग्य नहीं होते, बल्कि इस योग्य होते हैं कि उनकी जमानत जब्त हो जाएं. फिर भी वे भारी मतों से जिता दिए जाते हैं. जबकि नेता खुद समझता है कि वह जीतने के योग्य नहीं है और इसलिए ही वह एक साथ दो-तीन जगहों से किस्मत आजमाता है. लेकिन जनता नेता को नहीं समझ पाती. न कभी समझी है और न ही कभी समझेगी. शायद नेता ऐसा ही जीव होता है, जिसे देश की जनता तो क्या खुद नेता भी नहीं समझता. कई नेता विश्वास के कतई योग्य नहीं होते फिर भी उनका विश्वास किया जाता है. ये कहते हैं कि अब भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए और हम भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे. जनता विश्वास कर लेती है. एक बार नहीं बार-बार करती है. लेकिन यह नहीं सोचती कि यदि बिल्ली ही कहे कि अब चूहों पर हिंसा रुकनी चाहिए. और अब किसी भी कीमत पर मैं चूहों पर अत्याचार नहीं होने दूंगी. तो यह बिडम्बना ही है. और ऐसा होना सम्भव नहीं है. भला कभी कुत्ते की दुम सीधी हो सकती है. क्या कौआ कभी मांस खाना छोड़ सकता है? जिस प्रकार से बिल्ली चूहों की रक्षा के लिए कभी भी और किसी भी कीमत पर योग्य नहीं हो सकती. ठीक वैसे ही इनसे भ्रष्टाचार मुक्त देश व समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती. कई लोग जो जूतों की माला पहनाये जाने योग्य भी नहीं होते, उन्हें फूलों की माला पहनाया जाता है. क्या बीतती होगी उस फूल पर जिसकी चाह देवता के ऊपर चढाये जाने की भी नहीं होती? क्या बीतती होगी माखनलाल जी के दिल पर, फूलों की यह दुर्दशा देखकर? कभी किसी ने सोचा. बस माला बनाई और डालते गए गले में. जब जो दुत्कारे जाने योग्य हैं, उन्हें सत्कार मिलेगा. जो भगाए जाने योग्य हैं, उन्हें बुलाया जायेगा. जो हटाये जाने योग्य हैं, उन्हें बिठाया जायेगा. तो कैसे चलेगा देश ? कैसे बढ़ेगा देश ? इससे अधिक योग्यता की अनदेखी और क्या होगी? जब लोग योग्यता की उपेक्षा के बल पर ही राज करेंगे. तो उनके राज्य में किसी को क्या न्याय मिलेगा? इस परिस्थिति में योग्यता की कीमत क्या रह जायेगी? क्या अयोग्यों का ही हर जगह जमावाड़ा नहीं हो जायेगा?

Her Story

पिछले दिनों हेमा समिति की रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें मलयालम इंडस्ट्री में यौन उत्पीड़न, शोषण और लॉबिंग का खुलासा किया गया है. रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही कुछ महिलाएं अभिनेताओं और निर्देशकों के खिलाफ यौन दुराचार के आरोप लगाने के लिए आगे आई हैं. जब हमने झारखंड की अभिनेत्रियों से बात की तो उन्होंने भी बयां किया अपने हिस्से का दर्द...

फिर से सुर्खियों में मी टू, एक बार फिर बाहर आ रहे...

हमारे किस्से दर्द के

चटखारा

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

चटखारा में इस बार रानी प्रसाद लेकर आई हैं कुछ हेल्दी डिश. इसमें ओट्स, मूंगफली, दही, तिल, टमाटर जैसे हेल्दी आयटम का प्रयोग किया गया है. ये कम तेल में तैयार रेसिपी हैं जो स्वाद में कहीं से भी कमतर नहीं लगतीं.

ओट्स की इडली

ये चाहिए
ओट्स एक कप, ताजा दही एक कप, मूंग की दाल एक कप, गाजर एक मीडियम साइज, शिमला मिर्च छोटे साइज का, फ्रेंच बीन बारीक कटी हुई आधा, कप नमक स्वाद अनुसार, ईनो एक टीस्पून.
छौंक के लिए: एक चम्मच तेल, एक चम्मच सरसों के दाने, 8-10 करी पत्ते, और टुकड़ों में कटी हुई हरी मिर्च.

ऐसे बनाएं
ओट्स को एक कप दही में भिगो लें. मूंग के दाल को 2 घंटा पहले पानी में भिगो कर रख लें. जब दाल फूल जाए तो उसे बिना पानी डालें मिक्सी के जार में अच्छी तरह पीस लें. तत्पश्चात ओट्स और दही के मिक्सर को मूंग के डाल के मिक्सचर में मिलकर अच्छी तरह फैट लें. इसकी कंसिस्टेंसी पतली नहीं होनी चाहिए. अब इसमें सभी सब्जियों को चॉप करके मिला दें. स्वाद अनुसार नमक मिलाएं और आधा चम्मच हल्दी का पाउडर मिला दें. अब एक तड़का पैन में एक चम्मच तेल डालकर उसमें सरसों के दाने हरी मिर्च और करी पत्ते का छौंक लगाकर इस बेटर में मिला दें. सबसे अंत में इनो को इस बेटर में मिलाकर हल्के हाथों से चला दें और इडली के सांचे में हल्का तेल लगाकर जैसे इडली बनाया जाता है वैसे ही इडली बना दें. यह इडली बहुत ही स्वादिष्ट और हेल्दी होती है.

तिल और बादाम की चटनी

ये चाहिए
सफेद तिल आधा कप, मूंगफली आधा कप, चार हरी मिर्च, लहसुन की कलियां 4 या 5, नींबू का रस दो टेबल स्पून या आधा कप ताजी दही.
छौंक के लिए : एक चम्मच तेल, एक चम्मच सरसों के दाने, 8-10 करी पत्ते और दो सूखी लाल मिर्च.

ऐसे बनाएं
सर्वप्रथम मूंगफली को ड्राई रोस्ट कर लें. जब तक उसके छिलके अलग ना हो जाए. ठंडा होने पर इसके छिलके उतार लें. अब एक पैन में तिल को हल्का रोस्ट करें जब तक उसमें खुशबू ना आने लगे. जब तिल ठंडा हो जाए तो बादाम और तिल को मिर्च लहसुन की कलियां और नींबू के रस के साथ स्वाद अनुसार नमक मिलाकर पीस लें. यह पानी डालकर पीसा जाता है. अगर नींबू का रस इस्तेमाल नहीं करेंगे तो उसकी जगह पर दही का इस्तेमाल किया जा सकता है. अब एक तड़का पैन में एक चम्मच तेल डालकर उसमें सरसो, करी पत्ता और सूखी लाल मिर्च डालकर चटकाए और इस चटनी में मिला दें. स्वादिष्ट चटनी तैयार है.

प्याज और टमाटर की चटनी

ये चाहिए
एक मीडियम साइज का प्याज, 4 मीडियम साइज के लाल टमाटर, लहसुन की 8-10 कलियां, अदरक का 2 इंच का टुकड़ा, हरी मिर्च 6-7, करी पत्ते 10 -12, उड़द की दाल एक चम्मच, चने की दाल एक चम्मच, सरसों के दाने एक चम्मच, सरसों का तेल तीन चम्मच, नमक स्वाद अनुसार और सूखी लाल मिर्च दो.

ऐसे बनाएं :
एक पेन में दो चम्मच सरसों का तेल डालकर उसमें चने की दाल और उड़द के दाल की छौंक लगा दें. प्याज को मोटे-मोटे टुकड़ो में काटकर डाल दें. अब इसमें लहसुन की कलियां भी डाल दें और अदरक के टुकड़े भी डाल दें. टमाटर को दो-दो हिस्से में काटकर पैन में डाल दें और हरी मिर्च को भी टुकड़ों में काटकर इस पैन में डाल दें. नमक डालकर पैन का ढक्कन लगाकर 5 से 7 मिनट के लिए छोड़ दें. आंच बिल्कुल धीमी रहनी चाहिए. 5-7 मिनट के बाद हम देखेंगे कि टमाटर बिल्कुल सॉफ्ट हो गए हैं और उसका छिलका आराम से उतर जा रहा है बस इसी समय हमें गैस को ऑफ कर देना है और टमाटर के छिलकों को निकालकर इस मिक्सचर को ठंडा कर लेना है. तत्पश्चात इसे मिक्सी के जार में पीस लेना है. जब यह पिस जाए तब इसमें एक छौंक लगानी है. छौंक के लिए एक पेन में हम सरसो का तेल डालेंगे और सरसो दाना, करी पत्ता तथा सूखी लाल मिर्च से इसे छौंक देंगे. टमाटर की स्वादिष्ट चटनी तैयार है.

उस लिजलिजे अनुभव के बाद छोड़ दी एक्टिंग

मधु रॉय

पोर्टफोलियो सीडी में रखकर जब मुंबई में प्रोड्यूसर-डायरेक्टर के द्वारे-द्वारे जाया करती थी तो कई बार यह संदेश मिलता था कि प्रोड्यूसर के साथ समय/रात गुजारोगी तो रातो-रात चमक जाओगी, बड़े रोल मिलेंगे, सफलता, नेम-फेम मिलेगा. खासकर तब जब आपको अंग्रेजी नहीं बोलनी आती, छोटे शहरों से मायानगरी में पहुंचते हैं और रूप-रंग में बहुत खास नहीं हैं तब. ऐसे ऑफर दिल तोड़ते थे, निराश होती थी. लेकिन यह तय था कि आप नो कहते हैं तो कोई कुछ नहीं करेगा और जहां तक रोल मिलने की बात है, बेशक लीड या आकर्षक रोल नहीं मिले, हिरोइन नहीं बनाए, लेकिन आपमें प्रतिभा है तो आपको काम जरूर मिलेगा. वर्ष 2007 में पिता की अस्वस्थता के कारण मैं मुंबई से झारखंड लौट आई.

न टॉयलेट, न चेंजिंग रूम

अब बात अपने झारखंड की जिसे इन दिनों जॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री कहा जा रहा है. लेकिन मैं कहूंगी कि इसे इंडस्ट्री तो बिल्कुल नहीं कहें. इंडस्ट्री की कोई सुविधा यहां नहीं न नियमित काम है. महिला आर्टिस्ट की स्थिति दयनीय है. शूटिंग स्पॉट पर जाने के लिए बोलेरो में कुत्ते-बिल्लियों की तरह पुरुषों के साथ महिलाओं को भी ठूंस देते जिसमें भैया-चाचा का संबोधन पाने वाले पुरुष आर्टिस्ट भी महिला आर्टिस्ट के शरीर से अपने शरीर को रगड़ने का मौका ढूंढते रहते हैं. टॉयलेट या चेंजिंग रूम की बात करना यहां हास्यास्पद है, खासकर आउटडोर शूटिंग के दौरान. एक गाने में पांच-छह बार कपड़े चेंज करने का आदेश देंगे और कपड़े चेंज कहां करूं, कहने पर दो टूक कह देते हैं- गाड़ी का दरवाजा खोल देता हूं, चेंज कर लो. टॉयलेट के लिए झाड़फूस के बीच कोने तलाशिए.

लिजलिजा यह अनुभव

वर्ष 2015 में जब पति की कैंसर से मृत्यु हुई तब बेटी महज दो साल की थी. मैं वापस जॉलीवुड में ही काम तलाशने लगी. यहां के एक प्रतिष्ठित प्रोड्यूसर जिनके साथ पहले भी मैंने काम किया था, अच्छा संबंध भी रहा था, उन्होंने पति की मौत की बात जान कर ऐसा लिजलिजा ऑफर दिया कि यहां काम करने की ख्वाहिश ही मैं छोड़ दी. उन्होंने सीधे-सीधे कहा कि पति की मौत के बाद तुम्हारी भी शारीरिक जरुरतें होंगी. चलो काम शुरू करने से पहले कहीं बाहर मेरे साथ और जरुरतें पूरी करने के बाद काम शुरू करें.

तब कांप गई थी सुरक्षा की सोच

वर्षा ऋतु

धत तेरे की, मौका ए वारदात जैसे कुछ धारावाहिकों में मैं काम की हूं. जॉलीवुड के लिए ही अधिक काम किया है. बेशक सुविधाओं खासकर महिलाओं के लिए सुविधाओं में बहुत पिछड़ा है अपना जॉलीवुड. वैनिटी वैन जैसी बात तो भूल ही जाइए, बेसिक सुविधाएं तक नहीं है. सुरक्षा व्यवस्था नहीं. एक महिला या लड़की इस क्षेत्र में काम के लिए आती हैं तो उसे कई स्तर पर खुद को मजबूत बनाना होता है, ना कहने का हूनर आना जरूरी है. पग-पग पर खतरे हैं, पर महिला को खुद हैंडल करना होगा.

यह भयावह अनुभव

एक बार हमारी शूटिंग हुंडरू फॉल में हो रही थी. चेंजिंग रूम, टॉयलेट रूम जैसी समस्या तो शायद छोटी थी, अचानक वहां बंदूक-पिस्तौल के साथ नक्सली का दल आ गया. हम डर से भयभीत कि जाने क्या हो. लेकिन शुक्र है, उन्होंने वैसी कोई हरकत नहीं की. मुझे भयभीत देखकर कहा कि बच्ची तुम डर क्यों रही हो, हम तो बस शूटिंग देखने आए हैं.

कैरेक्टर पर उठा देते हैं अंगुली

संतोष मृदला

सावधान इंडिया जैसे कुछ धारावाहिकों के लिए मुंबई में काम किया, पर झारखंड में ही अधिक काम की हूं. अनुभव के आधार पर ही कहूंगी कि यहां प्रतिभाशाली महिला आर्टिस्ट को पचाना बहुत मुश्किल है. अगर आर्टिस्ट के टैलेंट से उसे कोई बढ़िया मौका मिल रहा है तो सबसे पहले आसान उपाय आजमाते हैं उसे परास्त करने के लिए, वही पुराना उपाया कि उसके कैरेक्टर पर उंगली उठाना. मेरे साथ भी ऐसा कई बार हुआ है. एक बार तो मनोज वाजपाई के अपोजिट काम करने का मौका मिला था. लगा था कि अब तो बस एक्टिंग की मेरी पहचान खास होने ही वाली है, लेकिन तभी अचानक मुझे सेट से पूरी तरह आउट कर दिया गया. ऐसा एक नहीं कई बार हुआ. मैं डिप्रेशन तक में चली गई. बाद में पता चला कि एक शख्स है जिसकी मुबई इंडस्ट्री में तगड़ी पहचान है. वही कॉल कर मेरे बारे में गलत-सलत बातें पहुंचाता है. जॉलीवुड के इन मठाधीशों से परेशान हूं.

चुकानी पड़ती कला प्रेम की कीमत

कहीं बाहर दूर दराज इलाके में काम करना होता है तो सीधे कह दिया जाता है पहुंच जाएं. आपके पास अपनी सुविधा नहीं तो महिला-पुरुष कलाकारों को एक साथ जानवरों की तरह ठूंस कर शूटिंग स्पॉट ले जाते बिना यह व्यवस्था किए कि महिला कलाकार कहां चेंज करेंगी, कहां टॉयलेट जाएंगी. अरे कहीं कपड़े बदल लीजिए ना, अरे किसी घर में नॉक कर कहिए नाएक कलाकार होने की कीमत यहां के आर्टिस्ट को कहां-कहां चुकानी पड़ती है, क्या कहें! आलम यह है कि अब तो ज्यादातर ऑडिशन के वीडियो भेजने के लिए लोग कहते हैं तो उत्साह ही नहीं जगता, नारीत्व और सम्मान की कीमत पर कैसे किया जाए काम!

क्या है मामला

मामला फरवरी 2017 का है जब चलती कार में कथित तौर पर एक मलयालम अभिनेत्री पर हमला किया गया था. पांच लोगों ने उनका अपहरण कर लिया. हमले का वीडियो बनाया और फिर उस अभिनेत्री को वहीं छोड़ दिया गया. अभिनेत्री ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. जब जांच हुई तो पता चला कि अभिनेत्री को "सबक सीखाने के लिए" कुछ लोगों ने यह साजिश रची थी. इसमें केरल के एक प्रभावशाली शख्स और मलयालम अभिनेता दिलीप की खास भूमिका थी.

हेमा समिति का गठन

नवंबर 2017 में जस्टिस हेमा, अभिनेत्री सारदा और नौकरशाह केबी वलसाला कुमारी वाली हेमा समिति ने अपना काम शुरू किया. 80 से ज्यादा महिलाओं ने जस्टिस हेमा के सामने गवाही दी और मलयालम इंडस्ट्री के गंदे माहौल पर अपने अनुभव साझे किए.
साल 2019 में, समिति ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विनयजन को 296 पेज की रिपोर्ट सौंपी जिसमें से 296 पेज की रिपोर्ट को पिछले दिनों यानी 19 अगस्त को पब्लिक किया गया. इसमें इंडस्ट्री की कई महिलाओं की गवाही शामिल की गई है जिसमें कुछ नाबालिग भी शामिल हैं. पूरी रिपोर्ट में अपराधियों के नाम का जिक्र नहीं. कुछ हास्यास्पद समाधान भी दिए गए हैं.

यह भी रिपोर्ट में

रिपोर्ट में बताया गया कि महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाएं- जैसे चेंजिंग रूम और शौचालय उपलब्ध नहीं कराए गए थे. यौन उत्पीड़न की कहानियों का जिक्र है जिसे पढ़ कर रोएं कांपते हैं. एक पॉवरफुल लॉबी की चर्चा है जिसमें इंडस्ट्री के टॉप डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और टेक्नीशियन शामिल हैं.

कुछ अलग नया करना है तो सोचें बच्चों की तरह

शिखर चंद जैन

जब भी हम अपनी रूटीन जिंदगी से ऊबने लगते हैं तो हमारा मन कसमस उठता है कुछ नया करने को. कुछ ऐसा करने को जो इस दुनिया में से अलग हटकर हो. कुछ ऐसा कि जब हम करें तो हमारा मन प्रसन्न हो उठे. ठीक इसी प्रकार हम कई बार कोई ऐसी चीज बनाना चाहते हैं जिसे लोग देखते ही रह जाएं और वह लीक से बिलकुल हटकर हो. लेकिन ऐसा करने से हमें स्थापित सामाजिक परंपराएं, अपनी खिल्ली उड़ने का डर या लोग क्या कहेंगे इस बात की चिंता रोक देती है.

- **सोचिए बच्चों की तरह :** अगर आप भी कुछ नया, निराला, स्थापित नियमों से परे जाकर दिल को सुकून और मनोरंजन देने वाला करना चाहते हैं तो अपने बचपन में लौट जाइए. किसी बच्चे को गौर से देखिए और उसकी तरह सोचना शुरू कर दीजिए. क्या आपने कभी गौर किया कि दुनिया पिकासो की कलाकृतियों को क्यों सराहती है? क्योंकि उनकी कृतियां कला के पूर्व स्थापित मापदंडों और नियमों से बिल्कुल हटकर थी. उनके नए, निराले और अलग अंदाज के कारण ही उनकी कृतियां दुनिया की नजर में आईं. भले ही कुछ लोगों को उनके चित्रों में नाक नुकीली और बेढब दिखती हो, दोनों आंखें सामान लेवल पर न दिखने से अटपटी लगती हों लेकिन कला प्रेमियों और कला के परखियों को उनका निरालापन भाता है. कला के कदरदान जानते हैं कि कला निर्बाध बहती है, उसकी कोई सीमा नहीं होती. यह तो कलाकार की अभिव्यक्ति का अपना अनूठा अंदाज होता है.
- **दूसरों से रहें अप्रभावित :** मनोवैज्ञानिकों और व्यवहार विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चे सर्वश्रेष्ठ रचनाकार होते हैं. बाल्यकाल किसी भी व्यक्ति के जीवन का सर्वोत्कृष्ट रचनात्मक और सुकून वाला समय होता है. क्योंकि उसके

परसेप्शन ईमानदार, शुद्ध, दूसरों से अप्रभावित, सामाजिक नियमों व लोकाचार से पूर्णत मुक्त होते हैं. कहते हैं कि जो कुछ भी नहीं जानता उसके कुछ करने और सोचने का अंदाज ही अलग होता है. उसके जीने का मजा ही अलग है. इसलिए बच्चा जो कुछ करता है ,जो कुछ रचता है, वह पूरी तरह उसकी अपनी सोच और दुनिया को देखने का अपना नजरिया होता है. तभी तो बच्चे शुरू-शुरू में अपनी पेंटिंग अपने ही तरीके से बनाते हैं. वे अपनी समस्याओं के हल भी निराले ढूंढ लेते हैं और अपने मनोरंजन के लिए अजब अनूठे खिलौने और तरीके ईजाद कर लेते हैं.बच्चों की इस स्वतंत्र सोच के पीछे सबसे बड़ी ताकत यह होती है कि उन्हें इस बात की जरा भी परवाह नहीं होती कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे.

- **पूर्वाग्रह से रहें मुक्त :** बच्चों की कल्पनाएं बेहद जादूई और बिल्कुल मौलिक होती हैं. जबकि हम वयस्कों की सोच कई तरह के दायरे और पूर्वाग्रह में कैद होती है. हम अलग सोच भी लें तो उसे साकार रूप में देने में हिचकते हैं. हमारी क्रिएटिविटी मौलिक नहीं रह पाती, हमारे आसपास के माहौल ,हमारी पृष्ठभूमि, हमारी परवरिश और संगत से प्रभावित होने लगती है. लिहाजा उसमें ताजापन, अनूठापन या वह गंभीरता नहीं आ पाती जैसा हम चाहते हैं. मॉडर्न आर्ट की सराही जाने वाली कृतियां भी लोगों को इसलिए पसंद आती है कि वे लीक से हटकर या कुछ लोगों की नजर में ब्रश या तूलिका को उल्टा सीधा मारकर बनाई गई होती हैं लेकिन कला के कदरदान जानते हैं कि इसके पीछे कलाकार की एक खास अभिव्यक्ति और सार्थक संदेश छिपा है. तभी तो ऐसी कृतियों की कीमत हजारों ही नहीं बल्कि लाखों में भी होती है और कुछ कलाकृतियां तो अनमोल होती हैं.
- **रहें उन्मुक्त और चंचल :** हमारे धर्म ग्रंथ हों या मनोचिकित्सक या फिर व्यवहार विशेषज्ञ और समाजशास्त्री, ये सब हमें सुकून ,खुशहाली और सृजनात्मकता के लिए बच्चों की तरह अज्ञानी, निश्छल, चंचल और उन्मुक्त होने की सलाह देते हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी एक बार कहा था कि तर्क आपको ए से जेड तक यानी एक निश्चित सीमा में सब कुछ देंगे, लेकिन कल्पना आपको कहीं भी ले जाएगी उसकी कोई सीमा नहीं होती.

उल्टा लिखता है बेटू

बेटू पढ़ तो लेता है पर लिख नहीं पाता. या तो शब्दों को उल्टा लिख देता या बिखरे बिखरे शब्द लिखता है. अगर आपको भी अपने लाडले से बस यही शिकायत है तो मनोवैज्ञानिक से मिलें. उसे डिसग्राफिया की शिकायत हो सकती है. मनोवैज्ञानिक डॉ स्वर्णा प्रसाद बता रही हैं रोग के लक्षण और सुधारने के कुछ उपाय...

- **पहचानिए**
बिखरे हुए शब्द लिखना, पेंसिल को सही तरीके से नहीं पकड़ना, शरीर को झुका कर बैठना, पेपर को बहुत पास से पढ़ना, लिखने से बचने के लिए बहाने मारना या रोना, अधिक कांट छांट करना, एक जैसे अक्षर जिनकी दिशाएं विपरीत हों, जैसे बी और डी में कंफ्यूजन करना या उल्टे लिख देना.

- **मदद कीजिए**
टीचर और पैरेंट्स उस पर झुझलाने की बजाय मदद करें. लिखने के लिए जम्बो पेंसिल इस्तेमाल में दें. लाइन खिंची हो, वैसे ही पेपर में लिखने को दें. ऐसे बच्चों को क्लास असाइनमेंट या होमवर्क के लिए थोड़ा अधिक समय देना चाहिए. डिटेक्शन करने में समस्या हो तो बच्चे के लिए किसी बड़े को डिटेक्ट करने की अनुमति दे जिसे वह बाद में कॉपी कर लेगा. हाथ से लिखने की बजाय उसे कंप्यूटर पर लिखने की सुविधा देनी चाहिए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

ग्रैंड शतरंज टूरः गुकेश ने कारुआना से ड्रॉ खेला

सेंटलुई । भारत के ग्रैंडमास्टर और विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश ने ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप में एक बार फिर अपनी बाजी ड्रॉ खेली तथा अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे जबकि फ्रांस के खिलाड़ी अलीरेज़ा फ़िरोज़ा ने सातवें दौर में पूरे अंक लेकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली.इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने लगातार सातवीं बाजी ड्रॉ खेली. उन्होंने रूस के इयान नेपोम्नियाचची के साथ अंक बांटे.अब जबकि दो राउंड का खेल बाकी है तब फिरोजा पांच अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं.

पूर्व फुटबॉल कोच स्वेन गोरान का निधन

स्टॉकहोम। स्वीडिश फुटबॉल मैनेजर स्वेन-गोरान एरिक्सन, जिन्होंने 2001 से 2006 तक इंग्लैंड को कोचिंग दी थी, का सोमवार को 76 वर्ष की आयु में अग्नाशय के कैंसर से निधन हो गया. जनवरी में, एरिक्सन ने खुलासा किया कि वह घातक कैंसर से पीड़ित हैं और उनके पास जीने के लिए अधिक से अधिक एक साल है. एरिक्सन ने 2001 में इतिहास रचा था जब उन्होंने केविन कीगन की जगह ली और इंग्लैंड टीम की कमान संभालने वाले पहले विदेशी कोच बने और उन्होंने 2002 और 2006 में दो विश्व कप फाइनल चरणों में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें सितंबर 2001 में जर्मनी के खिलाफ़ 5-1 की ऐतिहासिक जीत शामिल थी.

सिराज, जडेजा इंडिया बी टीम से हुए बाहर

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को दलीप ट्रॉफी के लिए इंडिया बी टीम से रिलीज कर दिया गया है. बीसीसीआई ने मंगलवार को उक्त घोषणा की. सिराज बीमारी के कारण पहले दौर में नहीं खेलेंगे. तेज गेंदबाज उमरान मलिक, जो इंडिया सी का हिस्सा थे, भी एक्शन में नहीं होंगे. उनके प्रतिस्थापन के रूप में क्रमशः नवदीप सैनी और गौरव यादव को नामित किया गया है. जडेजा के नहीं खेलने का कारण नहीं बताया गया है. भारत के व्यस्त टेस्ट कैलेंडर से पहले मैच अभ्यास देने की उम्मीद के साथ शुभमन गिल और यशस्वी जयसवाल समेत कई भारतीय खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में शामिल किया गया था.

महिला टी20 के लिए घोषित की टीम

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले महिला टी20- विश्व कप के लिए इंग्लिश टीम की घोषणा कर दी है. टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज बेस हीथ, ऑलराउंडर फ्रेया केम्प और डेनिएल गिब्सन नया चेहरा हैं. हीथर नाइट चौथी बार टी20 वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगी. टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में कम से कम 12 सदस्य दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 2023 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड टीम का हिस्सा थे. लॉरेन विनफील्ड-हिल, केट क्रॉस और कैथरीन साइवर-ब्रंट (सेवानिवृत्त) तीन ऐसी खिलाड़ी हैं जो 2024 बैच का हिस्सा नहीं हैं. गिब्सन 2023 में टीम के साथ थीं, लेकिन केवल एक यात्रा रिजर्व के रूप में.

अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट

कोको गॉफ आसान जीत के साथ दूसरे दौर में

एजेंसी।न्यूयॉर्क

मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. गॉफ ने सोमवार को यहां पहले दौर के मैच में वरवरा ग्रेचेवा को 6-2, 6-0 से पराजित किया. गॉफ हाल में खराब फॉर्म से जूझ रही थी लेकिन यहां उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा.

अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी और पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 13वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने 2020 के चैंपियन डोमिनिक थिएम को 6-4, 6-2, 6-2 से हराया. थिएम का यह अमेरिकी ओपन में आखिरी मैच था, क्योंकि वह पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस सत्र के बाद वह संन्यास ले लेंगे.अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्लोएन स्टीफंस ने क्लारा ब्यूरेल के खिलाफ शुरुआती नौ गेम जीते लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई और उन्हें 0-6, 7-5, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा. महिला वर्ग में जिन अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने अगले दौर में जगह बनाई उनमें इस महीने की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग क्विनवेन, ओलंपिक की रजत पदक विजेता और यहां 24वीं वरीयता प्राप्त डोना वेकिच, 12वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना और 14वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ शामिल है.नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सककारी दाहिने कंधे में चोट के कारण एक सेट के बाद मैच से हट गई. पुरुष वर्ग में जिस वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा वह 15वें वरीय होल्गर रूण थे, जिन्हें अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा ने 6-2, 6-1, 6-4 से हराया. पुरुष वर्ग में आगे बढ़ने वाले खिलाड़ियों में चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव, छठी वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव, आठवें वरीय कैस्पर रूड, नौवें वरीय और 2022 के उपविजेता ग्रिगोर दिमित्रोव तथा 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज़ शामिल है.

सीधे सेटों में हारकर सुमित नागल बाहर

न्यूयॉर्क। भारत के शीर्ष खिलाड़ी सुमित नागल यहां शुरुआती दौर में नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर से सीधे सेटों में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल से बाहर हो गए. नागल को अपनी पहली सर्विस में संघर्ष करना पड़ा और वह सोमवार की रात को खेले गए मैच में ग्रिक्सपुर से 1-6, 3-6, 6-7(8) से हार गए. नागल ने दो घंटे और 20 मिनट तक चले मैच में दो बार अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ी जबकि नीदरलैंड के खिलाड़ी ने ब्रेक प्वाइंट के 11 मौकों में से छह को भुनाया. दूसरे सेट में जब नागल 3-5 से पीछे थे तब हल्की बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा. इसके बाद उन्होंने कुछ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन यह जीत के लिए पर्याप्त नहीं था. नागल अब पुरुष युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे. पुरुष युगल में भारत के रोहन बोपन्ना, युकी भांबरी, एन श्रीराम बालाजी और नागल अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ खेलेंगे.

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान

हरमनप्रीत चौथी बार इस टूर्नामेंट में करेंगी कप्तानी

- महिला टी20 विश्व कप में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी
- टूर्नामेंट में हर एक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी
- 17 व 18 अक्तूबर को सेमीफाइनल में मैच खेले जायेंगे
- 20 अक्तूबर को दुबई में फाइनल होगा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

स्टार बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर तीन अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को घोषित 15 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी. शीर्ष क्रम की बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को भी टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा. स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप कप्तान नियुक्त किया गया है.इस टूर्नामेंट की मेजबानी पहले बांग्लादेश को करनी थी लेकिन वहां राजनीतिक अशांति के कारण इसे संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया गया था.भारत को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है. भारतीय टीम अपनी पहली टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य लेकर टूर्नामेंट में उतरेगी. इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है. चयनकर्ताओं ने एक बार फिर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की ओपनिंग जोड़ी पर भरोसा जताया है. वहीं, मध्यक्रम की जिम्मेदारी कप्तान हरमनप्रीत, जेमिमा, दीप्ति और ऋचा पर होगी. पूजा और श्रेयंका पर मैच फिनिश करने की जिम्मेदारी होगी. श्रेयंका को टीम में शामिल तो किया गया है, लेकिन टूर्नामेंट से पहले उनकी फिटनेस की जांच होगी. अभी टूर्नामेंट में काफी वक्त है, ऐसे में श्रेयंका के फिट होने की उम्मीद है. यह धाकड़ स्पिन ऑलराउंडर अपना दिन होने पर किसी भी मैच को पलटने की क्षमता रखती है. हरमनप्रीत कौर चौथी बार इस टूर्नामेंट में कप्तानी करती दिखेंगी.

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा सोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन.

पांच-पांच टीमों के दो ग्रुप

- महिला टी20 विश्व कप में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी. इन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है.
- ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमों को रखा गया है.
- ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल हैं.

टूर्नामेंट के मैच

टूर्नामेंट से पहले 28 सितंबर से एक अक्टूबर तक 10 अभ्यास मैच खेले जाएंगे. टूर्नामेंट में हर एक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी, जिसमें हर ग्रुप से शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें 17 और 18 अक्तूबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. इसके बाद 20 अक्तूबर को दुबई में फाइनल होगा. सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है. अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है तो वह सेमीफाइनल-1 में खेलेगा. दुबई और शारजाह में कुल 23 मैच खेले जाएंगे.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के इंग्लैंड टीम का एलान

बेयरस्टो व मोईन अली का पत्ता कटा

एजेंसी।लंदन

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली को बाहर कर दिया है. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बिल्कुल नई टीम चुनी है. हालांकि, इस टीम की कप्तानी जोस बटलर ही करते दिखेंगे. बेयरस्टो और मोईन अब तक 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, लेकिन वनडे और टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्हें बाहर किया गया है. मैथ्यू मॉट को पिछले महीने इंग्लैंड के सीमित ओवरों के मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया गया था और सोमवार को टीम की घोषणा के साथ यह बदलाव जारी रहा. मॉट की जगह दिग्गज मार्कस ट्रेस्कोथिक को अंतरिम कोच नियुक्त किया गया था और अपनी पहले असाइनमेंट के लिए उन्होंने पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है.

37 साल के मोईन अली उपकप्तान रह चुके

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हुल, ऑलराउंडर जैकब बेथेल और तेज गेंदबाज जॉन टर्नर को वनडे और टी20, दोनों प्रारूपों में चुना गया. वहीं, डेन मूसले और जोर्डन कॉक्स को टी20 टीम में शामिल किया गया. मोईन सीमित ओवर क्रिकेट में इंग्लैंड की टीम के उप-कप्तान थे, लेकिन अब वह 37 साल के हो गए हैं और उन्होंने स्वीकार किया है कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्ती की ओर है. स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर के रूप में उनकी भूमिका वारविकशायर टीम के उनके साथी बेथेल और मूसले द्वारा कवर की जाएगी.

बेयरस्टो खराब फॉर्म से गुजर रहे

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली को बाहर कर दिया है. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बिल्कुल नई टीम चुनी है. हालांकि, इस टीम की कप्तानी जोस बटलर ही करते दिखेंगे. बेयरस्टो और मोईन अब तक 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, लेकिन वनडे और टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्हें बाहर किया गया है.

डब्ल्यूटीसी तालिका में आठवें स्थान पर खिसका पाकिस्तान

एजेंसी।दुबई

पाकिस्तान रावलपिंडी में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 10 विकेट की हार और उसके बाद धीमी ओवर गति की पेनल्टी के कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में आठवें स्थान पर खिसक गया है. पाकिस्तान छह मैचों के बाद 16 अंकों और 22.22 के जीत प्रतिशत के साथ आठवें स्थान पर है. वह केवल वेस्टइंडीज से आगे है. रविवार को समाप्त हुए मैच में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश 21 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है. उसने अब तक अपने पांच में से दो मैच जीते हैं. पाकिस्तान के लिए पहले टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण स्थिति और अधिक निराशाजनक हो गई है. उसने निर्धारित समय में छह ओवर कम किए और इस कारण छह डब्ल्यूटीसी अंक गंवा दिए.बांग्लादेश ने भी निर्धारित समय में तीन ओवर कम किए और इस कारण उसे तीन अंकों से हाथ धोना पड़ा. किस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से रावलपिंडी में खेला जाएगा. भारत नौ मैचों में छह जीत हासिल करके 74 अंकों और 68.52 के जीत प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है.

पहला टेस्ट मैच बांग्लादेश से हारने पर बोले पीसीबी अध्यक्ष

पाकिस्तान के पास अच्छे खिलाड़ियों का मजबूत पूल नहीं

एजेंसी।रावलपिंडी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश से मिली 10 विकेट की करारी हार को निराशाजनक करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास अच्छे खिलाड़ियों का मजबूत पूल नहीं है जो जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ियों की जगह ले सकें.नकवी ने कहा,'यह हार बेहद निराशाजनक है. समस्या यह है कि चयन समिति के पास ऐसे खिलाड़ियों का पूल नहीं है जो जरूरत पड़ने पर सीनियर खिलाड़ियों की जगह ले सकें.'पाकिस्तान ने घरेलू धरती पर अपना आखिरी टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर 2021 में रावलपिंडी में जीता था. इस बीच उसे पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा.पाकिस्तान श्रृंखला के शुरुआती मैच में विशेषज्ञ स्पिनर के बिना उतरा. उसने चार तेज गेंदबाजों को टीम में रखा लेकिन उसका यह फैसला गलत साबित हुआ.नकवी ने कहा,''बांग्लादेश के खिलाफ हार दुखद है लेकिन चयन समिति ने टीम प्रबंधन को 17 खिलाड़ी दिए थे. अगर कोच या कप्तान ने इनमें से कुछ खिलाड़ियों को बाहर रखा तो यह उनका फैसला है. हो सकता है कि उन्होंने गलती की हो लेकिन इसका चयन समिति से कोई लेना देना नहीं है.'

प्रदर्शन | आगामी घरेलू टूर्नामेंट्स को लेकर बनाया है मास्टर प्लान

सूर्यकुमार यादव की नजर टेस्ट टीम में वापसी पर

एजेंसी।मुंबई

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आगामी बुची बाबू टूर्नामेंट और दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर भारत की टेस्ट टीम में वापसी करना चाहते हैं. इस 33 वर्षीय बल्लेबाज ने भारत की टेस्ट प्लेइंग इलेवन में वापसी करने के लिए पूरी कोशिश करने की ठानी है और कहा है कि लाल गेंद का क्रिकेट हमेशा उनकी प्राथमिकता रही है.

सूर्यकुमार ने फरवरी 2023 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर टेस्ट से भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया था. वह केवल 8 (20) रन बना सके थे और चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए थे. अब सूर्यकुमार बुची बाबू टूर्नामेंट और दलीप ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के साथ सफेद जर्सी में वापसी करना चाहते हैं.

उन्होंने कहा, 'लाल गेंद का क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है. जब मैं मुंबई के मैदानों में बड़ा हुआ और बहुत सारे स्थानीय क्रिकेट खेले, तो मैंने लाल चेरी के साथ खेलना शुरू कर दिया. सबसे लंबे प्रारूप के लिए प्यार वहीं से शुरू हुआ और हमेशा रहा है. मैंने 10 साल से भी अधिक समय से कई प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया है और मैं अब भी इस प्रारूप में खेलने का लुत्फ उठाता हूं. इसके बारे में कोई सवाल ही नहीं है और इसलिए मैं दलीप ट्रॉफी से पहले बुची बाबू टूर्नामेंट खेलने आया हूं.

'मैं उस स्थान को फिर से अर्जित करना चाहता हूं'

उन्होंने कहा, 'ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने अपनी जगह बनाने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है और मैं भी यह स्थान फिर से हासिल करना चाहता हूं. मैंने भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया. उसके बाद मैं भी चोटिल हो गया. बहुत सारे लोग थे जिन्हें मौका मिला और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन भी किया. वे अभी इस मौके के हकदार हैं.'' इस साल अभी 10 टेस्ट मैच और खेले जाने हैं. इसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी शामिल है. सूर्यकुमार ने कहा, ''आगे अगर मुझे खेलना है तो भी मैं स्वचालित रूप से खेलूंगा. यह मेरे नियंत्रण में नहीं है. अभी मेरे दिमाग में बुच्ची बाबू टूर्नामेंट खेलना, दलीप ट्रॉफी खेलना और फिर देखना है कि क्या होता है, लेकिन हां मैं वास्तव में आगे के बारे में सोच रहा हूं.

सूर्यकुमार का टेस्ट में वापसी का लक्ष्य : इस 33 वर्षीय बल्लेबाज को उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे और उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट खेलने से उनके लिए दरवाजे खुल सकते हैं. उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा मुंबई के लिए खेलने का मौका तलाशता रहूंगा, भले ही यह प्रथम श्रेणी हो या बुची बाबू जैसा टूर्नामेंट. कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पहले भी इस प्रतियोगिता में खेल चुके हैं और आगे भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.'

एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलेंगी स्मृति मंधाना

एजेंसी।एडिलेड

भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आगामी सत्र में मौजूदा चैंपियन एडिलेड स्ट्राइकर्स की तरफ से खेलेंगी. यह भारतीय सलामी बल्लेबाज इससे पहले डब्ल्यूबीबीएल की तीन टीमों ब्रिस्बेन हीट, सिडनी थंडर और होबार्ट हरिकेंस के लिए खेल चुकी हैं. वह लीग के सत्र से पहले विदेशी खिलाड़ियों से अनुबंध करने के नियम के तहत रविवार को होने वाले ड्राफ्ट से पहले स्ट्राइकर्स में शामिल हो गईं. मंधाना हालांकि लीग के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएगी क्योंकि भारत को अक्टूबर के अंत में तीन वनडे मैचों के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करनी है. डब्ल्यूबीबीएल 27 अक्टूबर से शुरू हो रहा है. भारत को एक दिसंबर को होने वाले डब्ल्यूबीबीएल फाइनल के ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच भी खेलने हैं. स्ट्राइकर्स की कप्तान ताहलिया मैकग्रा ने क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा,''हम पिछले कुछ वर्षों से उसे टीम से जोड़ने का प्रयास कर रहे थे. उसकी बल्लेबाजी अविश्वसनीय है. वह शानदार बल्लेबाज है और थोड़े समय में ही मैच का पासा पलटने की क्षमता रखती है.'

ब्रीफ खबरें

भागलपुर में आधी रात आया भूकंप, हाहाकार

पटना । सोमवार आधी रात लगभग 12:50 बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये. भूकंप का केंद्र झारखंड के संथाल परगना जिले के रामगढ़ में था, जो कि भागलपुर से 200 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में आता है. इसलिए भूकंप के झटके अनुभव भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए गए, जिसका भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 मापी गई. हालांकि, भूकंप का असर बहुत ज्यादा नहीं था. किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं मिली. जिन्हें झटके महसूस हुए वो घरों से बाहर निकल गए.

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या, मामला दर्ज

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के परवलपुर थानाक्षेत्र अंतर्गत सोमवार की रात दहेज लोभियों ने एक विवाहिता को जहर देकर मार डाला. मंगलवार की सुबह मृत महिला के पिता ने घटनाक्रम की जानकारी परवलपुर थाना पुलिस को दिया. परवलपुर थाना पुलिस घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर जाकर घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल लाया गया. इस संबंध में दहेज हत्या का प्राथमिकी परवलपुर थाने में दर्ज की गयी हैं. मृतिका की पहचान एकंगरसराय गांव निवासी शेखोराम की 25 वर्षीय पुत्री मेनका कुमारी के रूप में की गयी है.

15.90 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

अररिया । जिले के बसमतिया थाना क्षेत्र में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त छापामारी में 15.90 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान नेपाल के सुनसरी जिला के झुमका के रहने वाले 41 वर्षीय सुनील राय पिता स्वर्गीय राज बहादुर राय और 34 वर्षीय तुलसीराम चौधरी पिता करण चौधरी के रूप में हुई है. पुलिस ने गिरफ्तार दोनों नेपाली नागरिकों से मादक पदार्थ और भारत से कनेक्शन को लेकर कड़ाई से पूछताछ की. तस्करों के द्वारा पुलिस और एसएसबी के अधिकारी को दिए जाने की बात कही जा रही है.

पटना के कांटी फैक्ट्री के नजदीक सोमवार की देर रात बड़ा हादसा

बेकाबू कार ने महिला-बच्चे समेत पांच को कुचल दिया

- पांचों घायल अस्पताल में भर्ती, घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर किया बवाल
- पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है

संवाददाता । पटना

चालक नशे में धुत होकर गाड़ी चला रहा था, सभी आरोपी फरार

पटना के कांटी फैक्ट्री के नजदीक सोमवार की देर रात तेज रफ्तार से आ रहे एक सफारी गाड़ी में महिला, बच्चे सहित पांच को कुचल दिया. घटना के बाद तेजी से भगाने के क्रम में गाड़ी एक रेलिंग पर जाकर फंस गई. गाड़ी में सवार सभी लोग मौके से फरार हो गए. घटना के बाद वहां उपस्थित लोगों ने जमकर हंगामा किया. सूचना मिलते ही चित्रगुप्त थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया. पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है. इस बीच पुलिस ने सफारी गाड़ी को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई और गाड़ी में सवार फरार सभी लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है. लोगों का आरोप है कि कार चालक नशे में धुत होकर गाड़ी चला रहा था. वह मतवाला हाथी के तरह पांच लोगों को रौंदते चला गया. पुलिस जल्द से जल्द ड्राइवर की तलाश करे और सख्त से सख्त सजा दिलाए. इस मामले को लेकर चित्रगुप्तनगर थाना के प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है. उन्होंने बताया कि गाड़ी को जब्त कर लिया गया है और गाड़ी में सवार सभी लोगों की तलाश की जा रही है.

जन्माष्टमी को लेकर सड़क पर काफी भीड़ थी : आसपास के लोगों ने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर कांटी फैक्ट्री के नजदीक पूजा को लेकर रात्रि के वक्त सड़क पर काफी भीड़ थी. इसी बीच कुम्हरार की तरफ से एक तेज रफ्तार सफारी गाड़ी आई और सड़क पर महिला बच्चे सहित पांच लोगों को कुचल दिया. इस हादसे से में सड़क पर उपस्थित नेहा देवी (30), शशि देवी (30), पांचो देवी (45), परिधि कुमारी (6 माह) और साहिल कुमार (7) घायल हो गए. सूचना मिलते ही चित्रगुप्त थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. इस बीच लोगों ने सड़क पर जमकर हंगामा किया. पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सफारी गाड़ी में तीन लोग सवार थे और सभी लोग काफी नशे में थे.

आहर में डूबने से बालक की मौत, मचा कोहराम

नवादा । नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के राधे बिगहा गांव के दो मुहानी आहर में मंगलवार को एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई. मृतक की पहचान राधे बिगहा निवासी मिथलेश राजवंशी के पुत्र मनीष कुमार के रूप में की गई है, जिसकी उम्र लगभग 12 वर्ष बतायी जा रही है. बताया गया है कि मृतक शौच के लिए बधार गया था. शौच के बाद आहर की पानी में गया, जहां पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया तथा डूबने से उसकी मौत हो गयी. पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

मवेशी को धोने गए पैईन में डूबने से अधेड़ की मौत

बिहारशरीफ । नूरसराय थानाक्षेत्र के वेलदारी पर गांव में मंगलवार की सुबह पैईन में डूबने से 50 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गयी. मृतक नूरसराय प्रखंड अंतर्गत वेलदारी पर गांव निवासी सुखु बिंद का पुत्र विशुन बिंद है. परिजन ने बताया कि मंगलवार की सुबह मवेशी को धोने के लिए पैईन की ओर गये थे. ज्यों ही पैईन में मवेशी धोने लगे वैसे ही संतुलन खो जाने से वह तालाब की गहरे पानी में चले गया और वह डूब गये. घटना को देख काम कर रहे मजदूरों ने इस आशय की सूचना उनके परिजनों को दी.

कृष्ण जन्माष्टमी देखने गए युवक की पीट-पीट कर हत्या

संवाददाता । समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बरहेता हाईस्कूल के पास कृष्ण जन्माष्टमी का मेला देखने निकले एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. युवक का शव मंगलवार सुबह हाईस्कूल की बाउंड्री वॉल के पास मिला. उसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक युवक की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के ही जनार्दनपुर गांव के संजय ठाकुर का पुत्र बिट्टू ठाकुर 21 साल के रूप में की गई है.

उधर, शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. बड़ी संख्या में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई. लोगों ने शव के साथ समस्तीपुर-दरभंगा सड़क को बरहेता चौक के पास बांस बल्ला लगाकर जाम कर दिया. जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है. उधर, घटना की सूचना पर कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है. हालांकि, मौके पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा.

बताया गया है कि संजय ठाकुर का पुत्र बिट्टू शाम में कृष्ण जन्माष्टमी का मेला देखने के लिए घर से निकला था. रात करीब नौ बजे के बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया, जिसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दिए. लेकिन रात में उसका कुछ पता नहीं चला. सुबह करीब आठ बजे लोगों ने बरहेता हाईस्कूल के बाउंड्री वॉल के पास सड़क किनारे बिट्टू का शव देखा, उसके शरीर पर कई जगहों पर जख्म का निशान है. माना जा रहा है कि उसकी बेरहमी से पिटाई की गई है, जिसके कारण उसकी मौत हुई है.

सीतामढ़ी में मेला देखने गए युवक को मार डाला

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में युवक की हत्या कर दी गई. परिजनों का आरोप है कि जिस लड़की से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, उन्हीं लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया है. घटना जिले के बथनाहा थाना क्षेत्र के कमलदह गांव की है. मृत युवक की पहचान बथनाहा थाना क्षेत्र के कमलदह वार्ड एक निवासी वीरेंद्र साह के 19 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार के रूप में की गई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई.

मेडिकल जांच के लिए गए दो कैदी फरार

मोतिहारी । पूर्वी चंपारण के ढाका में फिर पुलिस की लापरवाही सामने आई है. यहां जेल भेजे जाने से पहले मेडिकल जांच के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भेजे गए चार अभियुक्तों में दो अभियुक्त पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए. इसमें पुलिस ने एक को खदेड़ कर पकड़ लिया, लेकिन एक अभी भी पकड़ में नहीं आया. पुलिस इसको फिर से गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है. मंगलवार को चिरैया थाना से मेडिकल जांच के लिए ढाका अनुमंडलीय अस्पताल में चार कैदी लाए गए थे. इसमें मध निषेध के दो कैदी को लेकर दो पुलिसकर्मी गेट के सामने कुर्सी पर बैठ गए. एक कैदी चिरैया थाना क्षेत्र के गोखुला निवासी मनोज कुमार है, जिसको दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया है. वहीं, दिपही गांव निवासी कन्हाई राय का पुत्र श्याम सुन्दर कुमार भागने में सफल रहा.

राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए उपेंद्र-मनन मिश्र

पटना । बिहार की खाली पड़ी दो राज्यसभा सीटों पर राजग उम्मीदवार उपेंद्र मिश्र और मनन मिश्र निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के उपरांत राष्ट्रीय लोक जनता पार्टी (रालोजपा) के उपेन्द्र कुशवाहा एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मनन मिश्र ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मंगलवार को शिष्टाचार मुलाकात की. मुख्यमंत्री ने दोनों नवनिर्वाचित सांसदों को जीत की शुभकामनाएं दीं.

पटना में चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर के आवास पर हुई छापेमारी

संवाददाता । पटना

घूसखोरी के मामले में आयकर विभाग की टीम ने अपने ही वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ एक्शन लिया है. आयकर की टीम ने पटना में चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर के पटना स्थित आवास पर छापेमारी की है. सीबीआई की टीम ने एक दिन पहले ही धनबाद में पोस्टेड मुख्य आयकर आयुक्त संतोष कुमार को 10 लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था. इनकम टैक्स की राशि में फर्जीवाड़ा और टैक्स चोरी को मैनेज करने के एवज में चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर किसी शख्स से 10 लाख रुपये घूस ले रहे थे, तभी सीबीआई की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था जबकि उनके एक करीबी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है.

मूर्ति विसर्जन के दौरान एक छात्रा डूबी, बचाने गई तीन सहेलियों ने लगाई छलांग, हालत गंभीर

संवाददाता । नालंदा

नालंदा के नूरसराय थाना इलाके के जगदीशपुर तियारी गांव में मंगलवार की सुबह एक बड़ी घटना घटी है. बीती रात सोमवार को जन्माष्टमी के मौके छात्राओं ने पूजा पाठ की और मंगलवार की सुबह गांव की ही नदी में चार छात्राएं भगवान कृष्ण की मूर्ति विसर्जन करने के लिए गई थीं, जहां एक छात्रा की डूबने से मौत हो गई. वहीं उसको बचाने के लिए पानी में कूदी तीन अन्य छात्राओं की हालत गंभीर है. इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है. बताया जाता है कि विसर्जन के दौरान एक छात्रा खुशबू कुमारी का पैर फिसल गया था, जिससे वह पानी में डूबने लगी उसे बचाने के लिए तीन अन्य सहेलियों ने शोर मचाया और फिर खुद पानी में कूद गई, उसी दौरान कुछ गांव के युवक की नजर पड़ी तो युवकों ने नदी से तीन लड़कियों को निकाल लिया, मगर एक सहेली की मौत हो गई.

पानी से निकली तीन लड़कियों की हालत अभी गंभीर बनी हुई है, जिनका इलाज चल रहा है, मृतका छात्रा की पहचान सुनील बिंद के 12 वर्षीय पुत्री खुशबू कुमारी के रूप में हुई है, फिलहाल शव को बरामद करने के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शौच करने के लिए खेत की ओर गए हुए थे. इसी दौरान गांव के ही चार छात्रा एक साथ जन्माष्टमी के मौके पर कृष्ण जी की मूर्ति को विसर्जन करने के लिए तालाब में गई हुई थी, एक सहेली को बचाने के लिए शोर मचाकर तीन सहेली छलांग लगा दी थी, सभी एक दूसरे को बचाने के चक्कर में डूब रहीं थीं, उसने अकेले ही तीन छात्राओं को बचा लिया. मगर एक डूब गई थी. जख्मी छात्राएं रविता कुमारी, जूली कुमारी और रीता कुमारी हैं. अगर ये सहेलियां शोर मचाकर पानी में छलांग नहीं लगाती तो एक बड़ी घटना होती क्योंकि पानी ज्यादा था और इन लोगों को तैरना नहीं आता था. वहीं नूरसराय थाना प्रभारी रजनीश कुमार ने बताया कि कृष्ण जी का मूर्ति को विसर्जन करने के लिए छात्राएं गई थीं, उसी दौरान पैर फिसल जाने के दौरान एक छात्रा पानी में डूबने लगी थी, इसी को बचाने के लिए तीन अन्य सहेलियों ने भी छलांग लगा दी थी. वहां मौजूद एक युवक ने तीन को बचा लिया.

कारोबार

गाला प्रिसिजन का आईपीओ दो को खुलेगा

नयी दिल्ली । गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 503-529 रुपये प्रति शेयर तय किया है. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कंपनी ने कहा कि 168 करोड़ रुपये का आईपीओ दो सितंबर को खुलेगा और चार सितंबर को बंद होगा. आईपीओ के तहत 135.34 करोड़ रुपये मूल्य के 25.58 लाख नए इक्विटी शेयरों की बिक्री की जा रही है. इसके अलावा इसमें 32.58 करोड़ मूल्य के 6.16 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है.

पेटीएम ने श्रीनिवासन को निदेशक बनाया

नयी दिल्ली । वन97 कम्युनिकेशंस ने मंगलवार को बताया कि उसने एन वी श्रीनिवासन को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम मनी का गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है. शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है. श्रीनिवासन भारतीय रिजर्व बैंक की एक तकनीकी सलाहकार समिति की अध्यक्षता कर चुके हैं. वह विदेशी मुद्रा विनिमय डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफईडीएआई) की प्रबंधन समिति के सदस्य भी थे.

एलन ग्रुप ने 500 करोड़ रुपये का ठेका दिया

नयी दिल्ली । रियल्टी फर्म एलन ग्रुप ने गुरुग्राम में अपने शॉपिंग मॉल के निर्माण के लिए लीटन एशिया को 500 करोड़ रुपये का ठेका दिया है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने ऑस्ट्रेलियाई सीआईएमआईसी समूह की निर्माण कंपनी लीटन एशिया को अपनी नयी पेशकश एलन ईपीरियल के लिए 500 करोड़ रुपये से अधिक का निर्माण ठेका दिया है. गुरुग्राम के सेक्टर 82 में स्थित इस मिश्रित उपयोग वाली परियोजना में एक लक्जरी रिटेल मॉल, एक पांच सितारा होटल और ब्रांडेड आवास शामिल हैं. चेयरमैन राकेश कपूर ने कहा कि कंपनी ने इससे पहले पिछले साल अगस्त में लीटन को 1,000 करोड़ रुपये का ठेका दिया था.

भारत में वित्त वर्ष मार्च तक छह लाख नौकरियां पैदा करेगी एप्पल

- फॉक्सकॉन, विस्ट्रोन और पेगाट्रॉन ने लगभग 80,872 जॉब पैदा किए हैं. विस्ट्रोन अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बन चुकी है

एजेंसी । नयी दिल्ली

फाइल फोटो

दुनिया की दिग्गज कंपनी एप्पल इंक इस साल भारत में लगभग 6 लाख नौकरियां पैदा करने वाली है. यह नौकरियां एप्पल के साथ ही उसके लिए काम कर रही कंपनियों के जरिए पैदा होंगी. इनमें से लगभग 2 लाख लोगों को सीधा एप्पल के लिए काम करने का मौका मिलेगा. नई जॉब में महिलाओं की संख्या लगभग 70 फीसदी रहने वाली है. नौकरियों के यह अवसर इसी वित्त वर्ष में मार्च तक पैदा किए जाएंगे.

इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल जल्दी से जल्दी चीन में मैन्युफैक्चरिंग पर निर्भरता कम करना चाहती है. उसने अपना नया गढ़ भारत को बना लिया है. कंपनी ज्यादा से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग भारत में करना चाहती है. इसके चलते देश में नौकरियों की बहार आने वाली है. एप्पल और उससे जुड़ी कंपनियों द्वारा सरकार को दिए गए डेटा और अनुमानों के आधार पर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलकर लगभग 6 लाख जॉब पैदा होंगी.

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि फॉक्सकॉन, विस्ट्रोन और पेगाट्रॉन ने लगभग 80,872 जॉब पैदा किए हैं. विस्ट्रोन अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बन चुकी है. इसके अलावा एप्पल को सप्लाई करने वाली टाटा ग्रुप, सेलकॉम्प, मदरसन, फॉक्सलिंक, सनवोडा, एटीएल और जबील ने भी 84 हजार से ज्यादा नौकरियां पैदा की हैं.

सबसे ज्यादा जॉब देने वाली सूची में हुई शामिल

पिछले कुछ समय में एप्पल देश में सबसे ज्यादा ब्लू कॉलर जॉब पैदा करने वाली कंपनियों में शामिल हो चुकी है. एप्पल के लिए काम करने वालों में युवाओं के साथ-साथ महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि साल 2020 में आई स्मार्टफोन प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के बाद से एप्पल के वेंडर लगभग 165,000 नौकरियां पैदा कर चुके हैं. सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में 1 डायरेक्ट जॉब की वजह से 3 इनडायरेक्ट जॉब पैदा होते हैं.

नये संयंत्र के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा : चेयरमैन

एजेंसी । नयी दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया को 10 लाख इकाई की वार्षिक क्षमता वाले नए संयंत्र की स्थापना के लिए स्थान को अंतिम रूप देने में थोड़ी देरी का सामना करना पड़ रहा है. कंपनी के चेयरमैन आर सी भार्गव ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि हरियाणा के खरखौदा में आगामी संयंत्र 2025-26 तक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार है. कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भार्गव ने मारुति सुजुकी के इस भरोसे को भी दोहराया कि भारत की आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों में कम लागत वाली और छोटी कारें जरूरी हैं. उन्होंने कहा कि इस तरह की कारों की मांग में एक अस्थायी झटके से कंपनी की रणनीति नहीं बदलेगी. उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दो वर्षों में छोटी कारों की मांग फिर से बढ़ जाएगी. भार्गव ने कहा, उत्पादन विस्तार का हमारा कार्यक्रम तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है. खरखौदा संयंत्र में विनिर्मित कारों से वित्त वर्ष 2025-26 में हमारी बिक्री में इजाफा होगा. दस लाख इकाई वाले संयंत्र के लिए स्थान को अंतिम रूप देने में थोड़ी देरी हुई है. हम इस मामले में जल्द निर्णय लेने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं. इस साल जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने कहा था कि कंपनी की भारतीय शाखा मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) गुजरात में अपना दूसरा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 35,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसकी स्थापित उत्पादन क्षमता 10 लाख इकाई प्रति वर्ष होगी.

नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट ने मसौदा पत्र दाखिल किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

गवार कंस्ट्रक्शन लिमिटेड द्वारा प्रायोजित नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट ने मंगलवार को 1,600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा पत्र दाखिल किया. मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ में 1,200 करोड़ रुपये तक का ताजा निर्गम और बाकी 400 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है. यह निर्गम बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिये लाया जाएगा, जिसमें रणनीतिक निवेशक हिस्से को छोड़कर बाकी हिस्से का 75 प्रतिशत संस्थागत निवेशकों के लिए और 25 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए उपलब्ध होगा. राष्ट्रीय अवसंरचना ट्रस्ट की स्थापना सितंबर 2023 में की गई थी और इसे मार्च 2024 में सेबी के साथ पंजीकृत किया गया.

जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को मिली परियोजना

एजेंसी । नयी दिल्ली

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उसकी शाखा जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) से पवन-सौर मिश्रित बिजली परियोजना के लिए निर्णय पत्र (एलओए) मिला है. जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने एक बयान में कहा कि 200 मेगावाट की पवन-सौर मिश्रित बिजली परियोजना जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में दी गई है. बयान में कहा गया कि इस एलओए के चलते कंपनी की कुल लॉक-इन उत्पादन क्षमता बढ़कर 17.2 गीगावॉट हो गई है, जिसमें 2.9 गीगावॉट की कुल लॉक-इन मिश्रित क्षमता (एफडीआरई सहित) शामिल है. कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 तक उसकी स्थापित उत्पादन क्षमता 10 गीगावाट हो जाएगी, जो वर्तमान में 7.5 गीगावाट है.

शेयर बाजार

फ्लैट कारोबार के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए

निवेशकों ने कमाए 82 हजार करोड़ रुपये

- सेंसेक्स 117.12 अंक की तेजी के साथ 81,815.23 अंक के स्तर पर खुला

एजेंसी । नई दिल्ली

सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए. मंगलवार के कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार लुढ़क कर लाल निशान पर पहुंच गया लेकिन खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर शेयर बाजार की चाल तेज हुई. निफ्टी मंगलवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल के काफी करीब पहुंचने के बाद गिरावट का शिकार हो गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ बंद हुए.

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान टेलीकॉम, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही. इसी तरह केमिकल, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे. दूसरी ओर एनर्जी, एफएमसीजी, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा. ब्रॉडर मार्केट में भी खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह

स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार के कारोबार का अंत किया.

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 117.12 अंक की तेजी के साथ 81,815.23 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 96.60 अंक की कमजोरी के साथ 81,600.51 अंक के स्तर पर पहुंच गया. हालांकि, इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 13.65 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,711.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 14.20 अंक की मामूली मजबूती के साथ 25,024.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक भी 36.95 अंक की गिरावट के साथ दिन के सबसे निचले स्तर 24,973.65 अंक तक लुढ़क गया. हालांकि, इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई. लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी 62.50 अंक की तेजी के साथ उछल कर ऑल टाइम हाई लेवल के काफी करीब 25,073.10 अंक तक पहुंच गया. इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में दोबारा गिरावट आ गई.

मंगलवार को पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.38 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.13 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 2.07 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.95 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 1.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए.

एयरटेल अपने ग्राहकों के लिए नये फीचर की पेशकश करेगी

एजेंसी । नयी दिल्ली

एयरटेल के ग्राहक इस साल के अंत में वीडियो स्ट्रीमिंग मंच एक्सस्ट्रीम और विंक म्यूजिक ऐप के जरिए एप्पल टीवी प्लस और एप्पल म्यूजिक कंटेंट का आनंद ले सकेंगे. दूरसंचार कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि एयरटेल और एप्पल ने इस संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. इस साझेदारी के तहत, एयरटेल एक्सस्ट्रीम के ग्राहक एप्पल टीवी प्लस पर हॉलीवुड और पुरस्कार विजेता सामग्री का आनंद ले सकेंगे. यह सुविधा प्रीमियम एयरटेल वाईफाई और पोस्टपेड प्लान के साथ मिलेगी. इसी तरह, विंक प्रीमियम के उपयोगकर्ताओं को एप्पल म्यूजिक का लाभ मिलेगा. मुख्य विपणन अधिकारी ने कहा, एप्पल और एयरटेल स्वाभाविक भागीदार हैं, जो ग्राहक अनुभव में उत्कृष्टता लाने का प्रयास करते हैं.

न्यूज अपडेट

दीवार गिरने से दो लोगों की मौत

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में दीवार गिरने से उसमें दबकर 55 वर्षीय एक महिला और उसकी पोतियों की मौत हो गई. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना जयनगर थाना क्षेत्र के करतमा गांव में सोमवार शाम की है और मृतकों की पहचान धनमतिया दास (55) और उनकी पोती बिजली (तीन) और सुहानी (दो) के रूप में हुई है. घटना के वक्त बच्चियां, अपनी दादी के साथ घर पर थीं, जबकि माता-पिता मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे.

ट्रैक्टर से कुचलकर दो को मार डाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में जमीन बंटवारे को लेकर पिता और भाई ने ट्रैक्टर से कुचलकर दो भाइयों को मार डाला तथा एक भाई समेत परिवार के दो सदस्यों को घायल कर दिया. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और चार अन्य फरार हैं. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच की जा रही है.

प्रख्यात फिल्मकार मोहन का निधन

कोच्चि। मलयालम में कई ऐतिहासिक फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले प्रख्यात फिल्मकार और पटकथा लेखक मोहन का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. मोहन का कुछ समय से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर इलाज चल रहा था. वह 76 वर्ष के थे. मोहन को मलयालम सिनेमा के 1980 के दशक के स्वर्ण काल के दौरान जाने-माने फिल्मकारों में से एक माना जाता था.

राउत ने सीएम शिंदे से मांगा इस्तीफा

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) के नेता संजय राउत ने सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले को लेकर मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की और प्रतिमा के निर्माण में घोटाले का आरोप लगाया. उन्होंने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और मुगलों ने भी शिवाजी महाराज का इस तरह अपमान नहीं किया था. प्रतिमा सोमवार को अपराह्न करीब एक बजे गिर गई थी.

बारिश संबंधी घटनाओं ने ली 7 की जान

अहमदाबाद। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि गुजरात में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भारी बारिश का दौर जारी रहा, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और निचले इलाकों में बाढ़ आ गई. उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के कारण बांधों और नदियों का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर छह हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है.

आतंकी हमले में 100 लोगों की मौत

अबुजा। मध्य बुर्किना फासो के एक गांव में अल-कायदा से जुड़े आतंकवादियों द्वारा सप्ताहांत में किए गए हमले में कम से कम 100 ग्रामीणों और सैनिकों की मौत हो गई. एक विशेषज्ञ ने यह जानकारी दी. इस हमले को संघर्षग्रस्त बुर्किना फासो में इस वर्ष हुए सबसे घातक हमलों में से एक बताया जा रहा है. अल-कायदा ने रविवार को एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली. उसने रणनीतिक लिहाज से अहम काया शहर के बार्सालोघो में 'एक सैन्य चौकी पर पूर्ण नियंत्रण' हासिल करने का दावा किया.

चीनी रैपर का संगीत कार्यक्रम रद्द

ताइपे। ताइवान ने चीन के मशहूर रैपर वांग यिताई के ताइपे में प्रस्तावित संगीत कार्यक्रम को रद्द कर दिया है. उसने वांग द्वारा कार्यक्रम की प्रचार सामग्री में आपत्तिजनक शब्द "ताइपे, चीन" का इस्तेमाल किए जाने के मद्देनजर यह कदम उठाया है. ताइवान सरकार की मुख्यभूमि मामलों की परिषद ने रविवार देर रात घोषणा की कि वांग यिताई के 14 सितंबर को ताइपे में प्रस्तावित संगीत कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है और चेंगदू के इस रैपर के द्वीप में प्रवेश करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है.

हवाई अड्डे पर इंटरनेट सेवाएं बाधित

सिएटल। साइबर हमले के कारण अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंटरनेट, फोन, ईमेल और अन्य संचार सेवाएं सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी बाधित रहीं. हवाई अड्डे के अधिकारी हमले की जांच और सेवाएं बहाल करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं. हवाई अड्डे के उड्डयन प्रबंध निदेशक लांस लिटल ने रविवार को पत्रकार वार्ता में कहा, 'हम आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और यात्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं.'

चीन ने मनीला के जहाज को रोका

मनीला। चीन ने 40 जहाजों के 'अत्यधिक बल' प्रयोग से फिलीपीन के दो जहाजों को दक्षिण चीन सागर में एक विवादित द्वीप पर मनीला के सबसे बड़े तटरक्षक जहाज को खाद्य एवं अन्य सामान की आपूर्ति करने से रोक दिया. फिलीपीनी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय विवाद का यह ताजा मामला है. चीन और फिलीपीन ने 'सबीना शोल' में सोमवार को टकराव के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है.

तेंदुओं की संख्या अधिक होने और शिकार योग्य पशुओं की कमी से जूझ रहा कूनो राष्ट्रीय उद्यान, समिति सदस्यों ने जताई चिंता

शिकार की चुनौतियों के कारण गांधी सागर अभयारण्य चीतों के लिए नहीं तैयार

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत में विदेश से लाए चीतों का पहला घर बना मध्य प्रदेश का कूनो राष्ट्रीय उद्यान तेंदुओं की संख्या अधिक होने और शिकार योग्य पशुओं की कमी से जूझ रहा है और इन्हीं दोनों चुनौतियों ने गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में तैयारियों में विलंब कर दिया है जो चीतों का दूसरा घर होगा.

केंद्र की 'चीता परियोजना संचालन समिति' (चीता प्रोजेक्ट स्टीरिंग कमेटी) की बैठकों के विवरण से पता चलता है कि सितंबर 2022 में भारत में चीतों की आबादी बढ़ाने की महत्वाकांक्षी पहल के सामने शिकार में वृद्धि और तेंदुओं का प्रबंधन प्रमुख चुनौतियां हैं. शिकार कम होना उन वजहों में से एक है जिसके चलते सेप्टिसीमिया के कारण तीन चीतों की मौत के बाद बाकी के चीतों को पिछले साल अगस्त में जंगल से लाए जाने के बाद कूनो में बाड़ों में अधिक वक्त गुजारना पड़ा. अंतरिम समाधान के तौर पर प्राधिकारी कूनो और गांधी सागर दोनों में शिकार की संख्या बढ़ा रहे हैं. दोनों इलाकों में तेंदुओं की अधिक तादाद के कारण भी तेंदुआ स्थानांतरण अभियान शुरू करना पड़ा है.

विशेषज्ञों के अनुसार, तेंदुए और शेर जैसे शिकारियों की उपस्थिति चीतों के लिए खतरा पैदा करती है. बहरहाल, समिति के सदस्यों ने बार-बार 'मूल स्थान पर शिकार बढ़ाने' की महत्ता पर जोर देते हुए कहा है कि 'स्थानांतरण के जरिए सक्रिय शिकार वृद्धि अनिश्चितकाल तक नहीं हो सकती है.'

368 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है गांधी सागर अभयारण्य

मंदसौर के प्रभागीय वन अधिकारी संजय रैखेरे ने 18 जून को एक बैठक में कहा था कि गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के नए जत्थे के लिए तैयार किए जा रहे 64 वर्ग किलोमीटर के बाड़े में 24 तेंदुए थे. सूत्रों के अनुसार, अभी तक वहां से 15 तेंदुओं को स्थानांतरित किया गया है. सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गांधी सागर अभयारण्य तेंदुओं की संख्या और शिकार की चुनौतियों के कारण चीतों के लिए '100 फीसदी तैयार नहीं' है.

मुख्य रूप से खुले आवास में शिकार करते हैं चीते

इस परियोजना का दीर्घकालीन उद्देश्य कूनो-गांधी सागर में 60-70 चीतों की आबादी है. चीते मुख्य रूप से खुले आवास में शिकार करते हैं. इसके विपरीत, तेंदुए विभिन्न प्रकार के आवास में शिकार करने के अनुकूल होते हैं और उनका आहार कई तरह का होता है. नतीजतन, चीते ऐसे आवास और समय चुनकर तेंदुओं से सीधे टकराव से बचते हैं जब तेंदुए कम सक्रिय होते हैं. रिकॉर्ड से पता चलता है कि समिति के सदस्यों ने हर बैठक में शिकार व तेंदुआ संबंधी चुनौतियों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं.

नबन्ना अभियान के तहत राज्य सचिवालय की ओर मार्च कर रहे थे प्रदर्शकारी

हावड़ा मैदान में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प

- प्रदर्शनकारियों ने पत्थर व ईंटें फेंकी अवरोधकों को गिराने का किया प्रयास
- सुरक्षा बलों ने किया लाठीचार्ज, पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल

एजेंसी। कोलकाता

हावड़ा मैदान इलाके में जीटी रोड पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच मंगलवार को दोपहर में उस समय फिर से झड़प हुईं, जब प्रदर्शनकारियों ने अपने 'नबन्ना अभियान'' के तहत राज्य सचिवालय की ओर मार्च करने की कोशिश की. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल किया. प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर पत्थर और ईंटें फेंकी और राज्य सचिवालय की ओर जाने वाले रास्ते को रोकने के लिए लगाए गए अवरोधकों को गिराने का प्रयास किया. झड़प में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया जिन्होंने खुद को हावड़ा पुलिस आयुक्तालय के चंडीतला थाने का प्रभारी बताया.

हेस्टिंग्स और एमजी रोड इलाके में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली, जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके. पुलिस इन लोगों को खदेड़ते हुए नजर आई. एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा, 'हमें पुलिस ने क्यों पीटा? हमने कोई कानून नहीं तोड़ा. हम मृतक डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करने के लिए शांतिपूर्ण रैली कर रहे हैं. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए.' इस 'नबन्ना अभियान' में मुख्य रूप से युवा शामिल हैं जो आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की एक चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. वे इस मांग को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के सचिवालय 'नबन्ना' पहुंचने का प्रयास कर रहे थे.

सुरक्षा बलों पर हमला, कई अधिकारी हुए घायल : पुलिस ने कहा कि जब कुछ जगहों पर आंदोलनकारियों ने अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया और सुरक्षा कर्मियों पर हमला किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े. इससे पहले दिन में, पुलिस ने हावड़ा ब्रिज के कोलकाता छोर पर और कोना एक्सप्रेसवे पर संतरागाछी रेलवे स्टेशन के पास प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल किया. प्रदर्शनकारियों ने नबन्ना तक पहुंचने के लिए पुलिस के अवरोधक पार करने की कोशिश की. संतरागाछी में, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंटें फेंकी, जिसमें कई अधिकारी घायल हो गए.

पुलिस ने लिया 'बर्बर कार्रवाई' का सहारा : भाजपा

प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई में कई छात्र भी घायल हुए हैं. समस्या तब बढ़ गई जब छात्र संगठन 'पश्चिम बंग छात्र समाज' और राज्य सरकार के असंतुष्ट कर्मचारियों के संगठन 'संग्रामी जौथा मंच' ने कोलकाता के अलग-अलग स्थानों से अपना मार्च शुरू किया. इस बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कोलकाता और हावड़ा में 'नबन्ना अभियान' रैली में शांतिपूर्ण तरीके से भाग लेने वालों पर 'बर्बर कार्रवाई' का सहारा लिया है. उन्होंने यह भी कहा कि अगर राज्य सरकार द्वारा 'बर्बरता' नहीं रोकी गई तो पश्चिम बंगाल को 'ठप' कर दिया जाएगा.

रूस-यूक्रेन युद्ध : मोदी ने बाइडन के बाद अब पुतिन से की बात

एजेंसियां। मॉस्को/वाशिंगटन

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की. दोनों नेताओं ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बारे में बात की है. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "आज राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत हुई. हमने रूस के साथ विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी को मज़बूत करने के उपायों पर चर्चा की." "हम दोनों ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपने नज़रियों का आदान-प्रदान किया और यूक्रेन यात्रा के बाद अपनी अंतर्दृष्टि पर चर्चा की. हमने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि भारत इस संघर्ष को खत्म करने के लिए जल्द, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.'

पीएम मोदी ने इससे पहले सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से भी फोन पर बात की थी. नरेंद्र मोदी ने इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति से उनकी कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात हुई. इनमें यूक्रेन के मौजूदा हालात भी शामिल थे. उन्होंने कहा, "मैंने उनसे एक बार फिर कहा कि भारत यूक्रेन में जल्द से जल्द शांति और स्थिरता बहाली का पूरा समर्थन करता है.''उन्होंने कहा था, 'मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति से बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा की थी और वहां जल्द से जल्द सामान्य हालात की बहाली पर ज़ोर दिया था. मैंने कहा था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं की सुरक्षा की सुनिश्चित की जानी चाहिए.'

बाइडन ने यूक्रेन के प्रति समर्थन के लिए मोदी की तारीफ की : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और यूक्रेन के लिए "शांति के संदेश एवं मानवीय समर्थन" के वास्ते उनकी सराहना की. मोदी की 23 अगस्त की कीव यात्रा को कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि बाइडन प्रशासन ने पिछले महीने उनकी रूस यात्रा की आलोचना की थी और कई पश्चिमी देशों ने इस पर नाराजगी जताई थी. 'एक्स' पर एक पोस्ट में बाइडन ने कहा, "हमने हिंद-प्रशांत में शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की." मोदी की रूस, पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा तथा बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी.

रूस के नए हमले के बाद जेलेंस्की बोले

सही ढंग से जवाब देंगे

यूक्रेन पर रूस के ताज़ा हमलों में चार लोगों के मारे जाने के बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा कि उनका देश इसका सही ढंग से जवाब देगा. ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूस ने कल से यूक्रेन के नागरिकों और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 90 हवाई हमले किए हैं. इन हमलों में कम से कम 81 ड्रोन, क्रूज़, बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं. वहीं यूक्रेन रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने दावा किया है कि उसके पास सहयोगी देशों से अनुमति लिए बगैर रूस के अंदरुनी इलाकों तक मार करने में सक्षम लंबी दूरी का एक नया हथियार है. मिसाइल और ड्रोन के संयोजन वाला यह स्वदेश निर्मित हथियार रूसी बमबारी का 'जवाब' देगा.

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने समुद्रों के बढ़ते जलस्तर को बताया 'विश्वव्यापी आपदा'

- गुतारेस ने समोआ और टोंगा का दौरा किया बोले-यह पूरी तरह से मानव निर्मित संकट

एजेंसी। नुकु अलोफा (टोंगा)

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने दुनिया को एक और जलवायु चेतावनी (एसओएस) जारी की है, जिसमें उन्होंने समुद्रों में तेजी से बढ़ रहे जलस्तर, खासकर प्रशांत क्षेत्र के अधिक असुरक्षित द्वीपीय देशों का उल्लेख किया है. उन्होंने कहा है 'हमारे समुद्रों को बचाओ.' संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने सोमवार को समुद्र के बढ़ते जलस्तर पर रिपोर्ट जारी की. पृथ्वी का तापमान बढ़ने और ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र पर बढ़ते महासागरों, समुद्री अम्लीकरण और समुद्र की गर्म लहरों तथा अन्य जलवायु परिवर्तन प्रभावों पर भी प्रकाश डाला.

गुतारेस ने समोआ और टोंगा का दौरा किया और मंगलवार को टोंगा की राजधानी से प्रशांत द्वीप समूह फोरम की बैठक में जलवायु परिवर्तन से संबंधित अपील की. फोरम के सदस्य देश जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हैं. उन्होंने कहा, 'यह एक अजीब स्थिति है.' 'समुद्र का बढ़ता जलस्तर पूरी तरह से मानव निर्मित संकट है. यह संकट जल्द ही अप्रत्याशित पैमाने पर पहुंच जाएगा, जब हमें सुरक्षित वापस ले जाने के लिए कुछ नहीं बचेगा.' गुतारेस के कार्यालय से तैयार की गई रिपोर्ट में पाया गया कि टोंगा की राजधानी नुकु अलोफा के पास वर्ष 1990 से 2020 के बीच समुद्र का जलस्तर 21 सेंटीमीटर बढ़ा है, जो वैश्विक औसत 10 सेंटीमीटर से लगभग दोगुना है. समोआ के अपिया में समुद्र का जलस्तर 31 सेंटीमीटर बढ़ा है, जबकि फिजी के सुवा-बी में 29 सेंटीमीटर बढ़ा है.

बाइडन प्रशासन ने पोस्ट को सेंसर करने का दबाव बनाया था : ज़करबर्ग

वॉशिंगटन। मेटा के मालिक मार्क ज़करबर्ग ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने कोविड से संबंधित पोस्ट को सेंसर (हटाने) करने का दबाव बनाया था. मेटा पेरेंट कंपनी है और फ़ेसबुक, वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम इनके हिस्सा हैं. मार्क ज़करबर्ग ने अमेरिकी सदन की न्यायिक समिति को एक पत्र लिखा है. उन्होंने कहा, "2021 में व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने महीनों तक बार-बार हम पर कोविड-19 संबंधित कॉन्टेंट को सेंसर करने का दबाव डाला. इसमें कटाक्ष और व्यंग्य से संबंधित कॉन्टेंट भी शामिल थे. जब हम इससे सहमत नहीं हुए तो हमारी टीमों के प्रति निराशा व्यक्त की गई." उन्होंने कहा कि ये हमारा फ़ैसला था कि कॉन्टेंट को हटाना है या नहीं. अपने फ़ैसलों के लिए हम ही ज़िम्मेदार हैं.

ज. हेमा कमिटी की रिपोर्ट के बाद मोहनलाल ने एएमएमए के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी। कोच्चि

मलयालम फ़िल्म जगत में यौन उत्पीड़न के बारे में आई जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट के बाद मशहूर अभिनेता मोहनलाल ने एसोसिएशन ऑफ़ मलयालम मूवी आर्टिस्ट (एएमएमए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दे दिया है. उसके बाद संस्था के सारे पदाधिकारियों ने त्यागपत्र दे दिया है. इन इस्तीफ़ों के बाद एसोसिएशन को ही भंग कर दिया गया है. एसोसिएशन की तरफ़ से कहा गया है कि संस्था कुछ एक्टरों द्वारा लगाए गए आरोपों की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए खुद को भंग करती है.

यौन उत्पीड़न पर रिपोर्ट : मलयालम फ़िल्म इंडस्ट्री पर जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट के बाद इंडस्ट्री लोगों को बड़े स्तर यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है. इस रिपोर्ट ने स्थानीय फ़िल्म उद्योग को हिलाकर रख दिया है. इसकी वजह है- अभिनेत्रियों के यौन उत्पीड़न के मामलों का सार्वजनिक होना, शिकायतों का पुलिंदा और हेमा कमिटी की रिपोर्ट. इन अभिनेत्रियों में से कुछ को अपना करियर तक छोड़ने को मजबूर होना पड़ा. महिला कलाकारों ने जाने-माने अभिनेताओं-निर्देशकों के बारे में कहा है कि वे उनका यौन शोषण कर रहे थे, उनसे हेमा कमिटी की रिपोर्ट में कही बातों की पुष्टि भी होती है. इस रिपोर्ट को जब जारी किया गया तो उन हिस्सों को हटा दिया गया था, जिनमें उत्पीड़न करने वालों और पीड़ितों के नाम थे.

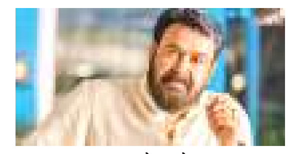

'बांग्ला फिल्म उद्योग में भी होता है यौन उत्पीड़न'

कोलकाता। मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के यौन उत्पीड़न को लेकर गंभीर खुलासे करने वाली न्यायमूति हेमा समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बांग्ला अभिनेत्री ऋताभरी चक्रवती ने आरोप लगाया कि ऐसी कई रिपोर्ट यहां उनके अनुभवों से मेल खाती हैं. चक्रवर्ती ने फेसबुक पर अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को टैग करते हुए उनसे केरल की तर्ज पर ऐसी ही जांच करवाने का अनुरोध किया. कहा, 'मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न का पर्दाफाश करने वालीरिपोर्ट ने मेरे मन में यह विचार पैदा किया है कि बांग्ला फिल्म उद्योग ऐसे ही कदम क्यों नहीं उठा रहा है?

अध्ययन यह न केवल टेलीग्राम के लिए बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय बड़ी तकनीकी कंपनियों की भी बदल सकती है दिशा

टेलीग्राम के संस्थापक की गिरफ्तारी के होंगे दूरगामी वैश्विक प्रभाव

सिडनी। द कन्वरसेशन

जब पावेल ड्यूरोव पिछले शनिवार को अपने निजी जेट से फ्रांस पहुंचे, तो पुलिस ने उनका स्वागत किया और तुरंत उन्हें गिरफ्तार कर लिया. डायरेक्ट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के संस्थापक के रूप में, उन पर इस पर होने वाले व्यापक अपराधों को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया गया था. अगले दिन, एक फ्रांसीसी न्यायाधीश ने ड्यूरोव की हिरासत की प्रारंभिक अवधि बढ़ा दी, जिससे पुलिस को उसे 96 घंटे तक हिरासत में रखने की अनुमति मिल गई. टेलीग्राम ने ड्यूरोव पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया. कंपनी ने एक बयान में कहाः यह दावा करना बेतुका है कि कोई प्लेटफ़ॉर्म या उसका मालिक उस प्लेटफ़ॉर्म के दुरुपयोग के लिए ज़िम्मेदार है. ड्यूरोव को अभी केवल हिरासत में लिया गया है, और यह देखना बाकी है कि आने वाले दिनों में उसके साथ क्या होगा, लेकिन अगर उस पर आरोप लगाया जाता है और सफलतापूर्वक मुकदमा चलाया जाता है, तो यह फ्रांस के लिए न केवल तकनीकी प्लेटफार्मों, बल्कि उनके मालिकों के खिलाफ भी व्यापक कार्रवाई करने के लिए आधार तैयार कर सकता है. यह दुनिया भर के देशों - पश्चिम और उससे परे - को अपनी स्वयं की जांच के लिए प्रोत्साहित कर सकता है. बदले में, यह तकनीकी प्लेटफार्मों को उनके द्वारा होस्ट की जाने वाली आपराधिक सामग्री के बारे में अधिक गंभीरता से सोचने पर मजबूर कर सकता है. कुल मिलाकर इस मामले के दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव हो सकते हैं, न केवल टेलीग्राम के लिए बल्कि अन्य वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों के लिए भी.

कौन हैं पावेल ड्यूरोव?

1984 में रूस में जन्मे पावेल ड्यूरोव के पास फ्रांसीसी नागरिकता भी है. यह समझा सकता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में अपने ऐप की भूमिका और चरमपंथी समूहों और अपराधियों द्वारा इसके व्यापक उपयोग के बावजूद वह यह यात्रा आसानी से कैसे कर पाए. ड्यूरोव ने 2006 में सोशल मीडिया साइट, वीकांटैक्ट शुरू की थी, जो रूस में बहुत लोकप्रिय है. हालांकि, साइट के नए मालिक इसे कैसे संचालित कर रहे थे, इस पर विवाद के कारण उन्हें 2014 में कंपनी छोड़नी पड़ी. इससे कुछ समय पहले ही ड्यूरोव ने टेलीग्राम बनाया था. यह प्लेटफ़ॉर्म संचार और आदान-प्रदान के साधन के साथ-साथ एन्क्रिप्शन की सुरक्षा भी प्रदान करता है जिससे अपराधों को ट्रैक करना और निपटना पहले से कहीं अधिक कठिन हो जाता है.

एक अजीब निशाना

पावेल ड्यूरोव का कुछ मायनों में फ्रांसीसी अधिकारियों के निशाने पर होना अजीब है. मेटा का व्हाट्सएप मैसेंजर ऐप भी एन्क्रिप्टेड है और इसमें तीन गुना अधिक उपयोगकर्ता हैं, जबकि नफरत फैलाने वाले भाषण और अन्य समस्याग्रस्त सामग्री के लिए एक्स के उकसावे सार्वजनिक रूप से जाहिर हैं और तेजी से व्यापक हो रहे हैं. इस बात का भी कोई सुझाव नहीं है कि ड्यूरोव स्वयं कोई अवैध सामग्री बनाने में लगे हुए थे. इसके बजाय, उन पर ऐप को पहले स्थान पर बनाए रखकर अप्रत्यक्ष रूप से अवैध सामग्री को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया गया है.

संयम का प्रश्न : ड्यूरोव की हिरासत अक्सर भ्रमित करने वाली व विरोधाभासी बातचीत में एक और कृत्य का प्रतीक है कि प्लेटफ़ॉर्म अपनी साइटों पर सामग्री के लिए कितनी ज़िम्मेदारी निभाते हैं. ये प्लेटफ़ॉर्म, जिनमें टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे डायरेक्ट मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं, लेकिन फेसबुक और एक्स द्वारा दी जाने वाली व्यापक सेवाएं भी शामिल हैं, दुनिया भर में संचालित होती हैं. वे विभिन्न प्रकार के कानूनी वातावरणों से जूझते हैं. इसका मतलब यह है कि किसी प्लेटफ़ॉर्म पर लगाया गया कोई भी प्रतिबंध अंततः दुनिया में हर जगह उसकी सेवाओं को प्रभावित करता है - विनियमन को जटिल बनाता है और अक्सर रोकता है.

कुट्टू आटे से बना 'फलाहार' खाने के बाद 120 विषाक्तता के शिकार

- पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने के बाद पीड़ितों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया

एजेंसी। मथुरा (उप्र)

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखने वाले 120 से अधिक लोग कुट्टू के आटे से बना 'फलाहार' खाने के बाद कथित तौर पर भोजन विषाक्तता के शिकार हो गये और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कुट्टू के आटे की आपूर्ति करने वाले दो दुकानदारों के यहां जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने छापा मारकर दुकानें सील कर दी हैं और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है. अधिकारियों ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखने वाले 60 से अधिक लोगों की कुट्टू के आटे से बने पूड़ी और पकौड़े खाने के बाद विषाक्तता के कारण तबीयत बिगड़ गयी. बाद में उन्होंने बताया कि बीमारों की संख्या बढ़कर 120 से अधिक हो गयी है. बताया कि इन लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने के बाद आगरा तथा मथुरा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. स्वास्थ्य विभाग के त्वरित प्रतिक्रिया दल के प्रभारी डॉ. भूदेव प्रसाद ने बताया कि यह घटना सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे की है जब फरह थाना क्षेत्र के पांच-छह गांवों में 'फूड प्वॉयजनिंग' होने की शिकायत मिली.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)